खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 05 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-248

ब्रुनेई के सुल्तान और भारत के प्रधानमंत्री ने मिलाया हाथ

आतंकवाद किसी भी शक्ल में अस्वीकार

- दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों का कड़ा विरोध किया
- दुनियाभर के देशों से आतंकवाद को अस्वीकार करने की अपील
- ब्रुनेई की राजधानी से चेन्नई तक सीधी विमान सेवा शुरू होगी
- रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग के लिए हुए अहम समझौते

ब्रुनेई, 04 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ खड़े होने की प्रतिबद्धता के साथ हाथ मिलाया और कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हुए द्विपक्षीय करार के साक्षी बने। ब्रुनेई की राजधानी बांदर सेरी बेगावान और चेन्नई के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करने की घोषणा हुई और सैटेलाइट लॉन्चिंग वाहनों के लिए टेलिमैट्री, ट्रैकिंग और टेलीकमांड स्टेशन के संचालन में सहयोग के करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने आतंकवाद की निंदा की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का विरोध किया और राष्ट्रों से इसे अस्वीकार करने का आह्वान किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश को अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र का उपयोग आतंकवाद के लिए नहीं करने देना चाहिए, किसी भी देश को आतंकवादियों को पनाह नहीं देनी चाहिए। दोनों नेताओं ने आतंकवादी कृत्यों के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के बीच संबंधों को स्वीकार करते हुए दोनों नेताओं ने इस संबंध में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्ष आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम करने पर सहमत हुए। पीएम मोदी और सुल्तान बोल्किया की मुलाकात सुल्तान के राजमहल में हुई। पीएम मोदी ने इस मुलाकात के बाद सुल्तान हसन बोल्किया का शुक्रिया जताया। पीएम मोदी ने कहा, आपके भावपूर्ण शब्द, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए आपको और पूरे शाही परिवार का आभार

▶10 पर

पीएम मोदी सिंगापुर पहुंचे, पीएम लॉरेंस वॉन्ग से मिले

सिंगापुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रुनेई की यात्रा सम्पन्न होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंगापुर पहुंचे। सिंगापुर प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग के निमंत्रण पर पीएम मोदी दक्षिण-पूर्व एशियाई देश सिंगापुर की अपनी पांचवीं आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। हवाई अड्डे पर सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय समुदाय ने भी प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग द्वारा पीएम मोदी के स्वागत में निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें नरेंद्र मोदी शरीक हुए।

कल सुबह से प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ बैठकें शुरू होंगी। वहां उनका औपचारिक स्वागत भी किया जाएगा और उसके बाद वे सिंगापुर के राष्ट्रपति और वरिष्ठ मंत्रियों और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठकें करेंगे। पीएम मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ सेमीकंडक्टर सुविधा (एईएम) का भी दौरा करेंगे।

▶10 पर

शांति के रास्ते पर पूर्वोत्तर के राज्य

त्रिपुरा के दो उग्रवादी संगठनों ने डाले हथियार

गृह मंत्री अमित शाह और सीएम माणिक साहा की मौजूदगी में शांति समझौते पर एनएलएफटी एवं एटीटीएफ ने किए हस्ताक्षर

अगरतला, 04 सितंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा में शांति स्थापना के लिहाज से एक महत्वपूर्ण पहल हुई। त्रिपुरा में सक्रिय नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर्स फोर्स (एटीटीएफ) ने त्रिपुरा शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा मौजूद थे। समझौते को लेकर एनएलएफटी ने कहा कि हमने सरकार पर भरोसा करते हुए 30 साल का संघर्ष खत्म किया है। संगठन ने गृहमंत्री अमित शाह पर भरोसा जताने की बात कही।

गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस समझौते को लेकर दोनों संगठनों का आभार जताया और कहा कि उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सद्भावना का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीएम माणिक साहा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की सक्रिय पहल पर पिछले दस वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। त्रिपुरा के लिए अब तक तीन समझौते किए गए हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के सदस्यों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। सीएम माणिक साहा ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री शाह के मार्गदर्शन में त्रिपुरा में सभी लोगों का भविष्य उज्जवल है। मुख्यमंत्री साहा ने कहा, मैं गृहमंत्री शाह का आभार जताना चाहता हूं, जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सद्भावना का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

▶10 पर

ड्रोन हमलों को लेकर सरकार सख्त जांच समिति गठित

इंफाल, 04 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी इंफाल के कोत्रूक में एक सितंबर को हुए ड्रोन हमले को लेकर केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। ड्रोन हमले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। इस सिलसिले में हुई उच्च स्तरीय बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आशुतोष कुमार सिन्हा, मेजर जनरल एसएस कार्तिकेय, मेजर जनरल स्वरूप सिंह, आईपीएस अधिकारी विपुल कुमार और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) जेके बिरडी उपस्थित थे।

कुकी उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन की जांच के लिए अतिरिक्त डीजीपी (अंतरराष्ट्रीय) की अध्यक्षता में पांच सदस्यों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया। इसमें कुकी उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन की जांच की जाएगी, जिसमें मणिपुर के कोत्रूक गांव में एक महिला की मौत हो गई थी और तीन पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए थे।

▶10 पर

ऑर्थोडॉक्स और जैकोबाइट गुट में विवाद पर हाईकोर्ट का निर्देश

केरल के आधा दर्जन चर्चों पर होगा सरकार का नियंत्रण

तिरुअनंतपुरम, 04 सितंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एर्नाकुलम और पलक्कड़ के जिला कलेक्टरों को मलंकारा ईसाई के 6 चर्चों को अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया है। आधा दर्जन चर्चों को लेकर मलंकारा ईसाई के दो गुटों जैकोबाइट और ऑर्थोडॉक्स के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। हाईकोर्ट ने यह आदेश ऑर्थोडॉक्स गुट के दो पादरियों (याचिकाकर्ता) द्वारा दाखिल अवमानना याचिका पर दी।

केरल हाईकोर्ट के जज वीजी अरुण ने न्यायालय के 2022 के निर्देशों की घोर अवज्ञा की आलोचना की। इन निर्देशों में मलंकारा ऑर्थोडॉक्स चर्च (ऑथोडॉक्स गुट) के सदस्यों को इन चर्चों में प्रवेश करने और उन्हें शांतिपूर्वक ढंग से प्रार्थना करने की अनुमति दी गई थी। जैकोबाइट ईसाईयों ने ऑर्थोडॉक्स ईसाईयों को चर्च में घुसने से रोक देते थे।

न्यायाधीश ने कहा कि उनके पास जिला कलेक्टरों को इन चर्चों का कब्ज़ा अपने हाथ में लेने को कहने के सिवाय कोई विकल्प नहीं है। अदालत ने कहा, आधिकारिक प्रतिवादियों के अड़ियल रवैए और पार्टी प्रतिवादियों (जैकबाइट गुट) द्वारा निर्देशों की अवहेलना के कारण इस अदालत के पास अवमाननापूर्ण कृत्यों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित जैकोबाइट गुट के ईसाईयों का एक बड़ा समूह चर्च में घुसने से रोकता है। सरकार ने कहा कि उसने कोर्ट के निर्देशों को लागू करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए थे। हालाँकि, जैकोबाइट्स के बड़े आंदोलन के कारण उसे पीछे हटना पड़ा।

▶10 पर

बुल्डोजर पर बौखलाने वालों को सीएम योगी का करारा जवाब

दंगाइयों के आगे नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे!

लखनऊ, 04 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराधियों पर बुलडोजर चलाने के लिए बुलडोजर जैसी इच्छाशक्ति होनी चाहिए। योगी ने सपा नेता अखिलेश यादव पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि दंगाइयों के आगे नाक रगड़ने वाले बुलडोजर नहीं चला सकते।

मुख्यमंत्री योगी ने यह बयान अखिलेश यादव की उस टिप्पणी के जवाब में दिया है जिसमें अखिलेश यादव ने कहा था कि सत्ता में आए तो 2027 के बाद बुलडोजर को गोरखपुर की तरफ मोड़ देंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब टीपू भी सुल्तान बनने के सपने देख रहे हैं। कुछ समय पहले एक नाटक आता था मुंगेरी लाल के हसीन सपने, आज वह लोग भी सपने देख रहे हैं। यह लोग सपना देख रहे हैं। जब इनको अवसर मिला था तो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1334 अवर अभियंता, संगणक व फोरमैन को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि 2017 के पहले जब नौकरियां निकलती थीं तो चाचा भतीजे में वसूली की होड़ लगती थी। आज कुछ जिलों में आदमखोर भेड़ियों का आतंक है। 2018 से पहले ऐसा ही आतंक और स्थिति यूपी में थी। इनके भी क्षेत्र बांटे थे। महाभारत के सभी किरदार इसमें थे। जो आज बोल रहे हैं, इनको पहले भी अवसर मिला था। इन्होंने कुछ किया नहीं। इन पर विश्वास करने की जरूरत नहीं है। प्रदेश की जनता इन लोगों के समय की गुंडागर्दी और अमर्यादित आचरण देख चुकी है। आपका एक ही लक्ष्य विभाग को सर्वोत्तम बनाना होना चाहिए। हम देश को विकसित भारत बनाना है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सपा सरकारों ने यूपी में युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। आज युवाओं को उनकी प्रतिभा, क्षमता से नियुक्ति पत्र मिल रहा है। अगर युवाओं की राह में कोई बैरियर है तो हम उसको हटाएंगे।

▶10 पर

अनचाही कॉल और अनचाहे फोन पर ट्राई की कार्रवाई

2.75 लाख फोन नंबर काटे, 50 संस्थाएं काली सूची में

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अनचाही कॉल में बेतहाशा वृद्धि और गैरपंजीकृत टेली मार्केटिंग कंपनियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए 2.75 लाख टेलीफोन कनेक्शन काट दिए हैं। 50 से ज्यादा संस्थाओं को काली सूची में डाल दिया गया है।

ट्राई ने कहा कि फर्जी कॉल में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के चलते यह कार्रवाई की गई है। ट्राई को इस वर्ष की पहली छमाही (जनवरी से जून) में गैरपंजीकृत टेलीमार्केटर (यूटीएम) के खिलाफ 7.9 लाख से अधिक शिकायतें मिली थीं।

▶10 पर

रक्षा क्षेत्र में देश ने हासिल की दो बड़ी उपलब्धियां

समुद्र से लेकर आसमान तक रहेगी नजर

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना अब और ताकतवर होने जा रही है। उसे दुश्मन के ड्रोन झुंडों (स्वार्म) के हमले को बेअसर करने के लिए आधुनिकतम एचईपीएफ फायरिंग शेल मिलने जा रहा है। यह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित किया गया है। इससे नौसेना ड्रोन झुंडों को बेअसर करने में सफल होगी। डीआरडीओ ने 30 एमएम हाई एक्सप्लोसिव प्रीफॉर्म्ड फ्रैगमेंटेशन (एचईपीएफ) शेल के उत्पादन का दस्तावेज नौसेना आयुध निरीक्षण महानिदेशक को सौंपा है।इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय के एकीकृत मुख्यालय (नौसेना)/डीजीएनएआई ने एचईपीएफ शेल के समावेशन की मंजूरी हासिल कर ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने उत्पादन दस्तावेज सौंपे जाने के लिए एआरडीई को बधाई दी है। इस समारोह के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और नौसेना मुख्यालय के अधिकारी मौजूद थे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसे मौजूदा एके-630 नेवल गन से दागा जा सकता है। इस आधुनिक शेल की विशेषताएं इन-सर्विस एम्युनिशन के समान हैं। एचईपीएफ शेल हार्डवेयर का निर्माण तीन भारतीय फर्मों की ओर से किया गया है। यह निर्माण आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई) के निर्देशों और नौसेना आयुध निरीक्षणालय, जबलपुर के सहयोग से गन फायरिंग प्रूफ परीक्षणों के अधीन किया गया है।

▶10 पर

22 हजार करोड़ के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का भंडाफोड़

असम के सीएम ने लोगों को किया आगाह

गुवाहाटी, 04 सितंबर (एजेंसियां)। असम में 22 हजार करोड़ के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का भंडाफोड़ हुआ है। यहां लोगों से ऑनलाइन शेयर बाजार में पैसा लगाने और दो महीने में उसे दोगुना करने का वादा करके धोखाधड़ी की जा रही थी। पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि राज्य में घोटाले को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। वहीं असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने लोगों से ऑनलाइन ट्रेडिंग से बचने के लिए कहा है। पुलिस को बीते कई दिनों से राज्य में कई ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनियों के सेबी और आरबीआई के निर्देशों का पालन किए बिना कारोबार करने की जानकारी

▶10 पर

ब्रिटेन में ब्राउनस्टोन टाउन के पार्क में बुजुर्ग भारतवंशी पर हमला, मौत

लंदन, 04 सितंबर (एजेंसियां) ।
लंदन में लीसेस्टर के पास ब्राउनस्टोन टाउन के फ्रैंकलीन पार्क में भारतवंशी भीम सेन कोहली रविवार को हुए हमले में घायल हो गए। बागवानी से जुड़े 80 वर्षीय कोहली पार्क में अपने पालतू डॉग रॉकी को घुमा रहे थे। हमले में घायल कोहली ने सोमवार को दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने मंगलवार को पांच नाबालिगों को गिरफ्तार किया। इनमें से चार को छोड़ दिया गया। एक आरोपित पुलिस हिरासत में है।

लंदन से छपने वाले अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार भारतवंशी बुजुर्ग कोहली ने इससे कुछ दिन पहले पार्क में असामाजिक तत्वों के एकत्र होने की पुलिस से शिकायत की थी। इन लोगों ने उन पर थूकने के साथ पत्थर फेंके थे। मूल रूप से भारत में पंजाब के रहने वाले कोहली पर रविवार शाम लगभग 6:30 बजे हमला करने के बाद रीढ़ की हड्डी में लात मारी गई। स्थानीय पुलिस ने उनकी हत्या के संदेह में 14 साल के एक लड़के और एक लड़की और 12 साल के एक लड़के और दो लड़कियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 14 वर्षीय लड़के को छोड़कर बाकी सभी को बिना कोई कार्रवाई किए जमानत दे दी । वह हिरासत में है।

रिपोर्ट के अनुसार, तीन बच्चों के पिता और कुशल माली कोहली ने युवाओं के एक समूह के खिलाफ असामाजिक व्यवहार की शिकायत की थी। कोहली के पड़ोसी 55 वर्षीय ग्राहम हाल्डेन ने कहा कि घटना के बाद बयान लेने में पुलिस को तीन दिन लग गए। कोहली बहुत प्यारे इंसान थे। उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस था। वह मुश्किल से अपनी गर्दन हिला पाते थे। उनके पास तीन भूखंड थे। पूरे साल वह उनमें सब्जियां उगाते थे। दिवंगत कोहली की बेटी ने कहा कि चोटों की गंभीरता के कारण उन्हें नॉटिंघम के क्वीन्स मेडिकल सेंटर (क्यूएमसी) में ले जाया गया।

न्यूज ब्रीफ

भड़के किम जोंग : बाढ़ से तबाही रोकने में नाकाम रहे 30 अफसरों को फांसी पर लटकाया

प्योंगयॉग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग की नाराजगी का शिकार 30 अफसरों को होना पड़ा है। इनका दोष सिर्फ इतना था कि वे बाढ़ से होने वाली तबाही को रोकने में कामयाब नहीं हो पाए थे। हालांकि, उन पर करप्शन के भी चार्ज थे। बाढ़ की तबाही देखर किम जोंग उन इस कदर भड़क उठे कि उन्होंने 30 अधिकारियों को एक साथ एक ही जगह फांसी पर लटका दिया। रिपोर्ट की मानें तो तानाशाह किम जोंग ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। बाढ़ की विभीषिका देखकर वह क्रोधित हो चुके थे। बाढ़ में 4000 लोगों की मौत से वह इस कदर आहत हुए कि उन्होंने आव न देखा ताव, तुरंत उत्तर कोरिया में बाढ़ में लापरवाही बरतने के आरोप में 30 अधिकारियों को मौत के घाट उतार दिया। बता दें कि उत्तर कोरिया में किसी अपराध के लिए आमतौर पर लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी देने की दर बहुत अधिक है। कोरोना महामारी से पहले नॉर्थ कोरिया में हर साल औसतन 10 लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाती थी। रिपोर्ट की मानें तो कोरोना काल के बाद से यह दर और भी बढ़ गई है। पिछले साल कम से कम 100 लोगों को फांसी दी गई।

अगर इजरायल डिफेंस फोर्स चाहती तो भी छह बंधकों नहीं बचा पाती: हमास

वॉशिंगटन । हमास का कहना है कि अगर इजरायल डिफेंस फोर्स चाहती भी तो भी छह बंधकों नहीं बचा पाती। हमास के प्रवक्ता अबू उबैदा ने कहा, हम सभी को साफ कर देना चाहते हैं कि नुसेरात में हुई घटना के बाद, कैदियों की सुरक्षा के लिए मुजाहिदीन को नए निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों में बताया गया है कि अगर कब्जे वाली सेना उस स्थान पर पहुंचती है जहां कैदियों को रखा गया है, तो स्थिति को कैसे संभालना है। बता दें कि गाजा की धरती पर हमास ने बीते 11 महीने से बंधक छह इजरायलियों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद अमेरिका की तरफ से भी इस घटना को लेकर नेतन्याहू प्रशासन से नाराजगी जाहिर की गई। अमेरिका का कहना है कि इन बेकसूर लोगों की जान को बचाया जा सकता था। इस मामले में अब हमास की तरफ से भी बयान जारी किया गया है। आईडीएफ ने दावा किया कि सुरक्षाबलों के लोगों तक पहुंचने से थोड़ी देर पहले ही उनकी क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। उबैदा ने छह बंधकों की मौत के लिए इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को दोषी ठहराते हुए कहा कि वो बातचीत के बजाय सैन्य अभियान चलाने पर विश्वास रखते हैं। उबैदा ने कहा, नेतन्याहू द्वारा बताचीत करने के बजाय सैन्य एक्शन के माध्यम से कैदियों को मुक्त करने का आग्रह करने का मतलब है कि बंधकों को कफन में उनके परिवारों को लौटा दिया जाएगा।

यूक्रेन वॉर जोन में 10 हजार किलोमीटर की यात्रा, फोटोग्राफर की तस्वीरें कर देंगी भावुक

कीव । रूस और यूक्रेन युद्ध की विभीषिका के बीच मानवीय संवेदनाओं से भरी ऐसी असंख्य कहानियां हैं, जो एक ओर दर्द और पीड़ा की कहानी दिखाती हैं। वहीं प्रेम, करुणा और वात्सल्य की भावनाओं को भी बखूबी उजागर करती हैं। जब यूक्रेन पर रूस का कहर जारी है। तब बायरन स्मिथ नाम के इंटरनेशनल फोटोग्राफर ने यूक्रेन के वॉर जोन में 10 हजार किलोमीटर की यात्रा की। उन्होंने अपने कैमरे के जरिए यूक्रेन के लोगों की स्थिति और उनकी मनोदशा को बखूबी दिखाने की कोशिश की। उन्होंने युद्ध के बीच यूक्रेन का दौरा कर उन दृश्यों को सहेजने की कोशिश की, जिनके वे गवाह बने। ये महज तस्वीरें नहीं बल्कि युद्ध की त्रासदी झेल रहे लोगों का दस्तावेजीकरण है। उन्होंने देखा कि किस तरह 2022 में शुरुआती हमलों के बीच इरपिन शहर से छोटी-छोटी टैक्सियों से रवाना होने के लिए लोगों में होड़ मची। इस बीच उनकी खींची तस्वीरों को जानवरों के प्रति इंसानी प्रेम के प्रतीक के तौर पर देखा जा सकता है क्योंकि सामानों से लदी पड़ी टैक्सी में बैठने तक की जगह नहीं है, लेकिन लोग अपने पालतू कुत्तों को गोद में लिए बैठे हैं ताकि खुद के साथ-साथ उन्हें भी सुरक्षित रख सकें। एक तस्वीर शोरगुल के बीच रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार करते लोगों की है। यह ट्रेन यूक्रेन से पोलैंड की तरफ जानी है। ठसाठस भरी ट्रेनों में अपनों को विदा करते लोगों की तस्वीरें दिल को झकझोर देने वाली है। सड़कों पर नवजात बच्चों के साथ हाथ में सामान लेकर जाती हुई महिलाओं की तस्वीरें भावुक कर देती है। फोटोग्राफर कहते हैं कि जब आप इतनी बड़ी तादाद में लोगों को पलायन करते हुए देखते हैं।

पाक में शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक 2024 को मंजूरी

इस्लामाबाद, 04 सितंबर (एजेंसियां) ।
पाकिस्तान में आंतरिक मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति ने मंगलवार को %शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक 2024% को मंजूरी प्रदान कर दी। यह विधेयक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और सभा आयोजित करने पर देश में पहला कानून बनाने में मदद करेगा। अध्यक्ष सीनेटर फैसल सलीम रहमान और पीटीआई से संबंधित सीनेटर सैफुल्लाह अब्रो ने इसका विरोध किया।

रिपोर्ट के अनुसार, विधेयक को सीनेटर सलीम मांडवीवाला, समीना मुमताज जहरी, इरफानुल हक सिद्दीकी, सैयद फैसल अली सब्ज़वारी और उमर फारूक ने पेश किया। प्रस्तावकों ने कहा है कि विधेयक का उद्देश्य इस्लामाबाद क्षेत्र में शांतिपूर्ण सभाओं को विनियमित करना है, जुलूसों ने नागरिकों के जीवन को दयनीय बना दिया है। यह विधेयक राजनीतिक और गैर-राजनीतिक सभाएं आयोजित करने की अनुमति देने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। सभाओं के लिए विशिष्ट स्थान निर्धारित करेगा। अवैध सभाओं के लिए दंड का भी उल्लेख करेगा।

स्थायी समिति को आंतरिक सचिव और इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त मोहम्मद अली रंधावा सहित अन्य अधिकारियों ने सूचित किया कि वर्तमान में सार्वजनिक रैलियों और सभाओं के आयोजन के लिए प्रशासन एनओसी प्रदान करता है। इस्लामाबाद में सभाओं के लिए कोई विशिष्ट स्थान नहीं है और अनियंत्रित विरोध प्रदर्शन और धरने निवासियों के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर रहे हैं। हम इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में एक निर्दिष्ट स्थान निर्धारित करना चाहते हैं और सर्वसम्मति के बाद यह नोट किया गया कि ऐसी जगह संघीय राजधानी के प्रवेश बिंदुओं पर होगी।

कानून प्रभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद में शांतिपूर्ण सभा के संबंध में कोई कानून नहीं है और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के पास सभाओं के लिए एनओसी देने और उन्हें रद्द करने की विवेकाधीन शक्तियां हैं।

विधेयक पेश करते हुए सीनेटर मांडवीवाला ने तर्क दिया कि इस्लामाबाद में मुख्य रूप से डी-चौक और फैजाबाद के आसपास धरने और विरोध प्रदर्शन उग्र हो गए हैं।

सीनेटर फैसल सब्ज़वारी ने कहा कि विधेयक में धार्मिक समारोहों को भी शामिल किया जाना चाहिए। सीनेटर समीना मुमताज ने लंदन के हाइड पार्क के उदाहरण का अनुसरण करते हुए कहा कि सभाओं के लिए एक विशिष्ट स्थान निर्दिष्ट किया जाना चाहिए। स्थायी समिति ने सर्वसम्मति से तीन और विधेयक पारित किए। यह हैं- इलेक्ट्रॉनिक अपराधों की रोकथाम (संशोधन) विधेयक 2024, प्रवासियों की तस्करी की रोकथाम विधेयक 2024 और व्यक्तियों की तस्करी की रोकथाम संशोधन विधेयक 2024।

यमन सरकार ने हूती विद्रोहियों के हमलों पर जताई चिंता, आर्थिक और मानवीय परिणाम की दी चेतावनी

अदन ,04 सितंबर । यमन सरकार ने लाल सागर में केमिकल और तेल टैंकरों वाले जहाज पर हूतियों विद्रोहियों द्वारा किए गए हमलों की निंदा की है। उन्होंने इन हमलों को आतंकवाद करार दिया और कहा कि ये हमले क्षेत्र में पर्यावरण, आर्थिक और मानवीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा हैं। यमन के सूचना मंत्री मोअम्मर अल-एरियानी ने एक बयान में ग्रीस कंपनी द्वारा संचालित जहाज एमवी ब्लू लैगून पर हुए हमले पर बात की। उन्होंने कहा, नवंबर 2023 के बाद से यह केमिकल और तेल टैंकरों वाले जहाज पर 10वां हमला है।

दरअसल, हाल ही में ग्रीस की एक कंपनी के जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया था। यमन के सूचना मंत्री हमलों की आलोचना करते हुए इसे आ पर्यावरण, आर्थिक और मानवीय परिणामों की संभावना के साथ व्यवस्थित आतंकवाद बताया। उन्होंने कहा कि इन हमलों के विनाशकारी, आर्थिक और मानवीय परिणाम हो सकते हैं।

यमन के सूचना मंत्री का यह बयान एमवी सौनियन को बचाने के लिए चल रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के बाद आया है। बीते महीने 21 अगस्त को हूती विद्रोहियों ने इसे निशाना बनाया था। एक मिलियन बैरल कच्चा तेल ले जाने वाले जहाज का इंजन खराब हो गया था। इसके चलते वह लाल सागर में फंसा हुआ है। हालांकि, जहाज पर सभी लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है।

जहाज के डूबने या फटने का खतरा बना हुआ है और जहाज पर अभी भी आग जल रही है।

अल-एरियानी ने चेतावनी दी कि लाल सागर, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य या अदन की खाड़ी में तेल का रिसाव यमन की अर्थव्यवस्था, कृषि, मत्स्य पालन और समुद्री पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की आपदा यमन के लाखों लोगों को जहरीली गैसों के संपर्क में लाएगी। इससे बंदरगाहों का संचालन थम जाएगा और मछली उद्योग पर निर्भर 1.7 मिलियन लोगों की आजीविका को खतरे में डाल देगी।

बता दें कि नवंबर 2023 से हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में हमलों को तेज कर दिया है। उन्होंने उन जहाजों को निशाना बनाया है, जिनके बारे में दावा किया जाता है कि वह इजरायल के हैं या फिर इजरायल जाने वाले हैं।

दुनियाभर के वैज्ञानिक चिंतित...! क्या लगातार फैलता जा रहा नरक का द्वार

ट्यूमेन, 04 सितंबर (एजेंसियां) ।
साइबेरिया में एक गड्ढा है जो लगातार बढ़ रहा है। इसका आकार किसी स्टिंग रे, हॉर्सशू क्रैब या विशालकाय टैडपोल जैसा दिख रहा है। पहले यह बेहद छोटा था, जब 1960 में इसकी पहली बार सैटेलाइट से फोटो ली गई थी। अब यह विशालकाय हो चुका है। लगातार फैलता जा रहा है। मिट्टी धंसती जा रही है। अब इस क्रेटर के अंदर पहाड़ियां और घाटियां बनती जा रही हैं। ये सारा बदलाव सैटेलाइट तस्वीरों में साफ दिख रहा है। इसका नाम है द बाटागे क्रेटर है। वैज्ञानिक हैरान इससे हैं कि यह गड्ढा लगातार बढ़ क्यों रहा है रिपोर्ट के मुताबिक यह गड्ढा और इसमें बना छेद 1991 की तुलना में 2018 तक ही तीन गुना बढ़ चुका है। बाटागे क्रेटर को लोग बाटागाइका भी बुलाते हैं। इसका मतलब होता है नरक का द्वार। आर्कटिक का इलाका बहुत तेजी से गर्म हो रहा है। जिसकी वजह से वहां पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। यह मिट्टी और बर्फ की मोटी परत है, जो हमेशा से जमी हुई थी। लेकिन अब नहीं। बाटागे क्रेटर असल में गड्ढा नहीं है बल्कि यह पर्माफ्रॉस्ट का एक हिस्सा है, जो तेजी से पिघल रहा है। इस रेट्रोग्रेसिव थॉ स्लंप कहते हैं। ऐसी जगह पर तेजी से भूस्खलन होता है। तीखी घाटियां बन जाती हैं। इसके अलावा गड्ढे बनते हैं। आर्कटिक सर्किल में इसतरह के थॉ

स्लंप बहुत ज्यादा है। लेकिन बेटागे मेगास्लंप का खिताब जीत चुका है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के रोजर मिचेल्डिस कहते हैं कि पर्माफ्रॉस्ट फोटोजेनिक जगह नहीं होती। रोजर कहते हैं कि यह एक जमी हुई धूल वाली जगह है। गीली मिट्टी और बर्फ का भयानक जमावड़ा है। जो गर्मी से पिघलता है, तब बाटागे क्रेटर की तरह स्लंप बनाता है। यह गड्ढा ऐसा है कि यहां स्टडी करने से हमारी पृथ्वी का भविष्य पता चल सकता है। क्योंकि पर्माफ्रॉस्ट में मरे पौधे, जानवर होते हैं। ये सदियों से जमे हुए होते हैं। इसकारण पर्माफ्रॉस्ट में कार्बन डाईऑक्साइड और मीथेन जैसी गैस जमा रहती है। वायुमंडल में निकलती भी रहती है। यहां पर गर्मी सोखने वाली गैस रहती हैं। जिसकी वजह से ग्लोबल वॉर्मिंग भी बढ़ती है।

चीन के थिंक टैंक ने फिलीपींस पर हवाई उकसावे का आरोप जड़ा

बीजिंग, 04 सितंबर (एजेंसियां) ।
चीन के थिंक टैंक ने फिलीपींस पर हवाई उकसावे का गंभीर आरोप जड़ा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने बीजिंग स्थित थिंक टैंक साउथ चाइना सी स्ट्रैटेजिक सिचुएशन प्रोबिंग इनिशिएटिव (एससीएसपीआई) के हवाले से कहा है कि दक्षिण चीन सागर में जहाजों की टक्कर से भी अधिक गंभीर अनिश्चितता और दुर्घटना का जोखिम है। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि फिलीपींस बलों की वापसी और उकसावे को समाप्त करना ही स्थिति को हल करने का एकमात्र तरीका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 28 अगस्त को फिलीपींस ने एक एच-145 हेलीकॉप्टर भेजा और फिलीपींस तट रक्षक जहाज एमआरआरवी-9701 को आपूर्ति की एयरड्रॉपिंग की। यह तट रक्षक जहाज अवैध रूप से चीन के जियानबिन जिओ के लैगून में लंगर डाले हुए है। चीन तटरक्षक बल के

अनुसार, पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज के रिसर्च फेलो जू चेन ने कहा कि चीन मौजूदा समय में फिलीपींस की एयरड्रॉपिंग को रोकने में पूरी तरह सक्षम है। उसे इसके लिए कठोर कदम उठाने का फैसला लेना चाहिए। थिंक टैंक ने चेतावनी दी है कि यदि फिलीपींस ने हवाई घुसपैठ जारी रखी तो चीन को कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हवाई टकराव की स्थिति में परिणाम जहाज की टक्कर से कहीं अधिक गंभीर होंगे।

अवामी लीग नेता हाजी मोहम्मद सलीम की पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ी, कोर्ट ने जेल भेजा

ढाका, 04 सितंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के पूर्व सांसद हाजी मोहम्मद सलीम को आज सुबह ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एमडी अख्तरुज्जमां की अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आइडियल कॉलेज के छात्र खालिद हसन सैफुल्लाह की हत्या के आरोप में पुलिस ने उन्हें सोमवार तड़के राजधानी के बंगशाल इलाके से गिरफ्तार किया था।

इसके बाद पुलिस ने उन्हें ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एमडी अख्तरुज्जमां की अदालत में पेशकर 10 दिन का रिमांड मांगा। अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा। ढाका रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस रिमांड के दौरान हाजी बीमार पड़ गए। उन्हें मंगलवार देररात अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद उन्हें आज तड़के अदालत ले जाया गया। अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इसके बाद हाजी को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में परीक्षण कराने के बाद जेल भेज दिया गया।

जांच अधिकारी ने कहा है कि हाजी सलीम ने पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण पूछताछ जारी रखना मुश्किल हो गया। अधिकारी ने अदालत से अनुरोध किया कि हाजी सलीम को जेल में रखा जाए। अदालत ने उनके आग्रह को मंजूर करते हुए हाजी को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

अभियोजन पक्ष का कहना है कि 18 जुलाई को भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान आइडियल कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र खालिद हसन सैफुल्लाह को लालबाग में गोली मार दी गई थी। उनके पिता कमरुल हसन ने 19 अगस्त को लालबाग थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और हाजी मोहम्मद सलीम समेत 52 लोगों को आरोपी बनाया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले 2008 में हाजी सलीम को भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के अवैध रूप से संपत्ति जमा करने के मामले में 13 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। 2022 में हाई कोर्ट ने सजा घटाकर 10 साल कर दी थी। हाजी सलीम पहली बार 1996 में अवामी लीग से ढाका-8 निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए संसद सदस्य बने।

वह 2001 का आम चुनाव बीएनपी नेता नसीरुद्दीन अहमद पिंटू से हार गए थे। 2014 के आम चुनाव में वह स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में ढाका -7 निर्वाचन क्षेत्र जीते। 2018 में इसी निर्वाचन क्षेत्र से अवामी लीग के टिकट पर निर्वाचित हुए। हाजी सलीम ने इस साल जनवरी में हुए 12वें संसदीय चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। उनके बेटे मोहम्मद सोलेमान सलीम को अवामी लीग ने ढाका-7 सीट से नामांकित किया गया और उन्होंने जीत हासिल की।

बंगाल सरकार की अराजकता के खिलाफ गृह मंत्रालय पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

मेडिकल कॉलेज में सीआईएसएफ को सुविधाएं नहीं दे रही ममता

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के सहयोग न करने की बात करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती के बाद बंगाल सरकार सहयोग नहीं कर रही है। गृह मंत्रालय ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट बंगाल सरकार को आदेश दे।

गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में तैनात सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों को सरकार सुविधा नहीं दे रही है। गृह मंत्रालय ने कहा है कि सीआईएसएफ को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के आसपास रहने की जगह भी सरकार नहीं दे रही है। गृह मंत्रालय ने बताया कि सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों को अस्पताल से काफी दूरी पर अपना शिविर लगाकर रहना पड़ रहा है। उन्हें

आने-जाने में रोज काफी वक्त लगता है, इस वजह से उनके काम की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इससे आपात स्थिति से निपटने में भी सीआईएसएफ को दिक्कतें पेश आ रही हैं।

गृह मंत्रालय ने बताया है कि इसने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से भी रहने की जगह और कुछ उपकरण भी मांगे थे, जो उपलब्ध नहीं करवाए गए हैं। गृह मंत्रालय ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि वह आदेश की अवमानना के लिए बंगाल सरकार पर कार्रवाई करे। सुप्रीम कोर्ट ने 20 अगस्त 2024 को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सीआईएसएफ को तैनात करने का केंद्र सरकार को आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था में कलकत्ता पुलिस के विफल रहने के कारण दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ की एक यूनिट यहां तैनात कर दी थी।

उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त 2024 को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे पुलिस और कॉलेज प्रशासन ने आत्महत्या बताने का प्रयास किया था। इस घटना के बाद देश भर में बवाल हुआ था और डॉक्टर हड़ताल पर चले गए थे।

मेडिकल कॉलेज में इस घटना के बाद तोड़फोड़ हुई थी, इसे कोलकाता पुलिस नहीं रोक पाई थी। इसी के चलते सुप्रीम कोर्ट ने यहां की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ तैनात करने का आदेश दिया था। मामले में अभी सीबीआई जांच चल रही है।

उमर अब्दुल्ला को चुनौती देने जा रहे हैं फ्रीडम चाचा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 04 सितम्बर।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में शिकस्त खाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अब गंदरबल विधानसभा क्षेत्र से किस्मत आजमाने चुनाव मैदान में उतरे हैं। हालांकि उनके मुकाबले में जमायते इस्लामी के नेता सरजन बरकती उर्फ फ्रीडम चाचा मैदान में उतरने की चुनौती देने लगे हैं। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को गंदरबल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना नामांकन कराया। उन्होंने अपनी जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि शेख इश्फाक जब्बार को अगर वर्ष 2014 में हम यहां चुनाव लड़ाने के लिए टिकट नहीं देते तो कभी विधायक नहीं बन पाते। और यह सच है कि जम्मू कश्मीर में गंदरबल सीट पर मुकाबला काफी रोचक होने वाला है क्योंकि प्रतिबंधित जमायते इस्लामी के जेल में बंद नेता सरजन अहमद वागे उर्फ सरजन बरकती उर्फ आजादी चाचा ने शोपियां जिले में अपना नामांकन रद होने के बावजूद चुनाव लड़ने का अपना इरादा नहीं बदला है

और वे अब गंदरबल से मैदान में उतरने की घोषणा कर चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि शेख इश्फाक जब्बार ने पिछले वर्ष नेशनल कांफ्रेंस से त्यागपत्र दिया था और उन्होंने जम्मू कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट नामक एक संगठन बनाया है। वह भी गंदरबल से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इस अवसर पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैने वर्ष 2008 में गंदरबल से चुनाव जीता था और यहां कई विकास कार्य शुरू कराएं। हमने शेख इश्फाक जब्बार को चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाने का वादा किया था, इसलिए हमने 2014 में उन्हें यहां से चुनाव लड़ाया। इश्फाक जब्बार यहां से चुनाव जीत भी गए लेकिन विधायक बनने के बाद वह स्थानीय लोगों की उम्मीदों पर पूरा नहीं उतर पाए।

इस बीच दक्षिण कश्मीर में जिला शोपियां के रहने वाले सरजन अहमद बरकती ने पहले जेनपोरा विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन कराया था। जेनपोरा में पहले चरण के तहत 18 सितंबर को मतदान होना है जबकि गंदरबल में दूसरे चरण में 25 सितंबर को मतदान होगा। दूसरे चरण के लिए नामांकन जमा कराने की समय सीमा पांच सितम्बर गुरूवार को समाप्त हो जाएगी।

नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष ने कहा कि कश्मीर में जो निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या मे बढ़ोत्तरी नजर आ रही है, वह भाजपा का एक षड्यंत्र हैं। भाजपा चाहती है कि जम्मू कश्मीर में ज्यादा से ज्यादा निर्दलीय चुनाव लड़ें ताकि वह उनके सहारे सरकार बना सके।लेकिन मुझे नहीं लगता कि आम मतदाता भाजपा के इस मंसूबे को पूरा होने देगा। जब चुनाव परिणाम आएंगे तो सभी को पता चल जाएगा।

बारामुला संसदीय सीट पर हार का मुंह देख चुके उमर अब्दुल्ला के लिए गंदरबल सीट पर चुनाव जीतना बहुत जरूरी है । उन्हें पहले ही यहां पीडीपी और जम्मू कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट के उम्मीदवार की तरफ से कड़ी टक्कर मिलती नजर आ रही है।

भारत से इजरायल को हथियार आपूर्ति रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नयी दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत से इजरायल को हथियार आपूर्ति रोकने की मांग को लेकर पूर्व आईएफएस अधिकारियों समेत कई सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

अवकाश प्राप्त आईएफएस अधिकारी अशोक कुमार शर्मा के नेतृत्व में अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से याचिकाकर्ताओं ने हाल ही में एक रिट याचिका दायर की है।इस याचिका पर शीर्ष अदालत से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार को निर्देश दे कि वह गाजा में युद्ध के दौरान इजरायल को सैन्य हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के मौजूदा लाइसेंस रद्द करे। याचिका में दावा किया गया है लाइसेंस की यह अनुमति कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संविधान का उल्लंघन है। यह याचिका श्री शर्मा के नेतृत्व में मीना गुप्ता, देब मुखर्जी, अचिन वानाइक, ज्यां ड्रेज़, थोडुर मदाबुसी कृष्णा, हर्ष मंदर, निखिल डे और अन्य ने संयुक्त रूप से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने हाल ही में 26 जनवरी 2024 को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें नरसंहार के अपराध की रोकथाम और दंड पर परंपरा के तहत दायित्वों के गाजा पट्टी में उल्लंघन के लिए इजरायल के खिलाफ अंतरिम उपाय करने का आदेश दिया गया था। अंतरिम उपायों में इजरायल द्वारा फिलिस्तीनी लोगों पर किए जा रहे सभी हत्याओं और विनाश को तत्काल सैन्य रोक लगाना शामिल था। याचिका में दावा किया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मुनिशन इंडिया के माध्यम से इजरायल को हथियार आपूर्ति करने और उसी उद्देश्य के लिए दूसरों को लाइसेंस देने में केंद्र सरकार ने स्थिति की पूरी जानकारी के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों की कथित तौर पर अनदेखी की है।

हथियारों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों में मेसर्स प्रीमियर एक्सप्लोसिव और अडानी डिफेंस एंड एरोपेस लिमिटेड जैसी निजी फर्में शामिल थीं।

याचिका में बताया गया कि जुलाई, 2024 में आईसीजे ने उल्लेख किया कि इजरायल द्वारा फिलिस्तीनी लोगों पर असंगत हिंसा के उपयोग के माध्यम से एक कब्ज़ा करने वाली शक्ति के रूप में अपनी स्थिति का निरंतर दुरुपयोग, अंतर्राष्ट्रीय कानून के मौलिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है और कब्जे वाले क्षेत्र में इजरायल की उपस्थिति को गैरकानूनी बनाता है।

छात्रों को संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देते रहें शिक्षक : खड़गे

नयी दिल्ली , 04 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा है कि वे छात्रों को बराबर संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देते रहें ताकि इतिहास की मनगढ़ंत बातें बताने के प्रयासों को रोका जा सके।

श्री खड़गे ने आरोप लगाया कि कुछ समय से देश में अनेकता में एकता के भाव को चोट पहुंचाने का प्रयास हो रहा है और इतिहास को मनमाने तरीके से भावी पीढ़ी को बताने का प्रयास किया जा रहा है। संवैधानिक मूल्यों पर हमला हो रहा है इसलिए शिक्षकों

का दायित्व है कि देश के भविष्य को बराबर संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देते रहें।

श्री खडगे ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को यहां जारी संदेश में कहा,मेरे प्रिय साथियों, आज शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या है। इस देश में डॉ एस राधाकृष्णन के जन्मदिन को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बहुत से लोगों की इच्छा थी कि राष्ट्रपति के रूप में उनका जन्मदिन 5 सितंबर को मनाया जाए। लेकिन उनका कहना था कि मेरा जन्म दिन अलग से मनाने के बजाय अगर इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाये तो मैं खुद को गौरवान्वित महसूस करूंगा। इसी के बाद यह परंपरा आरंभ हुई।

उन्होंने कहा,प्राचीन काल से ही गुरु के रूप में शिक्षक का सम्मान हमारी संस्कृति रही है क्योंकि शिक्षक ही सच्चे राष्ट्र निर्माता हैं, शिक्षा के साथ- साथ उनपर हमारे देश के भविष्य को आकार देने, समाज को ईमानदारी और सत्य की सही राह बताने की जिम्मेदारी होती है। वही राष्ट्र प्रेम, कड़ी मेहनत, लगन, समानता का महत्व सिखाते हुए हमारी अगली पीढ़ी का मागदर्शन और चरित्र निर्माण करते हैं। जीवन की चुनौतियों का सामना करते हुए हौसला पैदा करते हैं, इसलिए शिक्षकों के कठिन श्रम और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए के लिए हम हमेशा उनके आभारी रहेंगे।

श्री खडगे ने कहा,मैं इस मौके पर देश भर के शिक्षको से अपील करता हूं कि वे भविष्य में अपने छात्रों को संवैधानिक मूल्यों के बारे में भी बताते रहें। संविधान के महत्व, संविधान की प्रस्तावना के बारे में भी यथासंभव पाठ्यक्रम में शामिल करने और ज्ञान देने का प्रयास करें। आप भारत की विविधता के बारे बच्चों को अवगत कराएँ। देश में 'अनेकता में एकता' के भाव पर जो पिछले समय प्रहार हुआ है उसके दुष्परिणामों से सचेत करेंगे और इतिहास को मनगढ़ंत तरीक़े से बताने के कुप्रयासों को रोकेंगे तो देश की भावी पीढी के लिए बहुत उपकार होगा।

बच्चों की सेहत सुधरेगी तो पीढ़ी संवरेगी: योगी

मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत की

लखनऊ, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पोषण का मंत्र देते हुए कहा कि बच्चों की सेहत सुधरेगी तो पीढ़ी संवरेगी। सीएम योगी ने कहा कि कुपोषित बच्चा समाज के सामने एक चुनौती है। स्वास्थ्य समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए हमें जाति, मत और मजहब से ऊपर उठकर एक-एक बच्चे पर ध्यान देना पड़ेगा। तभी हम 2047 तक भारत को विकसित बना पाएंगे। इसके लिए हमें अभी से मेहनत करनी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना साकार होने का मतलब हर चेहरे पर खुशहाली है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि जिस तरह से द्वापर युग में माता यशोदा ने भगवान श्रीकृष्ण का लालन-पालन किया था। उसी तरह से आज के समय में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की भूमिका भी है, उन्हें मां यशोदा की तरह बच्चों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी बहनें उद्धरण के माध्यम से तीन से पांच वर्ष के बच्चों को शिक्षित करें तो बच्चे तेजी से सीखेंगे। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की मुहिम को और मजबूती प्रदान करेगा। अगर हमारे प्रदेश के बच्चे सुपोषित होंगे तो भारत समृद्ध होगा। अगर प्रदेश के बच्चे स्वास्थ्य की दृष्टि से विकसित होंगे तो भारत विकसित होगा।

सीएम योगी ने बिना नाम लिए विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वैश्विक महामारी

कोरोना के दौरान कुछ लोग विदेश भाग गए थे तो कुछ लोग छुट्टी मनाने निकल गए थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान प्रदेश की आंगनबाड़ी बहनें, आशा बहुओं और एनएम जब कदम से कदम मिलाकर कार्य किया तो उत्तर प्रदेश कोरोना प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। अपनी सरकार की उपलब्धियों के विषय में बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पिछले साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश में 18000 से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया गया है। बाकी बचे केंद्रों का हम एक साथ निर्माण कराने जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले इसी सीजन में 1 से 15 वर्ष की उम्र के हजारों की संख्या में बच्चे इंसेफेलाइटिस की चपेट में आते थे। उनमें से 60 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु हो जाती थी। उनमें से 40 फीसदी बच्चे शारीरिक और मानसिक दिव्यांगता के शिकार हो जाते थे। उन्होंने कहा कि चालीस वर्षों में प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से 50 हजार से ज्यादा बच्चों की मौतें हुईं। उन बच्चों की मौत की अपराधी पूर्ववर्ती सरकारें हैं। आज अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी पूरी तरह से समाप्त हो गई है। ये डबल इंजन की सरकार के बेहतरीन प्रबंधन का परिणाम है।

सुपोषित भारत के सपने को साकार करने के लिए सीएम योगी के नेतृत्व में जारी जनअभियान के तहत उत्तर प्रदेश में कुपोषण की दर में विगत साढ़े सात वर्ष में काफी गिरावट आई है। नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे के अनुसार 2015-2016 की तुलना में वर्ष 2019-2020 में उत्तर प्रदेश में एनीमिया के स्तर में 5.1, स्टंटिंग 6.6, अल्प वजन में 7.4 और सूखापन में 0.6 गिरावट आई है। वहीं आज प्रदेश में शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 61 से घटकर 38 और मातृ मृत्यु दर प्रति लाख 201 से घटकर 167 हो गई है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने तीन गर्भवती महिलाओं को पोषित आहार और उपहार भेंट किया। पोषित आहार पाने वाली महिलाओं में कल्पना, मोनिका और खुशनुमा शामिल थीं। इसके अलावा सीएम योगी ने तीन बच्चों नैतिक, वियांश और आयुषी का अन्नप्राशन कराया। इसके तहत सीएम योगी ने बच्चों के मस्तक पर टीका लगाकर लाड एवं दुलार भी किया। इसके अलावा उन्होंने कुपोषित श्रेणी से सुपोषित श्रेणी में आए बच्चों के अभिभावकों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं को सम्मानित भी किया। संभव अभियान के तहत 1.9 लाख आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण किया जा चुका है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

राहुल गांधी की चुनावी जनसभा से जन लापता

जम्मू, 04 सितम्बर।

जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनावी जनसभा में जन लापता दिखा। पार्टी द्वारा मशक्कतों से जुटाए गए कुछ लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने अपनी पीठ ठोकी और कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से पराजित कर दिया है। मोदी ने अपना आत्मविश्वास खो दिया है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहले कहा था कि देश में जाति जनगणना नहीं होगी, लेकिन विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा रहा और अब आरएसएस के सदस्य भी इसका समर्थन कर रहे हैं। राहुल गांधी ने इस अवसर पर लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी इंडी गठबंधन के सहयोगियों की मदद से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा दिलाएंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए बनिहाल से

कांग्रेस के चुनाव अभियान की शुरुआत की।

बनिहाल के संगलदान इलाके में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी का पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के इतिहास में, हम किसी राज्य को इस तरह से कमजोर होते नहीं देखते हैं। पहले, राज्यों को विभाजित करके दूसरा राज्य बनाया जाता था, हमारे पास तेलंगाना, झारखंड, उत्तराखंड और यूटी जैसे उदाहरण हैं जैसे अरुणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य बनाया गया, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे यूटी बनाकर जम्मू कश्मीर का अपमान किया। उन्होंने कहा कि वे चुनाव से पहले जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाना चाहते थे, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पूरी सरकार दो अरबपतियों के लिए चल रही है। उन्होंने कहा कि आप देखें तो राज्य का जो दर्जा आपसे छीना गया है, उसका उद्देश्य सिर्फ दो अरबपतियों की मदद करना था। विधानसभा चुनाव में नेकां-कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन का भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि एक बात तो तय है कि यहां कांग्रेस गठबंधन की सरकार आने वाली है। वे कहते थे कि यह तय है कि ऐसा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा पहला काम सभी सरकारी रिक्तियों को भरना और आयु सीमा 40 वर्ष करना होगा। हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित और स्थायी करेंगे और उनकी आय बढ़ाएंगे। गांधी ने आगे कहा कि भाजपा और आरएसएस के लोग देश में नफरत और हिंसा फैला रहे हैं और देश को बांटने का काम कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस इसे एकजुट करेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक्त सेहत गड़बड़ हो सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ–बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरूरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना–फिरना आपके दिलो–दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली–भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 05 सितंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 12:23 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रात: 06:14 तक
योग : शुभ रात्रि 09:07 तक
करण : कौलव दोपहर 12:23 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रामदेव बीज

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल सरकार का अहम फैसला

महिलाओं को पुलिस भर्ती में मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण

जयपुर,04 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार ने आज कैबिनेट की बैठक में कुछ अहम फैसले लिए, जिनमें पुलिस विभाग में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का फैसला मुख्य तौर पर शामिल है। इसके लिए, राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा 1989 में संशोधन किया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने पहले ही इस योजना की घोषणा कर दी थी, जिसे अब कैबिनेट द्वारा स्वीकृति मिल गई है। इस फैसले का उद्देश्य पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

सरकार का यह निर्णय राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कैबिनेट बैठक के बाद विधि मंत्री ने कहा कि इस निर्णय से पुलिस बल में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी आएगी। इस संशोधन के बाद राजस्थान पुलिस विभाग की आने वाली भर्तियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे उनकी संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है।

भाजपा ने जारी की 67 उम्मीदवारों की पहली सूची

करनाल की जगह लाडवा से लड़ेंगे सीएम सैनी

हरियाणा,04 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने बुधवार रात 67 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। भाजपा ने कांग्रेस से पहले अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया है। पहली सूची में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का नाम भी प्रत्याशी के तौर पर शामिल किया गया है। नायब सैनी करनाल के बजाय लाडवा सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने बंसीलाल की पोती श्रुति चौधरी को टिकट बंसीलाल की पोती श्रुति चौधरी को तोशाम से टिकट दिया गया है। श्रुति की मां किरण चौधरी हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं। भाजपा में आने के बाद पार्टी ने उन्हें राज्यसभा भेज दिया। 2019 के विधानसभा चुनाव में तोशाम से किरण चौधरी ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की थी। श्रुति चौधरी 2009 के लोकसभा चुनाव में भिवानी–महेंद्रगढ़ सीट से जीत दर्ज की थी।

जजपा–एएसपी ने घोषित किए 19 उम्मीदवार

उचाना से लड़ेंगे दुष्यंत

चंडीगढ़,04 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जननायक जनता पार्टी (जजपा) और आजाद समाज पार्टी गठबंधन ने कुछ सीटों पर उम्मीदवार तय कर दिए हैं। दोनों दलों ने 19 उम्मीदवारों की पहली सूची भी जारी कर दी है। 19 उम्मीदवारों में चार उम्मीदवार आजाद सामाज पार्टी और शेष 15 प्रत्याशी जजपा के हैं।

पहली सूची में 19 उम्मीदवारों में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का भी नाम शामिल है। दुष्यंत चौटाला उचाना सीट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, दिग्विजय चौटाला डबवाली सीट से उम्मीदवार बनाए गए हैं।

जननायक जनता पार्टी

उचाना – दुष्यंत चौटाला, डबवाली – दिग्विजय चौटाला, जुलाना – अमरजीत ढांडा,दादरी – राजदीप फौगाट, गोहाना – कुलदीप मलिक, बावल – रामेश्वर दयाल, मुलाना – डॉ. रविंद्र धीन, राटीर – राजकुमार बुबका, गुहला – कृष्ण बाजीगर, जींद – इंजीनियर धर्मपाल प्रजापत, नलवा – विरेंद्र चौधरी, तोशाम – राजेश भारद्वाज, बेरी – सुनील दुजाना सरपंच, अटेली – आयुषी अभिमन्यु राव, होडल – सतवीर तंवर,आजाद समाज पार्टी (काशीराम),सढ़ौरा – सोहेल,जगाधरी – डॉ अशोक कश्यप,सोहना – विनेश गुर्जर,पलवल – हरिता बैंसला

हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ेंगी विनेश फोगाट!

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद आया बड़ा अपडेट

चंडीगढ़,04 सितंबर (एजेंसियां)। पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। नई दिल्ली में बुधवार को दोनों पहलवानों ने नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। कांग्रेस ने अपने अधिकारिक एक्स हैंडल पर मुलाकात की तस्वीर भी पोस्ट की है। इस मुलाकात के बाद माना जा रहा है कि विनेश जुलाना और बजरंग पूनिया बादली सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। या फिर दोनों में से कोई एक पहलवान चुनावी मैदान में आ सकता है।

हरियाणा के कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया का कहना है कि वीरवार को स्पष्ट हो जाएगा कि दोनों पहलवान चुनाव लड़ रहे हैं या नहीं। कांग्रेस अब तक 66 उम्मीदवारों का नाम तय कर चुकी है। इसमें इन दोनों पहलवानों का नाम नहीं है। राहुल से मिलने के बाद बजरंग व विनेश ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की।

पेरिस से लौटने के बाद जब विनेश फोगाट दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची थीं तो कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा उनके स्वागत में पहुंचे थे। विनेश के स्वागत में निकाले गए जुलूस में भी दीपेंद्र काफी दूर तक साथ चले थे। उस दौरान बजरंग पूनिया भी साथ थे। तभी से अटकलें लगाई जा रही थीं कि विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। उसके बाद दोनों पहलवानों ने दिल्ली में भूपेंद्र सिंह हुड्डा से भी मुलाकात की थी। तब हुड्डा ने कहा था कि जो भी पार्टी में शामिल होना चाहता है, उसका स्वागत है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार विनेश के पास जुलाना व दादरी विधानसभा सीट का विकल्प है। वहीं, बजरंग बादली सीट से लड़ सकते हैं। यदि बजरंग बादली से चुनाव लड़ते हैं तो पार्टी को कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स का टिकट काटना पड़ेगा।

पेरिस ओलंपिक के बाद विनेश फोगाट यूथ आइकन बन चुकी हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से लौटने के बाद जिस तरह विनेश का स्वागत हुआ, उससे पता चलता है कि उनके साथ भारी जन समर्थन है। पिछले दिनों खाप पंचायत और शंभू बॉर्डर पर किसानों ने उनका जोरदार अभिनंदन किया। पहलवानों का आंदोलन भी विनेश के नेतृत्व में ही लड़ा गया था। कांग्रेस इस समर्थन को विनेश के माध्यम से भुनाना चाहती है।

विनेश व बजरंग कांग्रेस के टिकट से विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान करते हैं तो भाजपा पर भी दबाव बनेगा कि वह भी खिलाड़ियों को मौका दे। भाजपा भी अपनी रणनीति में बदलाव कर सकती है। योगेश्वर दत्त, बबीता फोगाट, तीर्थ राणा, दीपक हुड्डा व विजेंद्र सिंह भाजपा में हैं। इनमें से कुछ पर पार्टी दांव खेल सकती है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बबीता फोगाट, योगेश्वर दत्त और संदीप सिंह को मैदान में उतारा था। इनमें से सिर्फ संदीप सिंह ने जीत दर्ज की थी।

हरियाणा में 66 सीटों पर कांग्रेस के नाम तय

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में 66 सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर दिए हैं। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित बैठक में 41 सीटों में से 32 सीटों पर चर्चा हुई। एक दिन पहले बाकी सोमवार को 34 सीटों पर नाम फाइनल हो चुके थे। वहीं, दो दिन की बैठक में ओलंपियन बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट के नामों पर चर्चा नहीं हुई है। हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा– वीरवार को तय हो जाएगा कि दोनों चुनाव लड़ रहे है या नहीं। वहीं, सूची भी वीरवार को जारी कर दी जाएगी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

मालवा व दादर एक्सप्रेस सहित तीन ट्रेनें अप–डाउन में रहेंगी 13 दिन रद्द

सोनीपत,04 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में दिल्ली मंडल के पलवल स्टेशन व न्यू पृथला (डीएफसीसी) यार्ड के बीच रेल कनेक्टिविटी के लिए कार्य किए जाएंगे। ऐसे में सितंबर में करीब आधा महीना दिल्ली–अंबाला रूट पर चलने वाली अप–डाउन की तीन एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द रहेंगी। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते एक्सप्रेस ट्रेनों को 13 दिन के लिए रद्द किया गया है। ट्रेनों के रद्द होने से दिल्ली–अंबाला रूट व लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

रेलवे ने नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते मुंबई से अमृतसर रूट पर चलने वाली दादर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 11057) को 4 से 15 सितंबर व अमृतसर से मुंबई रूट की दादर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 11058) को 6 से 18 सितंबर तक रद्द किया है। दादर एक्सप्रेस का सोनीपत स्टेशन पर सुबह 4:44 बजे व शाम को 6:54 बजे ठहराव निर्धारित किया गया है। वहीं, डॉ. आंबेडकर नगर से कटड़ा रूट पर चलने वाली मालवा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12919) 4 से 16 सितंबर और मालवा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12920) 6 से 18 सितंबर तक रद्द रहेगी। मालवा एक्सप्रेस का सोनीपत स्टेशन पर सुबह 5:09 बजे व शाम को 7:04 बजे ठहराव निर्धारित है। इसके अलावा आगरा से होशियारपुर रूट पर चलने वाली होशियारपुर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 11905) 5 से 17 सितंबर और (ट्रेन संख्या 11906) 6 से 18 सितंबर तक रद्द रहेगी।

इन ट्रेनों के समय में होगा बदलाव

सचखंड एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12715) का 16 सितंबर को हजूर साहिब नादेड़ से 270 मिनट की देरी से संचालन किया जाएगा। इसके अलावा सचखंड एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12716) का 6–7 सितंबर को अमृतसर से 180 मिनट, 8 से 11 सितंबर को 90 मिनट की देरी के साथ परिचालन किया जाएगा। यही ट्रेन 12 से 15 सितंबर को 180 मिनट और 16 को 90 व 17 सितंबर को 150 मिनट की देरी संचालित होगी।

रेलवे दिल्ली मंडल के पलवल स्टेशन व न्यू पृथला (डीएफसीसी) यार्ड के बीच सितंबर माह में रेल कनेक्टिविटी के लिए कार्य किए जाएंगे। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते दिल्ली–अंबाला रूट पर चलने वाली अप–डाउन की तीन एक्सप्रेस ट्रेनें 13 दिन रद्द रहेंगी। कई गाड़ियों के समय में बदलाव भी किया गया है। यात्रियों को थोड़ी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

घर में सो रही मां बेटी की हत्या

पुरानी रंजिश को लेकर उतारा मौत के घाट, जेल से बेल पर आई थी महिला

भरतपुर,04 सितंबर (एजेंसियां)। घटना भुडाका गांव की है। भौता देवी (35) करीब 3 महीने पहले ही अपने जेठ की हत्या के आरोप में जेल से बेल पर बाहर आई थी। वह अपनी बेटी के साथ गांव में रहती थी। भौता देवी की पति का निधन लंबी बिमारी के चलते 2014 में हो गया था। कल देर रात भौता देवी और उसकी बेटी नेहा (17) घर में अकेले सो रहे थे। तभी कुछ लोग भौता देवी के घर में घुसे और लाठी, डंडे और धारदार हथियारों से दोनों पर हमला कर दिया।

घटना में नेहा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। भौता देवी हमले के दौरान जोरों से चिल्लाई तो, हमलावर उसे घायल हालत में छोड़कर फरार हो गए। भौता देवी के चिल्लाने के बाद आसपास के लोग भौता देवी के घर पहुंचे।

जिसके बाद उसे अस्पताल लेकर जाया गया। जहां इलाज के दौरान भौता देवी ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कामां अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। भौता देवी के पति प्रहलाद गुर्जर का निधन 2014 में हो गया था। पति की मौत के बाद से भौता देवी के भाई के साले का उसके घर आना–जाना शुरू हो गया। मृतका के जेठ घनश्याम गुर्जर का घर उसके सामने ही था। घनश्याम जब भूपेंद्र गुर्जर को भौता के घर आता जाता देखता तो, वह भूपेंद्र को टोकता था। जिससे परेशान होकर भौता देवी ने अपने भाई के साले भूपेंद्र गुर्जर के साथ षडयंत्र रचकर अपने ही जेठ घनश्याम गुर्जर की 11 जुलाई 2023 को धारदार हथियार से हत्या करवा दी थी।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी अलवर पहुंचे

पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर बैठक ली

अलवर,04 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी बुधवार को अलवर पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा कार्यालय में पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर बैठक ली और सभी से अधिक से अधिक भाजपा कार्यकर्ता बनाने का आह्वान किया। देशभर में भाजपा के सदस्यता अभियान पर सभी का फोकस है। उन्होंने बताया कि नियमित सदस्यता व संगठन के चुनाव सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में होते हैं। हमारे यहां संविधान की धारा 9 में प्रावधान है कि हर 6 वर्ष में सदस्यता होगी अर्थात जो भी सदस्य बनता है, वह 6 वर्ष तक रहेगा। उसके बाद उसे अपनी सदस्यता को रीन्यू कराना पड़ेगा, साथ ही नए सदस्य भी इसमें जुड़ सकते हैं।

पार्टी की सदस्यता लेने के बारे में उन्होंने बताया कि तीन तरह से पार्टी कि सदस्यता ली जा सकती है, जिसमें पहली मिस कॉल के माध्यम से, दूसरी क्यूआर कोड के माध्यम से और तीसरी भारतीय जनता पार्टी की वेबसाइट और नमो ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले सकता है। सदस्य बनने का कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 11 से 17 अगस्त तक महासंपर्क अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत होगी, जिसके तहत सभी कार्यकर्ता आमजन को अपने बूथ पर जाकर सदस्य बनाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में 1 से 15 अक्टूबर तक जो क्षेत्र प्रथम चरण के तहत रह जाएंगे, वहां तक पहुंचकर उन्हें सदस्य बनने के साथ सामूहिक सदस्यता अभियान की शुरुआत होगी। जिसमें स्कूल, कॉलेज, सब्जी मंडी जहां भी सामूहिक रूप से लोग एकत्रित होते हैं वहां सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में सवा करोड़ सदस्यता बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य है।

डकैती की योजना बना रहे पांच गिरफ्तार

आरोपियों में लारेंस का शूटर कार्तिक भी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बीकानेर,04 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस टीम ने डकैती योजना बना रहे पांच हार्डकोर अपराधियों को गिरफ्तार किया हे। जिनके पास से पुलिस टीम ने मिर्ची पाउडर, चाकू, लाठी, देशी पिस्टल, सात जिंदा कारतूस भी जब्त किए है। सदर पुलिस ने बीएसए–नएल ऑफिस के पास हरियाणा नम्बर की गाड़ी को रूकवाया और तलाशी ली। तलाशी के दौरान कई तरह का सामान मिला। जिसे जब्त कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार ये सभी डकैती की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार किए गए कार्तिक जाखड़ के खिलाफ नीम का थाना, रायसिंहनगर, सदर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जंक्शन, गजसिंहनगर में मामले दर्ज है। वहीं निशांत कुमार के खिलाफ केसरीसिंहपुर श्रीगंगानगर में मामला दर्ज है। अमन सांई के खिलाफ पुरानी आबादी श्रीगंगानगर और मनीष कुमार के खिलाफ रावला श्रीगंगानगर में मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार कार्तिक जाखड़ लॉरेंस गैंग का मुख्य शूटर है, जिससे गहनता से पूछताछ की जा रही है।

आज से बाबा रामदेवरा मेला

खम्मा-खम्मा हो म्हारा रुणिचै रा धनियां...!!

सद्भावना की जीती जागती मिसाल हैं बाबा रामदेव

हिन्दू समाज में बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय

राजस्थान में अनेक ऐसे महापुरूष हुए जिन्होंने मानव देह धारण कर अपने कर्म और तप से यहां के लोक जीवन को आलोकित किया। उनके चरित्र, कर्म और वचनबद्धता से उन्हें जनमानस में लोकदेवता की पदवी मिली और वे जनजन में पूजे जाने लगे। ऐसे ही लोकदेवताओं में बाबा रामदेव जिनका प्रमुख मंदिर जैसलमेर जिले के रामदेवरा में है, सद्भावना की जीती जागती मिसाल हैं। हिन्दू समाज में वे बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय हैं।

म्हारो हेलो सुनो जी रामा पीर.., घणी-घणी खम्मा बाबा रामदेव जी नै..., पिछम धरां स्यूं म्हारा पीर जी पधारिया..., घर अजमल अवतार लियो, खम्मा-खम्मा हो म्हारा रुणिचै रा धनियां ...जैसे भजनों पर झूमते-नाचते हुए श्रद्धालु रामदेवरा पहुचते है। राजस्थान में पोकरण से क़रीब 12 किलोमीटर दूर रामदेवरा में मध्यकालीन लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन करने आते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान का कुम्भ भी कहा जाने वाला लोक देवता बाबा रामदेव का मेला आगामी 5 सितंबर से शुरू होगा। बाबा रामदेव को कृष्ण भगवान का अवतार माना जाता है। उनकी अवतरण तिथि भाद्र माह के शुक्ल पक्ष दितीय को रामदेवरा मेला आने वाली 5 सितंबर को शुरू होता है।

यह मेला एक महीने से अधिक चलता है। वैसे बहुत से श्रद्धालु भाद्र माह की दशमी यानी 13 सितंबर को रामदेव जयंती पर रामदेवरा अवश्य पहुँचना चाहते हैं। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले के पोकरण तहसील के रामदेवरा गांव में प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में बाबा रामदेव जी का भव्य मेला लगता है जिसे लोग भादवा मेला के नाम से भी जानते हैं। बाबा रामदेव जी के भक्तों द्वारा इस मेले को कई नामों से संबोधित किया जाता है जिनमें बाबा रामदेव जी का मेला, रुणिचा मेला, रामदेवरा मेला ,भादवा मेला ,रामापीर ना मेला, पश्चिमी राजस्थान का कुंभ जैसे नामों से जाना चाहता है। भादवा मेला हर वर्ष भाद्रपद मास लगने के साथ ही शुरू हो जाता है परन्तु सरकारी पन्नो में भादवा मेला भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की दूज से शुरू होकर भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की ग्यारस तक चलता है।

इस वर्ष 2024 में यह बाबा रामदेव जी का 639 वां भादवा मेला होगा। अनुमान है कि इस वर्ष 35 लाख से अधिक श्रद्धालुजन दर्शन का लाभ उठाएंगे। प्रशासन की ओर से 2024 मेले की पूरी तैयारी की जा रही हैं। सुरक्षा और सुविधा की व्यवस्था रहेगी। पश्चिमी राजस्थान का कुंभ कहा जाने वाला भादवा मेला प्रतिवर्ष भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया से शुरू होकर ग्यारस तक लगता है। इस मेले में लाखों की संख्या में भक्तगण बाबा के दर्शनों को आते हैं। पश्चिमी राजस्थान का यह मेला राजस्थान का सबसे लंबा चलने वाला मेला है। यह मेला राजस्थान के लोक देवता बाबा रामदेव जी को समर्पित है जिन्हें राजस्थान में ही नहीं अपितु भारत के सभी हिस्सों में माना व पूजा जाता है। बाबा रामदेव जी राजस्थान के एकमात्र ऐसे लोक देवता है जिनके पद चिन्हों की पूजा की जाती । यह मेला बाबा रामदेव जी के समाधि लेने तथा उनकी याद के अवसर पर भरता है। यह मेला बाबा रामदेव जी की जन्म तिथि से शुरू होकर बाबा रामदेव जी की समाधि तिथि तक चलता है।

वर्ष में दो बार रामदेवरा में भव्य मेलों का आयोजन किया जाता है। शुक्ल पक्ष में तथा भादवा और माघ में दूज से लेकर दशमीं तक मेला भरता है। भादवा के महिने में राजस्थान के किसी सड़क मार्ग पर निकल जायें, सफेद रंग की या पचरंगी ध्वजा को हाथ में लेकर सैंकड़ों जत्थे रामदेवरा की ओर जाते नजर आते हैं। इन जत्थों में सभी आयु वर्ग के नौजवान, बुजुर्ग, स्त्रीपुरूष और बच्चे पूरे उत्साह से बिना थके अनवरत चलते रहते हैं। बाबा रामदेव के जयकारे गुंजायमान करते हुए यह जत्थे मीलों लम्बी यात्रा कर बाबा के दरबार में हाजरी लगाते हैं। साथ लेकर गये ध्वजाओं को मुख्य मंदिर में चढ़ा देते हैं। भादवा के मेले में महाप्रसाद बनाया जाता है। यात्री भोजन भी करते हैं और चन्दा भी चढ़ाते हैं। यहां आने वालों के लिए बड़ी संख्या में धर्मशालाएं और विश्राम स्थल बनाये गये हैं। सरकार की ओर से मेले में व्यापक प्रबंध किये जाते है। रात्रि को जागरणों के दौरान रामदेवजी के भोपे रामदेवजी की थांवला एवं फड़ बांचते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सांप्रदायिक सदभाव के प्रतीक माने जाने वाले लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन के लिए विभिन्न धर्मों को मानने वाले, ख़ास तौर पर आदिवासी श्रद्धालु देश भर से इस सालाना मेले में आते हैं। मेले के दौरान बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए चार से पांच किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं और जिला प्रशासन के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठन दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए निःस्वार्थ भोजन, पानी और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं।

लोकदेवता बाबा रामदेव जी के मेले में देश के कोने कोने से लाखों श्रद्धालु सर्वप्रथम जोधपुर में मसूरिया पहाड़ी पर स्थित बाबा रामदेव जी के गुरु बाबा बालीनाथ जी की समाधि के दर्शन के बाद रूणिचा धाम बाबा रामदेव जी के दर्शन करने के लिए पैदलयात्रा के साथ साथ विभिन्न साधनों का प्रयोग करके बाबा रामदेव जी के प्रति अटूट श्रद्धा और आस्था का परिचय दे रहे हैं। इन श्रद्धालुओं के स्वागत व मान मनुहार और पैदल यात्रियों की सेवा के लिए जोधपुर में अनेकों सेवा शिविर आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार व्यक्तिगत, सामुदायिक, सामूहिक और संघीय समितियों के बेनर तले लगाये जाने वाले इन विभिन्न शिविरों में जातरूओं के लिए चाय, दूध, कॉफी, जूस, बिस्किट, फल, नाश्ता से लेकर पूर्ण भोजन की व्यवस्था के साथ साथ पैदल यात्रियों के पांवों में पड़े छालों पर मरहम पट्टी बांधकर, मालिश करके उनके विश्राम, नहाने धोने व नित्य कर्म करने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। कई शिविरों में बड़े अनुशासित ढंग से स्वच्छता और सुचिता के साथ उच्च कोटि की सुविधाओं से जातरुओं की सेवा की जाती है। एक और मान्यता है कि अगर कोई व्यक्ति ईश्वर के दर्शन करने के लिए यात्रा करने जाता है तो उसकी यात्रा को सुगम बनाने में अगर आप सहयोग देते हैं तो आपको भी ईश्वर के साक्षात दर्शन करने का पुण्य लाभ मिलता है। रुणिचा में बाबा ने जिस स्थान पर समाधि ली, उस स्थान पर बीकानेर के राजा गंगासिंह ने भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। इस मंदिर में बाबा की समाधि के अलावा उनके परिवार वालों की समाधियां भी स्थित हैं। मंदिर परिसर में बाबा की मुंहबोली बहन डाली बाई की समाधि, डालीबाई का कंगन एवं राम झरोखा भी स्थित हैं।

बाबा रामदेव जी ...

रामदेव जी के जन्म स्थान को लेकर मतभेद है परन्तु इसमें सब एक मत है कि उनका समाधी स्थल रामदेवरा ही है। यहां वे मूर्ति स्वरूप में पूजे जाते हैं। रामदेवरा में उन्होंने जीवित समाधी ली थी और यहीं पर उनका भव्य मंदिर बना हुआ है। पूर्व में समाधी छोटे छतरीनुमा मंदिर में बनी थी। वर्ष 1912 में बीकानेर के तत्कालीन शासक महाराजा गंगासिंह ने छतरी के चारों तरफ बड़े मंदिर का निर्माण कराया, जिसने शनःशनः भव्य मंदिर का रूप ले लिया। बाबा की समाधी के सामने पूर्वी कोने में अखण्ड ज्योति प्रज्जवलित रहती है। दर्शन द्वार पर लोहे का चैनल गेट लगाया गया है। दर्शनार्थी अपनी मनौती पूर्ण करने के लिए कपड़ा, मौली, नारियल आदि बांधते हैं तथा मनौती पूर्ण होने पर खोल देते हैं। बताया जाता है कि उस समय मंदिर के निर्माण में 57 हजार रूपये की लागत आई थी। यह मंदिर हिन्दुओं एवं मुसलमानों दोनों की आस्था का प्रबल केन्द्र है। मंदिर में बाबा रामदेव की मूर्ति के साथसाथ एक मजार भी बनी है। राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी बड़े पैमाने पर श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। मंदिर में प्रातः 04.30 बजे मंगला आरती, प्रातः 8.00 बजे भोग आरती, दोपहर 3.45 बजे श्रृंगार आरती, सायं 7.00 बजे संध्या तथा रात्रि 9.00 बजे शयन आरती होती है।

समाधी स्थल के पास ही रामदेवजी की परमभक्त शिष्या डाली बाई की समाधी और कंगन हैं। डाली बाई का कंगन पत्थर से बना है और इसके प्रति धर्मालुओं में गहरी आस्था है। मान्यता के अनुसार इस कंगन के अन्दर से होकर निकलने पर सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। मंदिर आने वाले लोग इस कंगन के अन्दर से निकलने पर ही अपनी यात्रा पूर्ण मानते हैं।

मंदिर के समीप ही स्वयं रामदेव जी द्वारा खुदवाई गई परचा बावड़ी अपनी स्थापत्य कला में बेजोड़ है। इस

बावड़ी का निर्माण फाल्गुन सुदी तृतीया विक्रम संवत् 1897 को पूर्ण हुआ। बावड़ी का जल शुद्ध व मीठा है। बावड़ी का निर्माण रामदेव जी के कहने पर बणिया बोयता ने करवाया था। बावड़ी पर लगे चार शिलालेखों से पता चलता है कि घामट गांव के पालीवाल ब्राह्मणों ने इसका पुनर्निर्माण कराया था। इस बावड़ी का जल रामदेवजी का अभिषेक करने के काम में लाया जाता है। गांव के निवासियों को जल का अभाव न रहे इसलिए रामदेव जी ने मंदिर के पीछे विक्रम संवत् 1439 में रामसरोवर तालाब खुदवाया था। यह तालाब 150 एकड क्षेत्र में फैला है तथा इसकी गहराई 25 फीट है। तालाब के पश्चिमी छोर पर अद्भुत आश्रम तथा पाल के उत्तरी सिरे पर रामदेवजी की जीवित समाधी है। इसी क्षेत्र में डाली बाई की जीवित समाधी भी है। तालाब के तीनों ओर पक्के घाट बनाये गये हैं। इसकी पाल पर श्रद्धालु पत्थरों से छोटेछोटे मकान बनाकर अपने सपनों का घर बनाने की रामदेव जी से विनती करते हैं। बताया जाता है इस तालाब की मिट्टी के लेप से चर्म रोग दूर हो जाता है। कई श्रद्धालु तालाब की मिट्टी अपने साथ ले जाते हैं।

रामदेवरा मंदिर से 2 किलोमीटर दूर पूर्व में निर्मित रूणीचा कुंआ (राणीसा का कुंआ) और एक छोटा रामदेव मंदिर भी दर्शनीय है। बताया जाता है कि रानी नेतलदे को प्यास लगने पर रामदेव जी ने भाले की नोक से इस जगह पाताल तोड़ कर पानी निकाला था और तब ही से यह स्थल राणीसा का कुंआ के नाम से जाना गया। कालान्तर में अपभ्रंश होतेहोते रूणीचा कुंआ में परिवर्तित हो गया। जिस पेड़ के नीचे रामदेव जी को डाली बाई मिली थी, उस पेड़ को डाली बाई का जाल कहा जाता है।बाबा रामदेव जी के 24 परचों में पंच पीपली भी प्रसिद्ध स्थल है। इस सम्बंध में प्रचलित कथानक के अनुसार रामदेव जी की परीक्षा के लिए मक्कामदीना से पांच पीर रामदेवरा आये और उनके अतिथि बने। भोजन के समय पीरों ने कहा कि वे स्वयं के कटोरे में ही भोजन करते हैं। रामदेव ने वहीं बैठेबैठे अपनी दाई भुजा को इतना लम्बा फैलाया कि मदीना से उनके कटोरे वहीं मंगवा दिये। पीरों ने उनका चमत्कार देखकर उन्हें अपना गुरु (पीर) माना और यहीं से रामदेव जी का नाम रामसा पीर पड़ा और बाबा को पीरो के पीर रामसा पीर की उपाधी भी प्रदान की गई। इस घटना से मुसलमान इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने भी इनकी पूजा करनी शुरू कर दी। रामदेवरा से पूर्व की ओर 10 किलोमीटर एकां गांव के पास छोटी सी नाडी के पाल पर घटित इस घटना के दौरान पीरों ने भी परचे स्वरूप पांच पीपली लगाई थी, जो आज भी मौजूद हैं। यहां बाबा रामदेव का एक छोटा सा मंदिर व सरोवर भी बना है। मंदिर में पुजारी द्वारा नियमित पूजा की जाती है। रामदेवरा में रामदेवजी के मंदिर से मात्र 1.5 किलोमीटर दूर आरसीपी रोड पर श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, गुरु मंदिर एवं दादाबाड़ी दर्शनीय क्षेत्र हैं।

बाबा रामदेव का जन्म वैष्णव भक्त अजमल जी के घर मैणादे की कोख से हुआ था। अजमल जी किसी समय दिल्ली के सम्राट रहे एवं अनंगपाल तंवर के वंशज थे। बाद में वे आकर पश्चिमी राजस्थान में निवास करने लगे। अजमल जी द्वारिकाधीश के अनन्य भक्त थे। मान्यता है कि भगवान कृष्ण की कृपा से बाबा रामदेव का जन्म हुआ। उनके जन्म से लौकिक एवं अलौकिक चमत्कारों, शक्तियों का उल्लेख उनके भजनों, लोकगीतों और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। उनके लोक गीतों और कथाओं में भैरव राक्षस का वध, घोड़े की सवारी, लक्खी बनजारे का परचा, पांचों पीर का परचा, नेतलदे की अपंगता दूर करने आदि के उल्लेख बखूबी पाये जाते हैं। उनके घोड़े की श्रद्धा से पूजा की जाती है। रामदेवजी ने तत्कालीन समाज में व्याप्त छूआछूत, जातपांत का भेदभाव दूर करने तथा नारी व दलित उत्थान के लिए प्रयास किये। अमर कोट के राजा दलपत सोढा की अपंग कन्या नेतलदे को पत्नी स्वीकार कर समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत किया। दलितों को आत्मनिर्भर बनने और सम्मान के साथ जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पाखण्ड व आडम्बर का विरोध किया। उन्होंने सगुननिर्गुण, अद्वैत, वेदान्त, भक्ति, ज्ञान योग, कर्मयोग जैसे विषयों की सहज व सरल व्याख्या की। आज भी बाबा की वाणी को हरजस के रूप में गाया जाता है।

मासिक दुर्गाष्टमी पर प्रीति योग समेत बन रहे हैं 6 शुभ संयोग, प्राप्त होगा दोगुना फल

प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के अगले दिन मासिक दुर्गाष्टमी मनाई जाती है। यह पर्व मां दुर्गा को समर्पित है। इस दिन जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सकारात्मक शक्ति का संचार होता है। ज्योतिषियों की मानें तो मासिक दुर्गाष्टमी पर प्रीति योग समेत कई मंगलकारी शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में मां दुर्गा की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आती है।

मासिक दुर्गाष्टमी शुभ मुहूर्त

सनातन शास्त्रों में वर्णित है कि मासिक दुर्गाष्टमी पर जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की पूजा निशा काल में होती है। अतः मासिक दुर्गाष्टमी पर मध्य रात्रि में मां दुर्गा की पूजा की जाती है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर जगत जननी मां दुर्गा की पूजा का समय देर रात 11 बजकर 46 मिनट तक है। साधक निशा काल में श्रद्धा भाव से मां दुर्गा की पूजा कर सकते हैं।

प्रीति योग

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर प्रीति योग का संयोग बन रहा है। इस योग का समापन रात 11 बजकर 55 मिनट पर होगा। इसके बाद आयुष्मान योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष प्रीति योग को शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ मानते हैं। प्रीति और आयुष्मान योग में मां दुर्गा की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी प्रकार के बिगड़े काम बन जाते हैं।

रवि योग

भाद्रपद माह की मासिक दुर्गाष्टमी पर रवि योग का भी संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण संध्याकाल 09 बजकर 22 मिनट से हो रहा है। वहीं, इस योग का समापन 12 सितंबर को सुबह 06 बजकर 05 मिनट पर होगा। रवि योग में मां दुर्गा की पूजा करने से साधक को आरोग्य जीवन का वरदान प्राप्त होगा। ज्योतिषियों की मानें तो मासिक दुर्गाष्टमी पर बव करण का निर्माण हो रहा है। वहीं, ज्येष्ठा नक्षत्र का संयोग रात 09 बजकर 22 मिनट तक है। इसके बाद मूल नक्षत्र का संयोग बन रहा है।

घर के इन स्थानों पर रखें कान्हा जी का प्रिय मोर पंख, दिन रात होगी तरक्की

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने पर घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसी तरह वास्तु शास्त्र में मोर पंख से संबंधित भी नियम उपाय बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने से आपको जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। साथ ही इससे परिवार में खुशहाली बनी रहती है। इसके लिए आपको मोर पंख को घर के कुछ स्थानों पर रखना होगा।

यहां रखें मोरपंख

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर के पूजा स्थल पर मोर पंख जरूर रखना चाहिए। इससे व्यक्ति के जीवन में खुशियां बनी रहती हैं और कभी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। साथ ही इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी बढ़ता है, जो परिवार के लोगों की तरक्की के लिए सहायक है।

नहीं होगी धन की कमी

मंदिर के साथ-साथ आप मोर पंख को अपने घर की तिजोरी में या फिर धन के स्थान पर भी रख सकते हैं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा से व्यक्ति को कभी भी धन की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

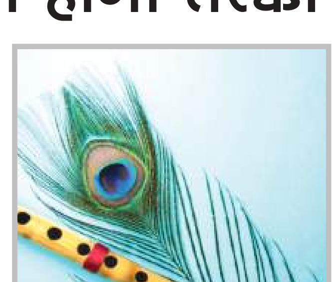

नकारात्मक ऊर्जा रहेगी दूर

यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख और समृद्धि का प्रवेश हो, तो इसके लिए अपने घर के प्रवेश द्वार पर मोर पंख जरूर लगाएं। ऐसा करने से केवल सकारात्मक ऊर्जा का ही घर के अंदर प्रवेश होता है और नकारात्मक ऊर्जा आपसे कोसों दूर बनी रहती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मोर पंख को रखने के लिए घर की दक्षिण-पश्चिम और पूर्व दिशा सबसे बेहतर मानी गई है। इस बात का ध्यान रखें कि कभी किसी को मोर पंख उपहार के रूप में नहीं देना चाहिए। ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि जब आपको मोर पंख कहीं गिरा हुआ मिलता है, तो यह आपके भाग्य में वृद्धि का सूचक हो सकता है।

जानिए 4 ऐसे महान गुरुओं के विषय में बड़े-बड़े शूरवीर रहे जिनके शिष्य

हर साल 05 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो मुख्य रूप से डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस भारतीय गुरु-शिष्य प्रणाली की जड़ें काफी लंबी हैं। इस बात का पता इससे चलता है कि रामायण काल से लेकर महाभारत ग्रंथ तक में अति शक्तिशाली और प्रभावशाली गुरुजनों का वर्णन मिलता है। चलिए जानते हैं उनके विषय में।

परशुराम – परशुराम जी का जन्म ऋषि जमदग्नि के पुत्र के रूप में त्रेता युग में हुआ था। परशुराम जी भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं, जिन्होंने युद्ध कला स्वयं महादेव से सीखी थी। इनका वर्णन रामायण ग्रंथ से लेकर महाभारत में भी मिलता है। साथ ही यह उन चिरंजीवियों में भी शामिल हैं, जिन्हें अमरता का वरदान प्राप्त है। बड़े-बड़े योद्धा के शिष्य रहे हैं, जिसमें द्रोणाचार्य, सूर्यपुत्र कर्ण और भीष्म पितामह का नाम शामिल है।

देवताओं के गुरु– देवगुरु बृहस्पति न केवल ज्योतिष दृष्टि से महत्वपूर्ण माने गए हैं, बल्कि इन्हें समस्त देवी-देवताओं का गुरु भी कहा जाता है। पुराणों में बृहस्पति को महर्षि अंगिरा का पुत्र बताया गया है। इन्हें सत्य के प्रतीक के साथ-साथ बुद्धि और वाक् शक्ति का भी स्वामी माना जाता है। इनके विषय में कहा जाता है कि ये रक्षोघ्र मंत्रों का प्रयोग कर दैत्यों से देवताओं की रक्षा करते हैं।

महर्षि वेदव्यास – वेदव्यास को मुख्य रूप से महाभारत के रचनाकार के रूप में जाना जाता है। हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाली गुरु पूर्णिमा भी इन्ही के जन्मदिवस के अवसर पर मनाई जाती है। महर्षि वेदव्यास के पिता ऋषि पराशर थे और माता का नाम सत्यवती था। भगवान विष्णु के अवतार होने के साथ-साथ महर्षि वेदव्यास सात चिरंजीवियों में से भी एक हैं। महर्षि वेद व्यास द्वारा ऋषि जैमिन, वैशम्पायन, मुनि सुमन्तु, रोमहर्षण आदि को शिक्षा दी गई थी।

आदि गुरु शंकराचार्य – आदि शंकराचार्य महान दार्शनिक रहे हैं, जिन्हें हिन्दुओं का धर्म गुरु कहा जाता है। इनका जन्म आठवीं सदी में केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। सात साल की उम्र में इन्होंने वेदों में महारत हासिल कर ली थी। शंकराचार्य को 4 पवित्र धामों की भी स्थापना का भी श्रेय जाता है। कई मान्यताओं के अनुसार, आदि शंकराचार्य भगवान शिव के अवतार माने जाते हैं। इतना ही नहीं आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य भी किया।

वे दिन गए जब मां का किरदार एक स्टॉक रोल हुआ करता था : चारु शंकर

सुपरहिट फिल्म एनिमल में अभिनेता रणबीर कपूर की मां की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री चारु शंकर जल्द ही अपकमिंग फिल्म बिन्नी एंड फैमिली में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें टाइपकास्ट होने का डर नहीं है।चारु ने बताया, भगवान का शुक्र है कि वे दिन चले गए जब मां का किरदार एक स्टॉक किरदार होता था। निश्चित रूप से इंडस् ?ट्री उन कलाकारों को उन किरदारों तक सीमित रखने में खुश है जो वे निभाते आए हैं। हमें बार-बार एक ही या समान भूमिकाओं में कास्ट किया जाता है।अभिनेत्री ने कहा कि कुछ अलग करने की जिम्मेदारी पूरी तरह से अभिनेत्री के तौर पर उन पर है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी हर भूमिका में एक प्रेरणा, एक चाहत और एक रहस्य दिया है। मेरे लिए मेरा हर किरदार अनूठा और दूसरे से अलग रहा है।

उन्होंने आगे कहा : बिन्नी एंड फैमिलीॠ में मैंने अपने किरदार राधिका को बिन्नी की मां के रूप में एक बिल्कुल अलग रूप दिया। राधिका एक बेबाक और स्वतंत्र महिला है और उसे अपने पालन-पोषण पर इतना भरोसा है कि वह बिन्नी को अपनी मर्जी से काम करने देती है।अभिनेत्री ने एनिमल में रणबीर और अनिल कपूर के साथ काम करने के बारे में कहा कि वह उनके स्टारडम से प्रभावित हैं।रणबीर कपूर और अनिल कपूर जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव बेहद अच्छा रहा है। उन्होंने मुझे काफी प्रभावित किया है।अभिनेत्री ने कहा, इस फिल्म की पूरी स्टार कास्ट बेहद अच्छी है, जिन्होंने मुझे सहज महसूस कराने के लिए हर संभव प्रयास किया। इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं।

फिल्मों में उनके साथ काम करने को लेकर मुझे इंडस्ट्री, प्रेस और आलोचकों से प्यार और सराहना मिल रही है।बिन्नी एंड फैमिली में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए चारु ने कहा, बिन्नी एंड फैमिली में मेरा किरदार एक मां (राधिका) का है। जो अपने पालन-पोषण को लेकर इतनी आश्वस्त है कि वह अपनी बेटी को अपना रास्ता खुद चुनने, अपने फैसले खुद लेने के लिए छोड़ देती हैं।फिल्म की शुरुआत एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों से होती है जो एक-दूसरे को समझ नहीं पाती हैं। फिल्म में चारू दिग्गज स्टार पंकज कपूर के साथ काम करती नजर आएंगी, जिन्हें अभिनेत्री ने लीजेंड बताया है।

फिल्म युधा का पहला गाना साथिया रिलीज

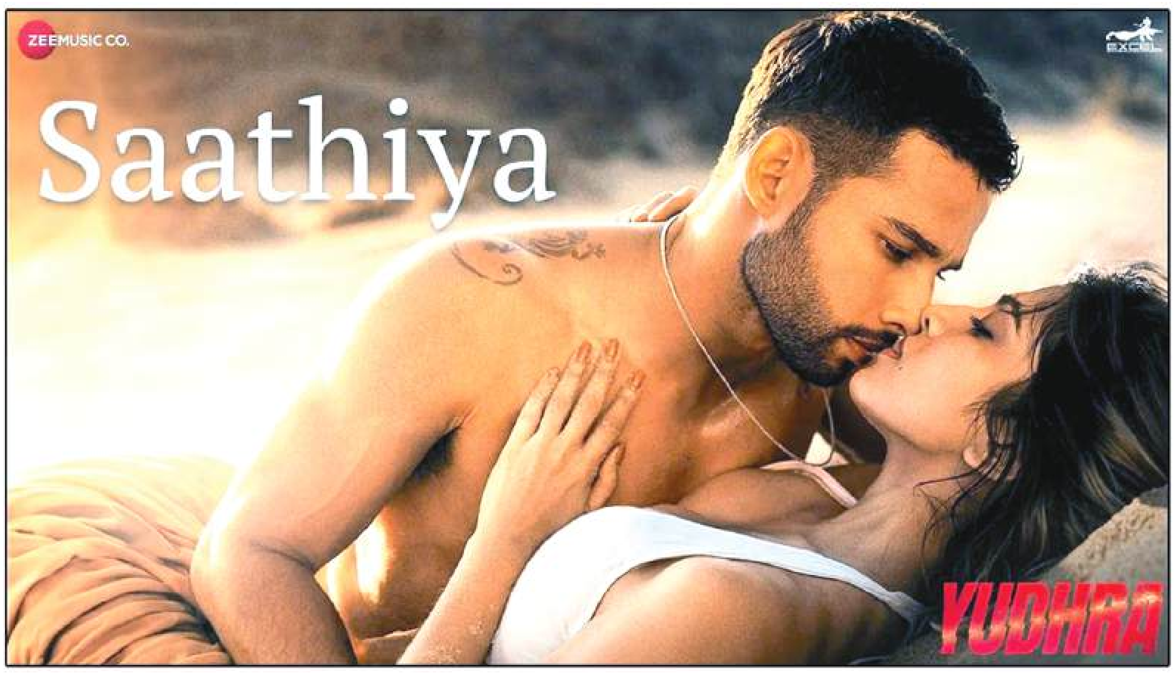

सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनीत युधा का पहला गाना साथिया रिलीज हो चुका है। इस गाने को शंकर एहसान लॉय ने कंपोज किया है और प्रतिभा सिंह बघेल और विशाल मिश्रा ने गाया है। गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं। गाने में सिद्धांत और मालविका मोहनन के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। गाने का वीडियो शेयर करते हुए निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर लिखा, बदले के दिल में, प्यार अपना रास्ता खोज लेता है। साथिया, अभी रिलीज हुआ। युधा 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऱितेश सिधवानी, फरहान अख्तर द्वारा निर्मित और रवि उदयवार द्वारा निर्देशित, युधा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में, युधा की टीम ने फिल्म से सिद्धांत और मालविका के पोस्टर को भी रिलीज किया है। एक पोस्टर में मालविका को कैमरे की ओर देखते हुए काले रंग का टॉप और मैचिंग पैंट पहने देखा जा सकता है। सिद्धांत को सूट पहने और स्वैग दिखाते हुए धूम्रपान करते देखा जा सकता है। कुछ दिन पहले युधा का ट्रेलर भी जारी किया था। ट्रेलर में हम सिद्धांत को गुस्से वाले मोड में देख सकते हैं। ट्रेलर में मालविका मोहनन को आकर्षक रूप में और राघव जुयाल को खतरनाक खलनायक शफीक की भूमिका में दिखाया गया है। बता दें कि फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है।

सिद्धांत और मालविका की दिखी दमदार केमिस्ट्री

युधा एक्शन फिल्म है। फिल्म के ट्रेलर को देखकर लगता है कि इसमें काफी धमाकेदार एक्शन देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोविड के चलते यह फिल्म पोस्टपोन हो गई थी और अब इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

अनन्या पांडे की कॉल मी बे का गाना चुराइयां जारी

कल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी वेब सीरीज

अनन्या पांडे अभिनीत बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज कॉल मी बे की रिलीज में बस तीन दिन बचे हैं। पहले गाने के रिलीज होने के बाद एल्बम से एक और ट्रैक चुराइयां रिलीज कर दिया गया है। गाने में अनन्या विहान समत के साथ अपने ब्रेकअप पर दुखी नजर आ रही हैं और वीडियो में रियल लाइफ कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के वायरल वेडिंग पोज को भी रिक्रिएट किए गया है।अनन्या पांडे अभिनीत बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज कॉल मी बे की रिलीज में बस तीन दिन बचे हैं। पहले गाने के रिलीज होने के बाद एल्बम से एक और ट्रैक चुराइयां रिलीज कर दिया गया है। गाने में अनन्या विहान समत के साथ अपने ब्रेकअप पर दुखी नजर आ रही हैं और वीडियो में रियल लाइफ कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के वायरल वेडिंग पोज को भी रिक्रिएट किए गया है।

वीडियो की शुरुआत अनन्या पांडे की भावुकता से होती है, जब उनका किरदार बेला विहान समत के के किरदार अगस्त्य को अपनी शादी की अंगूठी लौटाती है। जब वह अपने ब्रेकअप का शोक मनाती है तो वह अपने प्यार भरे पलों को याद करती है, जिसमें उनकी पहली मुलाकात, रोमांटिक डांस, प्रपोजल और साथ ही उनके झगड़े भी शामिल हैं। जब वह देखती है कि अगस्त्य आगे बढ़ चुका है तो उसका दिल टूट जाता है।गाने में एक शानदार शादी का सीक्वेंस भी दिखाया गया है, जिसमें अनन्या और विहान के किरदार एक दूसरे के सामने हाथ जोड़कर पोज देते हैं। यह दर्शकों को सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की 2023 की शादी की याद दिलाएगा। इस जोड़े ने अपनी एक तस्वीर में भी यही इशारा किया था, जिसका इस्तेमाल इंस्टाग्राम पर आधिकारिक घोषणा के लिए किया गया था।शो के बाकी एल्बम की बात करें तो वेख सोहनेया का म्यूजिक वीडियो पहले ही रिलीज हो चुका है। यह एक रोमांटिक नंबर है, जिसमें अनन्या पांडे के किरदार बेला और गुरफतेह पीरजादा के किरदार नील के बीच न्यूजरूम में पनपते रोमांस को दिखाया गया है। कॉल मी बे को इशिता मोइत्रा ने बनाया है और कोलिन डीकुन्हा ने निर्देशित किया है। इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने लिखा है। यह धर्माटिक एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है, जिसके कार्यकारी निर्माता करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा हैं। यह शो 6 सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाला है।

जैकलीन फर्नांडीज का व्हाइट मोनोकिनी अवतार हुआ वायरल

जैकलीन फर्नांडीस अपनी अदाओं से लोगों का दिल जीत लेती हैं। आय दिन अपने स्टाइलिश लुक और कातिलाना अदाओं से वे अपने फैंस को अपना और भी दीवाना बना लेती है।बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज हमेशा ही अपने स्टाइलिश लुक के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडीज व्हाइट मोनोकिनी में किसी बीच पर छुट्टियां मनाते हुए नजर आ रही हैं। उनके खुले बाल और कैजुअल मेकअप उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। व्हाइट कलर की मिनी फ्रॉक पहने जैकलीन फर्नांडीस समुंदर किनारे धूप का लुत्फ उठाती दिखीं। कुर्सी पर बैठे, सनग्लासेस लगाए वे खूब जच रही थीं।जैकलीन ने सिर पर हैट लगाकर और हाथ में किताब लेकर पोज दिए। इस दौरान वे लेटी नजर आईं।जैकलीन समुंदर के पानी में डूबकर पोज देती भी दिखीं। बंद आंखे, भीगे बाल और धूप की किरणें उन्हें और भी खूबसूरत बना रही थीं।एक्ट्रेस समुंदर के पानी में नहाती नजर आईं। ऐसे में उन्होंने खूब फोटोशूट भी कराया। इस दौरान उन्हें पानी से खेलते भी देखा गया। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक फैन ने तो लिखा- मर्मेड पानी से बाहर आ गई है। जैकलीन ने अपनी फुल फोटो भी शेयर की है। इसमें वे रेत पर पैर उठाकर चलती दिख रही हैं।जैकलीन ने इन तस्वीरों में बेहद कातिलाना पोज दिए हैं, जिन्होंने उनके फैंस का दिल जीत लिया है।जैकलीन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

देवरा के तीसरे गाने दाउदी की सामने आई झलक

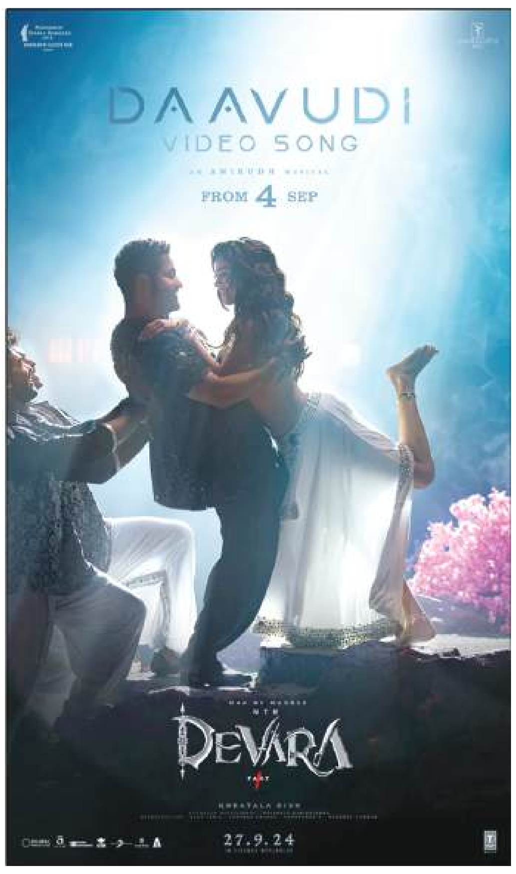

जूनियर एनटीआर संग जान्हवी कपूर खूबसूरत लग रही हैं

जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली देवरा 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपनी स्टार कास्ट और स्टोरीलाइन के कारण काफी चर्चा बटोर रही है। हाल ही में, देवरा के निर्माताओं ने फिल्म के तीसरे गाने के बारे में एक बड़ा अपडेट दिया है।

आपको बता दें कि जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की का एक दिलचस्प पोस्टर शेयर करते हुए, उन्होंने लिखा कि दाउदी नामक गाना 4 सितंबर को रिलीज़ होगा। उनके कैप्शन में लिखा, यह एक पक्का शॉट होने वाला है। हर बीट में सीटी बजाने लायक पागलपन। ॠदाउदी 4 सितंबर को। पोस्टर में, जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर को एक डांस सीक्वेंस के दौरान अपनी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री दिखाते हुए देखा जा सकता है।जान्हवी अपने नए लुक में खूबसूरत लग रही हैं, जबकि आरआरआर स्टार अपने डांस मूव्स से आकर्षण बिखेर रहे हैं। दूसरी ओर, इस गाने को किसी और ने नहीं बल्कि अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। दाउदी गाने के पोस्टर ने फैंस को जान्हवी कपूर के आकर्षक डांस नंबर नदियों पार की याद दिला दी। यह गाना हिंदी फिल्म रूही का था, जिसमें राजकुमार राव ने मुख्य भूमिका निभाई थी। गाने में जान्हवी ने डांस फ्लोर पर जलवे बिखेरते हुए कुछ ऐसा ही लुक चुना था।अब तक, देवरा के निर्माताओं ने फिल्म के दो गाने चुट्टामल्ले और फियर सॉन्ग रिलीज कर दिए है। दोनों गानों को दुनिया भर के फैंस से प्रशंसा मिली है। इस बीच, यह बताया गया है कि मुख्य प्रतिपक्षी सैफ अली खान के साथ एक और गाना शूट किया गया है।

हालांकि, गाने के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।फिल्म की बात करें तो यह भारत के तटीय क्षेत्रों के बैकग्राउंड पर आधारित है। जूनियर एनटीआर कथित तौर पर फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे। फिर भी, देवरा 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर आने वाली है। जूनियर एनटीआर, जान्हवी कपूर और सैफ अली खान के अलावा, फिल्म में प्रकाश राज, शाइन टॉम चाको और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे।

टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर डिजिटल स्ट्रीम हुई द लेडी किलर, मुफ्त में देखें अर्जुन-भूमि की रोमांटिक थ्रिलर

अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की पिछले साल नवंबर में रिलीज हुई फिल्म द लेडी किलर अब यूट्यूब पर रिलीज किया जा चुका है। कई महीनों बाद अब अजय बहल निर्देशित फिल्म द लेडी किलर डिजिटल स्ट्रीमिंग के लिए मुफ्त में उपलब्ध है।अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर स्टारर द लेडी किलर पिछले साल 3 नवंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास रिस्पांस नहीं मिला था। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब कई महीनों बाद द लेडी किलर को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया है। अगर आप अर्जुन या भूमि में से किसी के भी प्रशंसक हैं तो आप इन दोनों की रोमांटिक केमेस्ट्री को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कि कब और कहां देख सकेगें द लेडी किलर।द लेडी किलर को सिनेमाघरों में रिलीज करने से कुछ दिनों पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। बाद में इसे बहुत सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जिससे कई भूमि और अर्जुन के प्रशंसक इसे बड़े पर्दे पर देखने से वंचित रह गए होंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब फिल्म द लेडी किलर को 2 सितंबर को निर्माताओं ने टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर डिजिटल स्ट्रीमिंग की है। दिलचस्प बात यह है कि

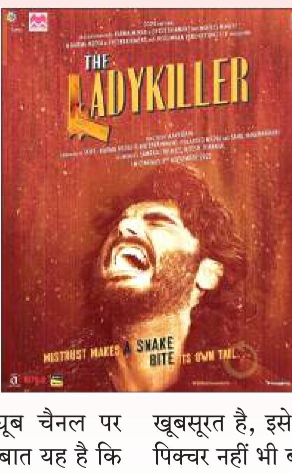

अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर अभिनीत यह फिल्म किराए पर देखने के बजाय मुफ्त में देखने के लिए उपलब्ध है। रिलीज होने के कुछ ही घंटों के अंदर इसे 188के से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने द लेडी किलर को लेकर कहा था, यह सबसे अच्छी स्क्रिप्ट में से एक है, शायद मेरी जिंदगी में पढ़ी गई सबसे अच्छी स्क्रिप्ट। यह खूबसूरत है, इसे पढ़कर ऐसा लगता है कि इसकी पिक्चर नहीं भी बनेगी तो भी यह परफेक्ट है क्योंकि आप इसकी कल्पना कर सकते हैं। यह एक नॉयर रोमांटिक थ्रिलर है और यह मेरे द्वारा की गई किसी भी फिल्म से बहुत अलग है, यह बहुत अनोखी है, जिस तरह से निर्देशकों और लेखकों ने इस पर काम किया है और जिस तरह से इसे शूट किया गया है वह सब बहुत अनोखा है। बीए पास, सेक्शन 375 और ब्लर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अजय बहल द्वारा निर्देशित द लेडी किलर में मुख्य भूमिका में भूमि और अर्जुन के अलावा प्रियंका बोस, सृष्टि श्रीवास्तव, एसएम जहीर और अन्य कलाकार भी हैं।काम की बात करें तो अर्जुन जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगे , जिसमें वह एक खूंखार खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

1334 अवर अभियंता, संगणक और फोरमैन को सीएम ने दिए नियुक्ति प्रत्र

पहले वेतन के लिए पैसे नहीं होते थे, आज रेवेन्यू सरप्लस है यूपी

लखनऊ, 04 सितंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बिना नाम लिए ही इशारों-इशारों में राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर करारा प्रहार किया। उन्होंने विपक्षी नेताओं को लताड़ लगाते हुए चुनौती दी कि बुलडोजर पर हर एक का हाथ फिट नहीं हो सकता। इसके लिए दिल और दिमाग दोनों चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसमें बुलडोजर जैसी क्षमता और दृढ़ प्रतिज्ञा हो, वही बुलडोजर चला सकता है। दंगाइयों के सामने नाक रगड़ने वाले लोग बुलडोजर के सामने वैसे ही पस्त हो जाएंगे। सीएम योगी ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1334 अवर अभियंता, संगणक एवं फोरमैन को नियुक्ति प्रत्र प्रदान कर रहे थे।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि आज यहां नियुक्ति पाने वालों में हर जनपद का प्रतिनिधित्व दिखता है। न जाति का भेद, न क्षेत्र का। केवल प्रतिभा और आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए प्रतिभाशाली युवाओं को नियुक्ति की प्रक्रिया से जोड़ा गया है। वहीं, पहले जनता ने जिन लोगों को अवसर दिया था उन्होंने अपनी अराजक और भ्रष्टाचारी गतिविधियों से पहचान का संकट खड़ा किया और फिर प्रदेश को दंगों की आग में झोंकने का काम किया था। पहले जाति-जाति को लड़ाया, फिर मत और मजहबों को आपस में लड़ाने का काम किया। उत्तर प्रदेश महीनों दंगों की आग में झुलसता रहा। आज ये लोग फिर से अपना रंग रोगन बदलकर नए रूप में प्रदेश की जनता को गुमराह करना चाहते हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले जो लोग प्रदेश में लूट खसोट मचाए थे, आज जब उनके सपनों पर पानी फिर चुका है तो अब टीपू भी सुल्तान बनने चले हैं।

कई वर्ष पहले एक धारावाहिक आया था, मुंगेरीलाल के हसीन सपने। आज ये भी यही सपने देख रहे हैं। जब जनता ने इन्हें अवसर दिया था तब इन्होंने प्रदेश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। यहां के युवाओं के सामने, व्यापारियों के सामने, उद्यमियों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। सीएम योगी ने प्रदेश के युवाओं को आश्वस्त किया कि यदि आपमें योग्यता और क्षमता है तो आपका सेलेक्शन जरूर होगा। इसके बाद भी यदि कोई बैरियर बनेगा तो उस बैरियर को हटाने का काम हम करेंगे। जो लोग फिर भी बेईमानी और भ्रष्टाचार फैलाएंगे उनकी संपत्ति को कुर्क करके गरीबों में वितरित करने का भी काम करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि पहले युवाओं को नियुक्ति पत्र क्यों नहीं मिलता था, क्योंकि इनकी नीयत साफ नहीं थी। चाचा और भतीजे में वसूली को लेकर होड़ रहती थी कि कौन कितना वसूल करेगा। एरिया बंटे हुए थे। आप देख रहे हैं कि इस समय कुछ आदमखोर भेड़िया प्रदेश के अंदर अलग-अलग जनपदों में उत्पात मचा रहे हैं और कमोबेश यही स्थिति 2017 के पहले प्रदेश की थी।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में नियुक्ति की जो प्रक्रिया पारदर्शिता और शुचितापूर्ण ढंग से आगे बढ़ी हैं। यह सात वर्ष पूर्व संभव नहीं था। आज हमने साढ़े 6 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां की हैं। इन युवाओं ने अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ प्रदेश को दिया है। आज जब हमारे पास मैनपावर की कमी पूरी हुई है तो यही प्रदेश जो देश के विकास का बैरियर माना जाता था, सरपट दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। साढ़े सात वर्ष पूर्व यह प्रदेश देश की सातवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में जाना जाता था, आज यही नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन चुका है। नियुक्ति की प्रक्रिया आज जितनी पारदर्शी, निष्ठा और ईमानदारी के साथ हो रही है, उसी निष्ठा और ईमानदारी से कार्मिक कार्य करने लग जाएंगे तो अगले तीन चार साल में यह प्रदेश नंबर एक अर्थव्यवस्था होगा। नंबर एक की अर्थव्यवस्था का मतलब, हर हाथ को काम होगा, हर चेहरे पर खुशहाली होगी, हर बेटी सुरक्षित होगी, हर व्यापारी का सम्मान होगा, अन्नदाता किसान प्रसन्न होगा और चहुंओर खुशहाली होगी।

सीएम योगी ने नव नियुक्त अभ्यर्थियों से कहा कि प्रदेश सरकार ने पारदर्शी तरीके से जो प्रक्रिया अपनाई है, आपसे भी उसी पारदर्शी प्रक्रिया की अपेक्षा रखते हैं। जनता से जुड़े हुए कोई भी कार्य में देर नहीं होनी चाहिए। हमें ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्य को प्राप्त करना है। जब हम लोग आए थे तब ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश 14वें नंबर पर था और आज हम अचीवर स्टेट हैं। हमने रिफॉर्म किए. प्रदेश को आगे बढ़ाया। परिणाम ये रहा कि प्रदेश में जहां कोई निवेश करने नहीं आता था, वहां 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों का मतलब सीधे-सीधे डेढ़ करोड़ नौजवानों को नौकरी का है। इनसे नए रोजगार सृजित होंगे, परंपरागत उद्यम जो दंगों के कारण बंद हो रहा था, यह फिर से पुनर्जीवित हो गया है। वन जिला वन प्रोडक्ट पूरे देश का एक ब्रांड बन गया है, जिसने लाखों लोगों को कार्य दिया है। प्रदेश में कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। एक्सप्रेसवे, इंटरस्टेट कनेक्टिविटी के साथ ही जनपद मुख्यालय को फोर लेन के साथ जोड़ा गया है। यह वही प्रदेश है जिसमें वेतन देने के लिए पैसा नहीं था, लेकिन आज हम रेवेन्यू सरप्लस स्टेट हैं। देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य होने के बावजूद वेतन और भत्तों की कोई समस्या नहीं। विकास के लिए किसी भी प्रकार के राजस्व की कोई कमी नहीं है। हम सड़क भी बना रहे हैं, बिजली भी पहुंचा रहे हैं और लोक कल्याणकारी कार्य को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ परिवार तो ऐसे हैं जिनको 12000 सालाना पेंशन की सुविधा डबल इंजन की सरकार प्रदान कर रही है। यह सब तभी कर पा रहे हैं जब प्रदेश के पास पैसा है। भीख मांग के दान नहीं दिया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में जब दंगे होते थे, अराजकता थी तो एयर कनेक्टिविटी जोड़ करके क्या करेंगे। हवाई जहाज से आएगा कौन। आज तो दो एयरपोर्ट से हम 9 एयरपोर्ट को क्रियाशील कर चुके हैं। 10 नए एयरपोर्ट पर कार्य चल रहे हैं। जो एयरपोर्ट चल रहे हैं इनमें से चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। पांचवा भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट भी हम उत्तर प्रदेश के जेवर में बना रहे हैं। आखिर यह काम लंबे समय तक प्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस, समाजवादी पार्टी या बहुजन समाजवादी पार्टी क्यों नहीं कर पाई। इंफ्रास्ट्रक्चर क्यों नहीं दे पाए। ये तो बिजली देने में, सड़क देने में और नौकरी देने में भी भेदभाव करते थे। नौकरी के नाम पर वसूली करने वालों में कहीं चाचा तो कहीं भतीजे, महाभारत के सारे कैरेक्टर शामिल थे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री ओमप्रकाश राजभर, लोकनिर्माण विभाग के राज्य मंत्री ब्रजेश सिंह, कृषि विभाग के राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, जल शक्ति विभाग के राज्यमंत्री रामकेश निषाद, ग्राम विकास विभाग के राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, नगर विकास विभाग के राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चार विश्वविद्यालयों वाले चुनिंदा शहरों में अब गोरखपुर भी शामिल

गोरखपुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)।
गोरखपुर अब नॉलेज सिटी भी बन रहा है। यह देश के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो चुका है जहां चार विश्वविद्यालय हैं। इस शहर की शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों की फेहरिस्त में अब सैनिक स्कूल भी जुड़ गया है। अगले साल यहां स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट की सौगात भी मिल जाएगी। प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, व्यावसायिक, प्रबंधकीय, हॉस्पिटैलिटी समेत किसी भी विशिष्ट प्रकार की शिक्षा के लिए गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही सीमावर्ती बिहार और नेपाल के लिए उम्मीदों का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

गोरखपुर में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव महज चंद सालों में देखने को मिला है। इस बदलाव का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। योगी आदित्यनाथ नाथपंथ के विश्व प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर हैं। शैक्षिक उन्नयन के प्रति ऊर्जस्वित विचार उन्हें अपनी पीठ से विरासत में मिला है। गोरखपुर को केंद्र में रखकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति में गोरक्षपीठ और इसके दो पीठाधीश्वरों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की बड़ी भूमिका मानी जाती है। योगी आदित्यनाथ इसी भूमिका का फलक और व्यापक कर रहे हैं।

संसदीय कार्यकाल से ही उनकी मंशा गोरखपुर को नॉलेज सिटी के रूप में विकसित करने की थी और उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद यह तेजी से साकार होती गई है। सीएम योगी के प्रयासों से गोरखपुर में सैनिक स्कूल भी बन गया है और इसी सत्र से इसमें पढ़ाई भी होने लगी है।

यह पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला और उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल है। यह बताने की जरूरत नहीं कि सैनिक स्कूल किसी भी क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। गोरखपुर में सैनिक स्कूल बन जाने से अब सैन्य सेवाओं में अवसरों के लिए क्षेत्रीय संतुलन बढ़ेगा। सैनिक स्कूल को सीएम योगी ने ड्रीम प्रोजेक्ट मानकर बनाया है।

इसका उद्घाटन 7 सितंबर को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे। अब पूर्वांचल के युवा सेना और अर्द्ध सैनिक बलों में सिर्फ जवान ही नहीं, सैनिक स्कूल में बेहतर प्रशिक्षण पाकर अधिकारी भी बनेंगे।

वैसे उच्च शिक्षा के मानकों पर बात करें तो योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने से पहले गोरखपुर की ख्याति दो विश्वविद्यालय (दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) वाले शहर की थी। इसमें भी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में गोरक्षपीठ नींव की ईंट की तरह है जिसने अपने महाविद्यालय की संपत्ति विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए दे दी थी। बहरहाल, अब गोरखपुर के नाम में इन दो विश्वविद्यालयों के अलावा दो और विश्वविद्यालय जुड़ गए हैं। इनमें से एक आयुष की सभी चिकित्सा पद्धतियों के शिक्षण वाला महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय है तो दूसरा निजी क्षेत्र का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय। आयुष विश्वविद्यालय तो पूरे प्रदेश में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है। जबकि निजी क्षेत्र के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कम समय में ही चिकित्सा, नर्सिंग, पैरामेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में खुद को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है।

बीते कुछ सालों में गोरखपुर उच्च शिक्षा के तकरीबन सभी आयामों से समृद्ध है। बस अभाव था तो सिर्फ हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई का। सीएम योगी ने यह कमी भी दूर कर दी है।

पूर्वांचल का टॉप धार्मिक व टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना वाराणसी

वाराणसी, 04 सितंबर (एजेंसियां)।
योगी सरकार ने काशी के कलेवर को बदलकर उसे विश्व में जो नई पहचान दिलाई है उसका लाभ वाराणसी समेत आसपास के अन्य जिलों को भी मिल रहा है। वाराणसी में आने वाले पर्यटक पड़ोसी जिलों के आध्यात्मिक,धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों को भी पसंद कर रहे है। वर्ष 2023 में पूर्वांचल का टॉप रिलीजियस व टूरिस्ट डेस्टिनेशन वाराणसी रहा। वही, दूसरे नंबर पर मिर्ज़ापुर का विंध्याचल और तीसरे पायदान पर मिर्ज़ापुर का ही अष्टभुजा मंदिर रहा।

इसके अतिरिक्त, संत रविदास नगर (भदोही) में स्थित सीतामढ़ी चौथे नंबर पर और प्राकृतिक सौंदर्य से भरा सोनभद्र पांचवे स्थान पर रहा। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने बनारस और उसके आस-पास के जिलों की कनेक्टिविटी में इजाफा करने के साथ इन क्षेत्रों में पर्यटन विकास की विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य किया है जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं और पर्यटक कम समय में ज्यादा से ज्यादा डेस्टिनेशन एक्सप्लोर कर रहे है।

पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि वाराणसी में हुए विकास के कार्यो, मूलभूत ढांचा में सुधार, दूसरे शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी, सुगमता और सुरक्षा ने पर्यटकों की संख्या बढ़ा दी है। वाराणसी के पडोसी जिलों के पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास के काम ने पर्यटकों का रुझान बढ़ाया है। वाराणसी के आस-पास 100 से 200 किलोमीटर की यात्रा पर्यटकों के लिए काफी आसान हो गई है। वाराणसी आने वाले पर्यटकों को संतरविदास नगर (भदोही), मिर्ज़ापुर, सोनभद्र के धार्मिक स्थलों,जलप्रपात और प्राकृतिक सौंदर्य वाले स्थल खूब भा रहे है।

प्रयागराज के फूलपुर में रोजगार एवं ऋण वितरण मेले में बोले सीएम योगी

माफिया, दंगाइयों और अपराधियों के आगे नाक रगड़ने वालों का वक्त खत्म

फूलपुर/प्रयागराज, 04 सितंबर (एजेंसियां)।
प्रयागराज के फूलपुर स्थित इफको परिसर के केंद्रीय विद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण वितरण मेले में भाग लेते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए माफिया, अपराधी व दंगों को प्रश्रय देने वाले तत्वों को जमकर ललकारा। बुधवार को कार्यक्रम के अंतर्गत सीएम योगी द्वारा 5,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। वहीं, 7,138 लाभार्थियों को 510 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण वितरित किया गया। कार्यक्रम में 15,448 युवाओं को टैबलेट/स्मार्टफोन भी वितरित किए गए। इसके साथ ही, सीएम योगी ने फूलपुर में 634 करोड़ रुपए की 407 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास बटन दबाकर किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को आवंटित आवास की चाबी भी सीएम योगी द्वारा सौंपी गई।

सीएम योगी ने तंज कसते हुए कहा कि जो टीपू आज सुल्तान बनने का ख्वाब देख रहे हैं वह माफिया के सामने नाक रगड़ते हैं। इन्होंने माफिया को गले का हार बनाकर प्रयागराज के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। इतना ही नहीं, सीएम योगी ने आगे अराजक तत्वों को ललकारते हुए कहा कि जिसने भी राह चलती बेटियों के सम्मान पर हाथ डालने की कोशिश की उसके हाथ-पैर अलग हो जाएंगे। हर नागरिक की सुरक्षा हमारा कर्तव्य है जिसे किसी भी हद तक जाकर सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो माफिया सिर उठाएगा उन्हें मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा। बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। माफियाओं, दंगाइयों व अपराधियों के सामने नाक रगड़ने वाले क्या बुलडोजर चलाएंगे, इसके लिए हिम्मत चाहिए। इन्हें तो बुलडोजर देखते ही हार्ट अटैक आ जाएगा। प्रदेश में अधिनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चालीस हजार युवाओं को जल्द नियुक्ति देने व अन्य सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया को भी जल्द किए जाने पर भी सीएम योगी ने फोकस किया।

सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जनवरी में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। प्रयागराज वैश्विक मंच पर फिर से अमिट छाप छोड़ेगा। जो प्रयागराज क्षेत्र वैदिक सनातनियों का केंद्र रहा है उसके सामने पहचान का संकट किसने खड़ा किया था। ये काम जाति के नाम पर लड़ाने वाले लोगों ने किया था। सीएम योगी ने आगे कहा कि कुंभ तो आपने 2013 में भी देखा होगा और 2019 में कुंभ का आयोजन

देखा होगा। 2013 में जो भी कुंभ में आया वह यह सोचकर गया होगा कि आगे से यहां नहीं आना है। मगर, 2019 में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हमने दुनिया को बता दिया कुंभ कैसे होता है। कुंभ सुरक्षा, सेवा व व्यवस्था का एक मॉडल होता है जिसे हमने स्थापित किया। प्रयागराज का सम्मान दुनिया के अंदर बढ़ा। उसी सम्मान को बहाल करने के लिए हम एक बार फिर आपके सामने आए हैं।

सीएम योगी ने इस बात पर जोर देकर कहा कि आपके सामने पहचान का संकट चाचा व भतीजा की वसूली से उत्पन्न हुआ। इनके द्वारा एरिया बांट दिया जाता था। कहीं चाचा जाते थे तो कहीं भतीजा। ये महाभारत के रिश्ते वसूली की रकम लूटने के लिए एकसाथ टूट पड़ते थे और चाचा को धक्का दे दिया जाता था। मगर अब ऐसा नहीं हो सकता। यूपी में कोई वसूली नहीं कर सकता। सीएम योगी ने आगे कहा कि हम तो तय करके आये थे कि जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा उसे हम जेल में भेजेंगे, संपत्ति को जब्त करेंगे और सभी अवैध कब्जों को मुक्त कराकर गरीबों के लिए आवास व महिला संरक्षण गृह भी बनाएंगे। दंगा करने की कीमत क्या होती है यह दंगाइयों को हम अच्छे से बता देंगे। जब पोस्टर टांगकर सात पीढ़ियों तक वसूली होगी तो अच्छे अच्छे सुधर जाएंगे। माफिया समाज का कोढ़ है, इसे समाज से निकाला न जाए तो हमेशा ये आपका वर्तमान और भविष्य खराब करते रहेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि यह प्रसन्नता देने वाला विषय होता है जब कोई युवा कहता है कि रोजगार प्राप्त करने के लिए अपनी शिक्षा को बढ़ाने का कार्य करूंगा, किसी पर बोझ नहीं बनूंगा। इसके लिए सरकार ने सीएम इंटर्नशिप योजना के माध्यम से व्यवस्था की है। व्यवसायियों को उद्योग लगाने के लिए ब्याजमुक्त लोन की व्यवस्था उपलब्ध करायी जा रही है। यहां पर तमाम ऐसे उद्यमी आए हैं जिन्हें अच्छा मैनपावर चाहिए। कार्य करने की ललक हो, इच्छा हो तो छोटी सी पूंजी भी बड़ी पूंजी में परिवर्तित हो सकती है जो बाद में स्टार्टअप स्थापित करने में उपयुक्त हो सकता है। मेहनत से कमाया गया पैसा फलता फूलता भी है और पीढ़ियों को यशस्वी बनाता है।

सीएम योगी ने कार्यक्रम में कहा कि हम लखनऊ में 12 विभागों में 1375 युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र देकर आए हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर पुलिस सेवा में आरक्षी भर्ती के लिए साठ हजार दो सौ पदों के लिए ली गई लिखित परीक्षा के परिणाम जल्द आने वाले हैं जिससे युवाओं के पुलिस बल का हिस्सा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस भर्ती प्रक्रिया के पूरा होने के बाद चालिस से लेकर पैतालीस हजार नई भर्तियों की प्रक्रिया भी शुरू होगी। अकेले अधिनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चालीस हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के क्रम में आगे बढ़ रहे हैं। सीएम योगी के अनुसार, जल्द ही इतनी ही और नौकरी देने की प्रक्रिया को शुरू करने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए नौकरी की कमी नहीं होगी। बेसिक, माध्यमिक, उच्च, तकनीकी, व्यवसायिक व मेडिकल एजुकेशन में साठ हजार से अधिक नियुक्तियां इंतजार कर रही हैं। अलग अलग विभागों में नियुक्ति की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी।

सीएम योगी ने इस बात पर भी फोकस किया कि उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस प्रदेश है। उनके अनुसार शिक्षा आयोग का गठन हो चुका है जो जल्द दी कार्य करने जा रहा है। यूपी सुरक्षा का मॉडल प्रदेश बन चुका है। उत्तर प्रदेश इनवेस्टमेंट का ड्रीम डेस्टिनेशन व भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है। चालीस लाख करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ है जो सीधे तौर पर प्रदेश में डेढ़ करोड़ नौकरी के मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, एमएसएमई खादी एवं ग्रामद्योग मंत्री राकेश सचान, परिवाहन मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रयागराज जिला पंचायत के अध्यक्ष डॉ.वीके सिंह, प्रयागराज के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, प्रयागराज पश्चिम के विधायक डॉ. सिद्धार्थ नाथ सिंह समेत स्थानीय विधायक, विधान परिषद सदस्य, अधिकारीगण व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया।

पेरिस पैरालिंपिक

पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में शरद ने रजत, मरियप्पन ने जीता कांस्य

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

पेरिस 2024 पैरालिंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी63 ... शरद कुमार ने रजत और मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पदक जीता।

शरद ने टी42 श्रेणी में मरियप्पन का पैरालंपिक रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने टोक्यो 2020 में मरियप्पन के 1.86 मीटर के रिकॉर्ड को पार करने के लिए अपने दूसरे प्रयास में 1.88 मीटर पर निर्धारित बार को पार किया। इस प्रक्रिया में, शरद ने पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीतने के बाद अपना दूसरा सीधा पैरालंपिक पदक भी जीता।

हालांकि, शरद 1.91 मीटर पार करने में विफल रहे। फिर उन्होंने बार को 1.94 मीटर तक बढ़ाया और दो और प्रयास विफल रहे। टी63 श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड धारक यूएसए के एज्रा फ्रेच ने 1.94 मीटर के नए पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

2016 में रियो डी जेनेरियो में स्वर्ण और टोक्यो में रजत जीतने वाले मरियप्पन 1.88 मीटर पर तीन असफल प्रयासों से पहले 1.85 मीटर तक ही बार पार कर सके। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय शैलेश कुमार मरियप्पन के साथ बराबरी पर थे, लेकिन काउंटबैक में चौथे स्थान पर रहे।

हाई जंप में दो पदकों के साथ भारत के पदकों की संख्या 20 हो गई, जो खेलों के किसी एक संस्करण में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने पेरिस में अब तक तीन स्वर्ण, सात रजत और 10 कांस्य पदक जीते हैं।

पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में अजीत ने रजत, सुंदर ने जीता कांस्य

अजीत सिंह ने मंगलवार देर रात स्टेड डी फ्रांस में पेरिस 2024 पैरालिंपिक में पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि सुंदर सिंह गुर्जर ने इसी स्पर्धा का कांस्य पदक अपने नाम किया। अजीत ने पांचवें राउंड में 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया और अपना पहला पैरालंपिक पदक जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक सुंदर चौथे राउंड में 64.96 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने टोक्यो 2020 में इसी श्रेणी में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पैरालंपिक पदक जीता। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय रिंकू 61.58 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। क्यूबा के गिलर्मो वरोना गोंजालेज ने 66.14 मीटर के दूसरे दौर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

न्यूज ब्रीफ

दलीप ट्रॉफी आज से, ऋषभ कार हादसे के बाद पहली बार चार दिवसीय मैच खेलेंगे

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होगा। इसमें सभी की नजरें भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर रहेंगी। ऋषभ दिसंबर 2022 में सड़क हादसे में घायल होने के बाद इस टूर्नामेंट के जरिये पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी करेंगे। ऋषभ ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में पहले ही सफल वापसी कर ली है पर लंबी अवधि के प्रारूप में वह पहली बार खेलेंगे। उन्होंने इससे पहले लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला शुभमन गिल की कप्तानी वाली ए टीम से होगा। ऋषभ को सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी में समस्या नहीं हुई पर इस चार दिवसीय टूर्नामेंट से उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबे समय तक मैदान पर रहना होगा जो उनके लिए आसान नहीं रहेगाहै। उन्हें टीम बी का विशेषज्ञ विकेटकीपर बनाया गया है। इस टूर्नामेंट के आधार पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए विकेटकीपर का चयन होगा। चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरु में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी शुरुआती श्रृंखला में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है।

रेफरी को अपशब्द कहने पर चोंगकिंग महिला फुटबॉल क्लब की अधिकारी पर लगाया प्रतिबंध

बीजिंग। चोंगकिंग योंगचुआन महिला फुटबॉल क्लब की एक अधिकारी पर हाल ही में चीनी शीर्ष डिवीजन मैच में रेफरी के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद छह मैचों का स्टेडियम प्रतिबंध लगाया गया है। चीनी फुटबॉल एसोसिएशन (सीएफए) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। वुहान के खिलाफ चीनी महिला सुपर लीग मैच के 82वें मिनट में चोंगकिंग की टीम की अधिकारी चेन झूओ ने रेफरी के फैसले का विरोध किया और उन्हें अपशब्द कहे। इसके बाद चेन को रेड कार्ड दिखाया गया। सीएफए के बयान के अनुसार, चेन पर 30,000 युआन (लगभग 4,210 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया गया।

अंकोला की जगह रात्रा बने बीसीसीआई चयनसमिति के सदस्य

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राष्ट्रीय चयन समिति में बदलाव करते हुए सलिल अंकोला की जगह पर पूर्व क्रिकेटर अजय रात्रा को चयनकर्ता बनाया है। अब रात्रा अजीत आगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का हिस्सा बन गये हैं। चयनसमिति में पांच क्षेत्रों के पांच सदस्य होते हैं। रात्रा इस कमेटी में उत्तरी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। रात्रा 5 सितंबर से दलीप ट्रॉफी के साथ ही कामकाज शुरु करेंगे। भारतीय टीम को अगली सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। रात्रा इस सीरीज के लिए चयन समिति की बैठक में रहेंगे। रात्रा ने भारतीय टीम की ओर से 6 टेस्ट मैच और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उनके नाम वेस्टइंडीज में एक शतक भी है। रात्रा ने क्रिकेट से संन्यास के बाद कोच के तौर पर काम किया। वह असम, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य कोच रहे हैं। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई भारतीय टीम में भी कोचिंग स्टाफ के तौर पर शामिल थे। रात्रा का करियर जिस साल शुरू हुआ, उसी साल खत्म भी हो गया. उन्होंने भारत के लिए पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में 19 जनवरी 2002 को इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद इसी साल इंग्लैंड के ही खिलाफ सितंबर में अंतिम टेस्ट मैच खेला।

मोदी सरकार में बदली पैरा एथलीटों की स्थिति

अब वैश्विक स्तर पर कर रहे देश को गौरवान्वित

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

ऐसे कई अवसर रहे हैं, जब दिव्यांगों के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष लगाव सबके सामने आया है। विशेष रूप से जिस प्रकार उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों का साथ दिया है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। खासकर उन्होंने एथलीटों का वर्णन करने के लिए 'दिव्यांग' शब्द को अपनाया है, जो उनकी विकलांगताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उनकी असाधारण क्षमताओं और प्रतिभाओं पर जोर देता है।

मोदी सरकार ने दिव्यांग एथलीटों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने, बाधाओं को तोड़ने और खेल के क्षेत्र में समान अवसरों की वकालत करने के लिए काम किया है। इस पहल के मूल में दिव्यांग खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है।

सरकार ने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि खेल सुविधाएँ दिव्यांग एथलीटों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। यह न केवल उनके प्रशिक्षण को सुविधाजनक बनाता है बल्कि व्यापक खेल समुदाय में समावेशिता को भी बढ़ावा देता है। दिव्यांग एथलीटों को मुख्यधारा के खेल कार्यक्रमों में शामिल करना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है।

सरकार ने विशेष प्रशिक्षण और कोचिंग प्रदान करने के लिए खेल संगठनों के साथ सहयोग किया है, जिससे ये एथलीट उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सकें। मोदी प्रशासन ने दिव्यांग व्यक्तियों के बीच प्रतिभा की खोज और पोषण को बढ़ावा देने वाली पहलों का सक्रिय रूप से समर्थन किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें अपने सक्षम समकक्षों के समान अवसरों तक पहुंच प्राप्त हो। दिव्यांग एथलीटों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, मोदी सरकार ने खेल संगठनों में सकारात्मक कार्रवाई की नीतियों को लागू किया है। इसमें राष्ट्रीय टीमों में आरक्षित स्थान बनाना, दिव्यांग खिलाड़ियों की भर्ती के लिए खेल क्लबों को प्रोत्साहित करना और विकलांग एथलीटों से संबंधित रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों को चुनौती देने वाले जागरुकता अभियानों को बढ़ावा देना शामिल है। दिव्यांग खिलाड़ियों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता भी दी गई है।

अब हुआ बड़ा बदलाव

इसके बाद 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से पैरा एथलीटों की स्थिति और उनके प्रदर्शन में भी सुधार आया। 1960 से लेकर 2012 तक केवल 8 पदक जीतने वाले भारतीय दल ने 2016 में दो स्वर्ण सहित 4 पदक और 2020 टोक्यो पैरालंपिक में पांच स्वर्ण सहित 19 पदक जीते। रियो में 2016 संस्करण में भारत ने केवल 04 पदक जीते थे। इस वर्ष केवल 19 एथलीटों ने भाग लिया था और भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक कांस्य और एक रजत पदक जीते थे। वे 43वें स्थान पर थे। टोक्यो 2020 खेलों में भारत ने 54 पैरा-एथलीटों को मैदान में उतारा था। नौ स्पर्धाओं में पांच स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीते थे, जो भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

मोदी सरकार के आने से पहले पैरा एथलीटों की स्थिति खराब थी–मोदी सरकार के आने से पहले पैरालिंपिक में भारत की स्थिति काफी खराब थी। अगर इतिहास पर नजर डालें तो इतिहास खुद-ब-खुद पैरा एथलीटों को लेकर पुरानी सरकारों की सोच को उजागर करता है।

भारत ने 1960 से लेकर 2012 तक जीते केवल आठ पदक- यदि पैरालिंपिक के इतिहास पर नजर डाला जाए तो भारतीय एथलीट कुछ खास नहीं कर सके थे। ओलंपिक डॉट काम के अनुसार 1960 से लेकर 2012 तक भारत ने केवल 8 पदक जीते थे, जिनमें 2 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं, इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उस समय की सरकारों का पैरा एथलीटों को लेकर क्यो सोच और योजनाएं रही होंगी।।

पेरिस पैरालिंपिक में अब तक भारतीयों का रहा है शानदार प्रदर्शन - पेरिस में चल रहे मौजूदा पैरालिंपिक की बात करें तो भारतीय एथलीटों का अब तक का सफर काफी शानदार रहा है। भारत ने मौजूदा पैरालिंपिक में अब तक 20 पदक जीते हैं, जिनमें 3 स्वर्ण, 7 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं।

मोदी सरकार की दिव्यांग खिलाड़ियों के हितार्थ चलाई गई योजनाएं- सुगम्य भारत अभियान- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए खेल सुविधाओं सहित सार्वजनिक स्थानों और परिवहन को सुलभ बनाना।

खेलो इंडिया योजना–विकलांग एथलीटों के लिए संभावित प्रावधानों के साथ जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और सभी आयु समूहों में खेल प्रतिभाओं के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए।

दिव्यांग खेलों के लिए अटल बिहारी प्रशिक्षण केंद्र–विकलांग खेलों के लिए अटल बिहारी प्रशिक्षण केंद्र विकलांग व्यक्तियों को खेलों में समान अवसर प्रदान करने, उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देने और विभिन्न खेल विषयों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

मोदी सरकार ने 2024 पैरालिंपिक में हिस्सा लेने वाले एथलीटों के लिए ओलंपिक दल के बराबर सुविधाएं और प्रशिक्षण सुनिश्चित की। सरकार ने पैरालिंपियनों के लिए ओलंपिक दल के बराबर सुविधाएं और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया है, जिससे उन्हें सफलता हासिल करने में मदद मिली है।

पेरिस पैरालिंपिक : भारत ने एकल संस्करण में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ पदक रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने मंगलवार को पेरिस में पैरालंपिक खेलों के एकल संस्करण में अपना सर्वश्रेष्ठ पदक रिकॉर्ड बना लिया है।

पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में शरद कुमार के रजत और मरियप्पन थंगावेलु के कांस्य पदक ने देश के पदकों की संख्या को 20 तक पहुंचा दिया। भारत ने तीन साल पहले टोक्यो में 19 पदक जीते थे।

भारत ने फ्रांस की राजधानी में अब तक तीन स्वर्ण, सात रजत और 10 कांस्य पदक जीते हैं। टोक्यो में, देश ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक जीते थे।

अवनि लेखरा और सुमित अंतिल ने क्रमश: महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 और पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धाओं में अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया, जबकि नितेश कुमार ने पैरा बैडमिंटन में पुरुष एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

शरद के अलावा, अजीत सिंह (पुरुष भाला फेंक स्न64), योगेश कथुनिया (पुरुष डिस्कस थ्रो स्न56), थुलासिमथी मुरुगेसन (महिला एकल स्5 पैरा बैडमिंटन), मनीष नरवाल (पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स॥1), निशाद कुमार (पुरुष ऊंची कूद ञ्ज47) और सुहास यतिराज (पुरुष एकल एसएल4 पैरा बैडमिंटन) ने भी रजत पदक जीते हैं।

मरियप्पन के अलावा, प्रीति पाल (महिला 100 मीटर टी35, महिला 200 मीटर टी35), मोना अग्रवाल (महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1), रूबीना फ्रांसिस (महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1), सुंदर सिंह गुर्जर (पुरुष भाला फेंक एफ46), दीप्ति जीवनजी (महिला 400 मीटर टी20), मनीषा रामदास (महिला एकल एसयू5 पैरा बैडमिंटन), नित्या श्री सुमति सिवन (महिला एकल एसएच6 पैरा बैडमिंटन), शीतल देवी और राकेश कुमार की तीरंदाजी जोड़ी (मिश्रित टीम कंपाउंड ओपन) अब तक कांस्य पदक विजेता हैं। पेरिस पैरालिंपिक का समापन 8 सितंबर को होगा।

पाक क्रिकेट की हालत देखकर दुखी हैं मियांदाद, इंजमान सहित दिग्गज क्रिकेटर

लाहौर, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से पाकिस्तान क्रिकेट एक प्रकार से सदमे में है। दिग्गज बल्लेबाज रहे जावेद मियांदाद बांग्लादेश जहां बेहद दुखी हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर इंजमाम उल हक चिन्तित हैं। दूसरी ओर यूनिस खान टीम की कमजोर का इलाज करने के पक्ष में हैं। इसके अलावा कई पूर्व खिलाड़ियों ने सीरीज हारने पर निराशा जतायी है।

पाकिस्तान की घरेलू मैदान पर पिछले 10 टेस्ट मैच में ये छठी हार है। यह पहला अवसर है जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में हराया है। इसी को लेकर मियांदाद ने कहा, 'यह पीड़ादायक है कि हमारा क्रिकेट इतना नीचे आ गया है। बांग्लादेश को उनके अनुशासित प्रदर्शन के लिए श्रेय दिया जाना चाहिए पर जिस तरह से इस सीरीज में हमारी बल्लेबाजी ढह गई है, वह एक खराब संकेत है।'

मियांदाद का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में मतभेद के कारण खिलाड़ियों का अपने पर से भरोसा कम हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ खिलाड़ियों को दोष नहीं दूंगा। पिछले डेढ़ साल में बोर्ड (पीसीबी) में जो कुछ भी हुआ है और कप्तानी तथा मैनेजमेंट में बदलाव ने टीम को प्रभावित किया है।'

वहीं इंजमाम उल हक ने कहा कि तीन सीरीज हारना और नौ टेस्ट मैचों में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज नहीं कर पाना चिंताजनक बात है। उन्होंने कहा, 'घरेलू सीरीज को हमेशा से ही सर्वश्रेष्ठ टीमों को हराने का सबसे अच्छा मौका माना जाता था. लेकिन यह तो तब होगा जब बल्लेबाज रन बनाएंगे जो अभी नहीं हो रहा है।' दूसरी ओर यूनिस ने कहा कि जब कोई टीम मानसिक रूप से हार के सिलसिले में प्रवेश करती है तो वापसी करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, 'हमारे बल्लेबाजों ने अतीत में रन बनाए हैं लेकिन अभी मुझे लगता है कि उन्हें इस संकट से उबरने के लिए मानसिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है।'

इस हार के साथ पाकिस्तान के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के करीब पहुंचने की संभावना भी लगभग खत्म हो गई है।

पूर्व राष्ट्रमंडल हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर के खिलाफ करेंगे एमएमए पदार्पण

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रमंडल हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह इस महीने के अंत में जॉर्जिया में गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के अली रजा नासिर के खिलाफ मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में पदार्पण करेंगे।

एमएमए द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, संग्राम सिंह, एमएमए में शामिल होने वाले पहले भारतीय और भारतीय कुश्ती महासंघ के पहले पुरुष पहलवान (2014-2015), 21 सितंबर को जॉर्जिया के टिबिलिसी में हीरोज स्क्वायर में नासिर के खिलाफ मुकाबला करेंगे। हालांकि, वह पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय होंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि संग्राम सिंह के करियर का यह महत्वपूर्ण अवसर न केवल कुश्ती से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में उनके सफल बदलाव का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि एमएमए में अपने पदार्पण के माध्यम से वह इस खेल को भारत में युवा लोगों के करीब लाने के लिए कितने समर्पित हैं। सिंह को उम्मीद है कि एमएमए में शामिल होकर वह उन युवा एथलीटों को एक स्पष्ट रास्ता देंगे जो लड़ाकू खेलों में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता हूं, जहां भारतीय एथलीट अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गर्व से खड़े हों और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में अपना करियर विकसित कर सकें। कुश्ती से एमएमए तक का मेरा अपना सफर सिर्फ़ मेरे लिए नहीं है; मैं भारत में इस खेल को आगे बढ़ाना चाहता हूं और हमारे युवा भारतीय सेनानियों के लिए जगह-जगह यात्रा करने और भाग लेने के लिए मार्ग प्रशस्त करना चाहता हूं। मैं उन्हें यह विश्वास दिलाने की उम्मीद करता हूं कि प्रतिबद्धता और प्रयास से वे भी विश्व स्तर पर महानता हासिल कर सकते हैं।'

संग्राम सिंह अपने बेहतरीन कुश्ती रिकॉर्ड के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और भारतीय खेलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उम्मीद है कि सिंह के मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में संभावित प्रवेश से अंतरराष्ट्रीय लड़ाकू खेल समुदाय में भारतीय एथलीटों का कद बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सिंह ने अपनी सफलता की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर यह मेरे स्वभाव में है कि मैं इस खेल या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके बारे में अच्छी तरह से जानता हूं। इसके अलावा, मैं मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को मुक्केबाजी और कुश्ती के साथ-साथ सभी लड़ाकू खेलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हुए देखता हूं।'

एमएमए की विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2012 में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पेशेवर पहलवान का खिताब जीतने वाले इस एथलीट ने 2015 और 2016 के कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैम्पियनशिप में भी जीत दर्ज की है।

दिव्यांगों की प्रेरणा बने सोनीपत के पैरा ओलंपियन गोल्डन ब्वाय सुमित अंतिल

सोनीपत, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

के सोनीपत जिले के गोल्डन ब्वाय सुमित अंतिल ने एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। टोक्यो पैरालंपिक में जैवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित अंतिल ने पेरिस पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया है। सुमित ने टोक्यो का अपना ही रिकार्ड पेरिस में तोड़ दिया। सुमित का स्वर्ण पदक जीतना दिव्यांग लोगों के लिए प्रेरणा है।

सुमित अंतिल ने टोक्यो के बाद पेरिस के पैरालंपिक में भी जीता गोल्ड

सुमित के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। सोनीपत जिले में 7 जून 1998 को जन्म लेने वाले सुमिल अंतिल के पिता एयरफोर्स में तैनात थे। पिता के निधन के समय सुमित सिर्फ सात साल का था। मां निर्मला देवी ने सभी कठिनाइयों के बावजूद अपने चारों बच्चों का पालन-पोषण किया। वर्ष 2015 में एक हादसे में सुमित ने अपना एक पैर खो दिया, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और खेलों में अपना करियर बनाया। सुमित ने हर कठिनाई का डटकर मुकाबला किया। टोक्यो में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने परिवार को गौरवान्वित होने का अवसर दिया। सुमित अंतिल की खेल यात्रा संघर्ष, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास की कहानी है, जो लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सुमित ने कोच विरेंद्र धनखड़ और द्रोणाचार्य अवॉर्डी नवल सिंह के मार्गदर्शन में लगातार मेहनत की और खेल के क्षेत्र में अपना नाम बनाया।सुमित ने वर्ष 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक लेकिन वर्ष 2018 में एशियन चैंपियनशिप में वह पांचवें स्थान पर रहा।सुमित ने इस हार को चुनौती के रूप में लिया और लगातार मेहनत के बदौलत उसने वर्ष 2019 के नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर खुद को साबित किया। इसके बाद टोक्यो पैरालंपिक में 68.55 मीटर का जैवलिन थ्रो कर सुमित ने रिकॉड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक में भी मंगलवार को अपना पुराना रिकार्ड तोड़ते हुए 70.59 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर नया कीर्तिमान बनाया। सुमित ने एफ64 कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता, जो उन एथलीट्स के लिए होती है जिनके एक पैर की लंबाई दूसरे से कम होती है, जिससे चलने और दौड़ने में कठिनाई होती है।

दीप्ति का बचपन में मजाक उड़ाते थे लोग

पेरिस पैरालंपिक खेलों में दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए 16 वां पदक दिलाया। दीप्ति ने यह दौड़ 55.82 सेकंड में पूरी की। दीप्ति ने इससे पहले जापान के कोबे में विश्व एथलेटिक्स पैरा चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। दीप्ति का यहां तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आंध्र प्रदेश के वारंगल जिले के कल्लेडा गांव की रहने वाली हैं। वह सूर्य ग्रहण के दौरान पैदा हुई थी और जन्म के समय उसका सिर बहुत छोटा था, साथ ही होंठ और नाक थोड़े असामान्य थे। इससे लोग उसका मजाक उड़ाते थे। इस दौरान परिवार ने उसे संभाला। आज उसे दूर देश में पैरालंपिक पदक जीतते देखना यह साबित करता है कि वह वास्तव में एक खास लड़की है। उसका जीवन दूसरों को भी प्रेरित करता है। दीप्ति जीवनजी की मां ने कहा कि अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है ये उनकी बेटी ने साबित किया है। उनके माता-पिता जीवनजी यादगिरी और जीवनजी धनलक्ष्मी ने तब के समय को याद करते हुए कहा कि उनकी बेटी को बड़े होने के दौरान ताने सहने पड़ते थे। दीप्ति बौद्धिक विकलांगता के साथ पैदा हुई थीं।

संपादकीय

बुलडोजर नहीं चलेगा

हालांकि यह कानून की स्थिति है, लेकिन ज्यादातर मामलों में इसका उल्लंघन हो रहा है। हम अवैध निर्माण या अतिक्रमण को संरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं। कोई व्यक्ति, किसी भी केस में, आरोपित है अथवा सजायाफ्ता भी हो सकता है, किसी का बेटा अडियल या अपराधी हो सकता है, लेकिन किसी भी सूरत में बुलडोजर चला कर उसका घर नहीं गिराया जा सकता। यह लोकतांत्रिक नहीं, मध्यकालीन, कबिलाई इंसाफ है। घर किसी के भी मानवाधिकार से जुड़ा है। यह मौलिक अधिकार भी है। आप 'न्याय' के नाम पर किसी का आशियाना नहीं छीन सकते। घर में आरोपी या अपराधी के अतिरिक्त और भी परिजन रहते हैं। वे अचानक सड़क पर क्यों आएं? उन्होंने तो कोई अपराध नहीं किया। यह अपराध और दंड की किसी भी परिभाषा में नहीं है कि अपराधी के साथ-साथ उसके घरवाले भी सजा भुगतें। यदि निर्माण अवैध है, तो कानूनन कार्रवाई की जानी चाहिए। घर का ध्वस्त करना बिल्कुल भी कानूनन कार्रवाई नहीं है। अब समय आ गया है कि बुलडोजर एक्शन के मद्देनजर दिशा-निर्देश तय किए जाएं, जो देश भर में प्रभावी और लागू हों।'' सर्वोच्च अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन ने 'बुलडोजर न्याय' पर सुनवाई के दौरान जो महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं, यह उनका ही सारांश है। न्यायाधीश प्रथमद्रष्ट्या बुलडोजर चला कर घर, मकान, संपत्तियां ढहा देने की सरकारी कार्रवाई को 'कानूनसम्मत' नहीं मानते। यह शुरुआती फैसले की बुनियादी सोच है और इसके जरिए शीर्ष अदालत ने 'बुलडोजर न्याय' पर हथौड़ा मारा है। अदालत में सुनवाई जारी है और आगामी तारीख 17 सितंबर है। न्यायिक पीठ ने सभी पक्षों के सुझाव मांगे हैं, ताकि अखिल भारतीय दिशा-निर्देश तय किए जा सकें। दरअसल भारत में 'बुलडोजर कार्रवाई' की शुरुआत उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। 2017 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने बुलडोजर को कानून-व्यवस्था के साथ जोड़ दिया, ताकि अपराधी और माफिया खौफ खा सकें। योगी ने कुछ कुख्यात माफियाजनों के घरों, मकानों, संपत्तियों पर बुलडोजर चलवा कर उन्हें 'मलबा' बना दिया। यह कार्रवाई करते हुए एक 'विशेष समुदाय' को ज्यादातर निशाना बनाया गया, लिहाजा 'जमीयत उलेमा-ए हिंद' ने सर्वोच्च अदालत में याचिका देकर इसी बिंदु पर जोर दिया कि अधिकतर मुसलमानों को निशाना बनाया गया है और यह 'विध्वंसकारी प्रक्रिया' अब भी जारी है। 'बुलडोजर न्याय' का मप्र में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 2018 में, राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने और महाराष्ट्र की 'महाविकास अघाड़ी' की उद्धव ठाकरे सरकार ने इस्तेमाल किया। उप्र के अलावा गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, असम और मप्र की भाजपा शासित सरकारें भी खूब बुलडोजर चलवा रही हैं। आश्चर्य है कि भारत सरकार को इन कवायदों में कुछ भी 'अमानवीय' नहीं लगा और न ही कोई निर्देश दिए गए कि ऐसा करना गैर-कानूनी है। 2020 और 2022 के बीच 12,640 कथित अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवाए गए हैं। अब तो यह आंकड़ा और भी बहुत बढ़ गया होगा। दिल्ली में जूस की एक दुकान से लेकर राजस्थान के टेम्पो ड्राइवर तक और मप्र में बोझ लादने या उतारने वाले मजदूर तक के संदर्भ में बुलडोजर चले हैं और संपत्तियां ढहाई गई हैं। बीते अगस्त में ही राजस्थान के उदयपुर में दो बच्चों की चाकूबाजी हो गई। उसमें 10वीं में पढने वाले आरोपित बच्चे के घर पर बुलडोजर चलवा दिया गया। सरकार की अनदेखी देखिए कि वह घर किराए का था। उज्जैन और इंदौर में भी दो मामले सामने आए हैं, जिनमें बुलडोजर चलाए गए, लेकिन अदालत ने उन्हें बेकसूर माना। सवाल है कि इस तरह आंख मूंद कर और विवेक को दफन कर सरकारें बुलडोजर चलवाती रहेंगी, तो बेकसूर होने की स्थिति में क्या मुआवजा देना पड़ेगा? क्या अदालतें मुआवजे के लिए सरकारों को बाध्य करेंगी? 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' के अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद एवं वामपंथी नेता वृंदा करात और कुछ अन्य संस्थाओं ने भी सर्वोच्च अदालत में याचिकाएं दी हैं। उन सबकी एक साथ सुनवाई हो रही है।

हम अवैध निर्माण या अतिक्रमण को संरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं। कोई व्यक्ति, किसी भी केस में, आरोपित है अथवा सजायाफ्ता भी हो सकता है, किसी का बेटा अडियल या अपराधी हो सकता है, लेकिन किसी भी सूरत में बुलडोजर चला कर उसका घर नहीं गिराया जा सकता। यह लोकतांत्रिक नहीं, मध्यकालीन, कबिलाई इंसाफ है। घर किसी के भी मानवाधिकार से जुड़ा है। यह मौलिक अधिकार भी है। आप 'न्याय' के नाम पर किसी का आशियाना नहीं छीन सकते। घर में आरोपी या अपराधी के अतिरिक्त और भी परिजन रहते हैं। वे अचानक सड़क पर क्यों आएं? उन्होंने तो कोई अपराध नहीं किया। यह अपराध और दंड की किसी भी परिभाषा में नहीं है कि अपराधी के साथ-साथ उसके घरवाले भी सजा भुगतें। यदि निर्माण अवैध है, तो कानूनन कार्रवाई की जानी चाहिए। घर का ध्वस्त करना बिल्कुल भी कानूनन कार्रवाई नहीं है।

महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी

महिला विरोधी अपराध के दलदल में भद्रलोक

उमेश चतुर्वेदी

शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम।

बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफ अली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजूमदार जो बाद में सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है।

समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरता पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध

और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं।

अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आईं थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूचा बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे उपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि संघर्षशील ममता नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ कर देगी। उन्हें उम्मीद थी कि ममता अपने राजनीतिक औजारों से बंगाल की व्यस्था में जमे नासूर को साफ कर देंगी। लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी कदम पर चल पड़ी। निचले स्तर पर जो वामपंथी कैडर था, वह ममता का कार्यकर्ता बन गया। अवैध घुसपैठ बनती रही। घुसपैठियों या पूर्वी बंगाल के लोगों को पश्चिम बंगाल को लोग बांगाल बोलते हैं। कहने का मतलब यह है कि बांगाल के हवाले होती रही राजनीति और सीमा के पार तक के अल्पसंख्यक तुष्टिकरण से प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि उसके साथ बलात्कार और उसका मर्डर पंद्रह अगस्त की रात को दो से ढाई बजे के बीच हो चुका था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को डांट भी पिलाई। सुप्रीम कोर्ट जजों ने तो यहां तक कहा कि अपने तीस साल में ऐसा कभी होते नहीं देखा।

पश्चिम बंगाल में ही हो सकता है कि भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस अधिकारी के घर केंद्रीय एजेंसी छापा मारने पहुंचे तो मुख्यमंत्री खुद दल बल अपने भ्रष्ट अधिकारी के पक्ष में धरना देने पहुंच जाएं। कुछ इसी अंदाज में ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और कत्ल की घटना के विरोध में धरना दिया गया। कह सकते हैं कि यह सरकार के खिलाफ सरकार का धरना था। ऐसा दुनिया के किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक तो नहीं ही देखा गया है।

दृष्टि कोण

ग्राम्य आर्थिकी में कृषि पर्यटन की भूमिका

कृषि पर्यटन, कृषि और पर्यटन का एक संलयन, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को चलाने और गांवों से शहरी केंद्रों में प्रवास की प्रवृत्ति को उलटने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। ग्राम केंद्रित, किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों का निर्माण करके, हम स्थायी कृषि प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण आजीविका बढ़ाने और ग्रामीण जीवन के लिए नए सिरे से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि पर्यटन का लाभ उठा सकते हैं। किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत प्रदान करके, कृषि पर्यटन खेती को अधिक आकर्षक और व्यवहार्य आजीविका विकल्प बना सकते हैं। यह युवा पीढ़ियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो बेहतर अवसरों की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों को छोडने पर विचार कर सकते हैं। यह प्रदर्शित करके कि खेती लाभदायक और पूर्ण दोनों हो सकती है, कृषि पर्यटन ग्रामीण समुदायों में युवाओं को बनाए रखने में मदद कर सकता है और उन्हें खेती को करियर के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी केंद्रों में प्रवास कई क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिससे गांवों की आबादी कम हो रही है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट आई है। ग्राम केंद्रित और किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों द्वारा समर्थित कृषि पर्यटन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका बनाकर इस प्रवृत्ति को उलटने में मदद कर सकता है। विकेंद्रीकरण, तकनीकी हस्तक्षेप और भंडारण सुविधाओं व प्रसंस्करण इकाइयों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से, कृषि पर्यटन प्रवासन प्रवृत्तियों को उलटने और आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण के लिए कृषि पर्यटन उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। यह उन प्रथाओं को प्रोत्साहित करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है जो संसाधनों का संरक्षण करते हैं, पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करते हैं और कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करते हैं। यह उपभोक्ताओं और उनके भोजन के स्रोतों के बीच गहरे संबंध को भी बढ़ावा देता है जिससे स्थायी कृषि प्रथाओं के बारे में अधिक जागरूकता होती है। कृषि पर्यटन किसानों को स्थायी कृषि विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हैं। कृषि पर्यटन के पर्यटक/आगंतुक अक्सर प्रामाणिक, पर्यावरण के अनुकूल अनुभव चाहते हैं, जो किसानों को जैविक खेती, फसल रोटेशन जैसी प्रथाओं को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये विधियां मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने, पानी के संरक्षण और हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करने में मदद करती हैं, जिससे दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान होता है। कृषि पर्यटन के माध्यम से किसान प्रकृति आधारित अनुभवों जैसे पक्षी देखने, वन्यजीव पर्यटन और पर्यावरण के अनुकूल आवास प्रदान करके अपनी आय में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। ये गतिविधियां प्राकृतिक आवासों और जैव विविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। अपनी भूमि पर जंगलों, आद्र्रभूमि और अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों की रक्षा करके, किसान ग्रामीण परिदृश्य की सुंदरता और शांति का अनुभव करने में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। यह बदले में, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देता है। कृषि पर्यटन स्थानीय खपत को बढ़ावा देकर और भोजन की लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता को कम करके कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद कर सकता है। जब पर्यटक खेतों में जाते हैं और ताजा, स्थानीय रूप से उत्पादित भोजन खरीदते हैं, तो यह लंबी दूरी पर ले जाने वाले भोजन की मांग को कम करता है जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त कृषि पर्यटन खेतों पर सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कृषि गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव को और कम किया जा सकता है। ग्रामीण जीवन और कृषि के प्रति शहरी-केंद्रित दृष्टिकोण को बदलने में कृषि पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शहरी क्षेत्रों के लोगों को खेती की वास्तविकताओं का अनुभव करने, किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने और टिकाऊ कृषि के महत्व की सराहना करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। कृषि पर्यटन के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच की खाई को पाटने की इसकी क्षमता है। शहरों से लोगों को खेतों में लाकर कृषि पर्यटन ग्रामीण जीवन की अधिक समझ को बढ़ावा देता है। पर्यटक कृषि गतिविधियों में भाग ले सकते हैं, जैसे फसलों की कटाई, गायों का दूध निकालना और पारंपरिक खाद्य पदार्थ बनाना, जिससे उन्हें खेती में आवश्यक कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है।

कुछ अलग

बंदा तो औसत है जी...

हालांकि इस बाबत मैंने उन्हें बहुत बार समझाया भी कि बंधु! औरों के कुकर्मों की वजह से क्यों अपना रास्ता नरक के रास्ते से ले जाते हो? ये सरकारी भाई हैं भाई। जो इनके मन में आए करने दो। भाई चाहे गली को हो या ऑफिस का! वह हर हाल में भाई ही होता है। उसे सब माफ होता है। पद पर रहते हुए उसे कुछ भी करने का हक होता है। भाई भाई होकर बदतमीजी नहीं करेगा तो क्या बाप होकर बदतमीजी करेगा? बाप का काम बदतमीजी सहन करना होता है तो भाई का बदतमीजी करना। बाप और भाई में यही बेसिक अंतर होता है। पर उनको समझाए तो कौन समझाए? मैं और कुछ नहीं चाहता। पर यह जरूर चाहता हूं कि समाज में भाईचारे की आड़ में दुश्मनियां न बढ़ें। वैसे भाईचारे की कोख में पलती दुश्मनियां बहुत अच्छी लगती हैं। मैं नहीं चाहता, जिसका जो हक हो, वह उसे मिले। अगर समाज में ऐसा हो गया तो मेरे जैसे कौवों का क्या होगा? ये व्यवस्था हंस प्रधान नहीं, कौवा प्रधान है। जो कुर्सी के आसपास कोयल की आवाज में कांव कांव कर गया, समझो वह गधे की पूंछ पकड़ भवसागर पार कर गया। मैं नहीं चाहता, समाज में कोई ईमानदार रहे। यहां हर ईमानदार को ईमानदारी करने का हक हो या न, पर यहां हर को बेईमानी करने का पूरा हक है। अच्छा लगता है जब सच्ची को योग्य की जगह औसत से नीचे का दिमाग जुगाड़ कर व्यवस्था की कमान संभालता है। योग्य की समाज में कोई जगह होनी भी नहीं चाहिए। इससे समाज के विकास की निरंतर चलती योजनाओं में अवरोध पैदा होते हैं। एक बार जो ईमानदारी से पुल बना गया और दशकों न गिरा तो विकास तो रुक गया न! विकास की प्रक्रिया चलते रहने के लिए व्यवस्था को खाने खिलाने वाले धांसू जरूरी हैं। कल अखबार वाले की गलती से फिर उनके ऊपर वालों का अखबार उनके फ्लोर पर गिर गया और उन्होंने पढ़ लिया। फिर जैसा कि पहले की तरह उनका दिमाग खराब होना था, खराब हो गया। और वे अपना खराब दिमाग लिए मेरे सामने। मुझे पता था कि आज फिर बंधु ने अखबार में कुछ समाज उपयोगी पढ़ लिया है। वैसे समाज विरोधी खबरें हममें संवेदनाओं को बीच-बीच में जगाती रहती हैं। वे आते ही इमोशनल हो मुझ पर बिगड़े, 'ये देख! आज फिर प्रोफेसर ने लडकी से छेड़छाड़ कर दी। हद है यार! ये अखबार छपते ही क्यों हैं? मुझे परेशान करने के लिए? जिस सोसाइटी में प्रोफेसर ही गाली हो जाए, उस सोसाइटी को डूबने से...।' 'तो क्या हो गया!' मैंने शांत स्वर में कहा। 'इतनी बड़ी बात और तुम्हारे लिए...।' 'मतलब?' उनका खून देखो तो लावे की तरह नसों से बाहर आता हुआ। 'कुछ नहीं यार! तुलसीदास ने बहुत पहले कहा था- समरथ कहुं नहिं दोषु गोसाईं। भाई पावक...।' 'कितनी बार कहा कि बी कूल! तुम्हारे बीपी बढ़ाने से यहां समरथों द्वारा किए जाने वाले अपराध नहीं कुकने वाले। इसलिए तुम्हारे हित में मैं तुम्हारा शुभचिंतक होने के नाते बार बार की तरह एक बार फिर कहता हूं कि पदों पर बैठों की बदतमीजियों को सीरियसली मत लिया करो। समरथ होते ही बदतमीजियां करने को हैं। औसतों को पद की गरिमा बनाए रखना मुश्किल नहीं, बहुत कठिन होता है। या कि पद पाने के बाद औसत से औसत जीव भी बदतमीज हो जाता है। ऐसे पदों का दुरुपयोग करने वालों का तो कुछ नहीं होगा, पर फाइनली नुकसान तुम्हारा ही होगा। अरे, वे प्रोफेसर बाद में हैं, पहले औसत आदमी हैं। औसत आदमी से ही वहां तक पहुंचे हैं। हमको चौबीसों घंटे अपने पद की गरिमा के साथ जीना बहुत मुश्किल है दोस्त! यहां तो...तुम्हारी कोई और दिक्कत हो या न, पर तुम्हारी सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि तुम हर औसत आदमी में पता नहीं क्यों उसके पद की गरिमा ढूंढने लग जाते हो। और मेरी दिक्कत यह है कि मैं हर गरिमामय पद में एक औसत आदमी देखता हूं।

देश दुनिया से

शिक्षा और शिक्षक पर चिंतन का दिन

भारत में प्राचीन समय से ही सीखने के लिए गुरु व शिष्य परंपरा चली आ रही है और अभी तक भी जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं और सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करते हैं। अध्यापक को देश का निर्माता कहा जाता है, क्योंकि समाज में बदलाव, विकास में प्रगति, अच्छा जीवन जीने की कला तथा शांति, मैत्री, बंधुत्व विश्व में अच्छे शिक्षकों द्वारा ही संभव हो सका है। शिक्षक, जो बच्चों को पढ़ा सके, जो समाज को नेतृत्व दे सके, जो अच्छा जीवन जीने के लिए वातावरण तैयार कर दे, जो विश्व में मैत्री, शांति और बंधुत्व स्थापित कर दे, उन सभी को ही शिक्षक माना जाता है। अध्यापकों का हमारी जिंदगी में बहुत महत्व होता है। जो शिक्षक बच्चों को जीवन जीने का सलीका सिखा सके, समाज को नेतृत्व दे सके, ऐसे ही शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन और डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम हुए हैं जिन्होंने देश को सीखने व जल्द विकसित होने की भूख पैदा की है।

गुरु शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे हमें इस दुनिया में लेकर आते हैं। इसलिए जीवन में सबसे पहले गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। भारत में प्राचीन समय से ही सीखने के लिए गुरु व शिष्य परंपरा चली आ रही है और अभी तक भी जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं और सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करते हैं। अध्यापक को देश का निर्माता कहा जाता है, क्योंकि समाज में बदलाव, विकास में प्रगति, अच्छा जीवन जीने की कला तथा शांति, मैत्री, बंधुत्व विश्व में अच्छे शिक्षकों द्वारा ही संभव हो सका है। शिक्षक, जो बच्चों को पढ़ा सके, जो समाज को नेतृत्व दे सके, जो अच्छा जीवन जीने के लिए वातावरण तैयार कर दे, जो विश्व में मैत्री, शांति और बंधुत्व स्थापित कर दे, उन सभी को ही शिक्षक माना जाता है। अध्यापकों का हमारी जिंदगी में बहुत महत्व होता है। जो शिक्षक बच्चों को जीवन जीने का सलीका सिखा सके, समाज को नेतृत्व दे सके, ऐसे ही शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन और डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम हुए हैं जिन्होंने देश को सीखने व जल्द विकसित होने की भूख पैदा की है। जवान भारत में लाखों विद्यार्थी ऐसे अच्छे अध्यापकों का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं। शिक्षक के दायरे में केवल बच्चों को किताबी ज्ञान बांटना या फिर सीखने के प्रतिफल को कक्षा कक्ष में उतारना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों में जीवन कौशलों का विकास करते हुए उन्हें आधुनिक जीवन के संघर्ष से अवगत कराना और नशे से बचाना भी शामिल है। अध्यापक दिवस पर अध्यापकों से नई उभरती हुई अपेक्षाएं व चिंताएं भी हैं। नई शिक्षा नीति, नई पाठ्यचर्या एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास तुरंत व महत्वपूर्ण ध्यान चाहते हैं। यह उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण, विश्व व्यापार संगठन, बहिस्त्रोतीकरण, सूचना एवं संचार तकनीकी, नव शैक्षिक प्रयोग, खुली अधिगम प्रणाली, जीवन कौशलों का विकास आदि विशेषताएं शिक्षकों में विशेष तौर पर अपेक्षित रहेंगी। किसी भी देश के अध्यापक तथा वहां की शिक्षा नीति पर यह निर्भर करता है कि उस देश का विकास मानव विकास में परिवर्तित हो और विद्यालय ही एक ऐसी जगह है, जहां से यह संभव है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अध्यापकों के मानकों को बढ़ाने एवं वर्तमान स्थिति में परिवर्तन की कल्पना करती है। शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे पढ़ाने व लेक्चर देने के बजाय फैसिलिटेटर और मैंटर के रूप में कार्य करें। अध्यापक कक्षा कक्ष में इस तरह से सिखाएं कि बच्चों के बीच रचनात्मक, जिज्ञासा, ज्ञान व सूचना की भूख बढ़े। शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रचार व प्रसार एवं बच्चों में इसकी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे डिजिटल रूप से भी साक्षर हों और कक्षा कक्ष में इंटरनेट व कंप्यूटर के माध्यम से बच्चों को प्रतिदिन पढ़ाएं व सिखाएं ताकि सीखने के मानकों (स्टैंडर्ड) में प्रगति सुनिश्चित की जा सके और अध्यापक बच्चों में समग्र विकास की लौ जगा सकें। यह तभी संभव है जब अध्यापकों की पढने व सिखाने में रुचि निरंतर बनी रहे। यह सब करने से ही शिक्षक का सम्मान बरकरार रह सकता है। अध्यापक प्रशिक्षण में अच्छे प्रशिक्षकों की कमी तथा प्रशिक्षण को कक्षा कक्षा से ले जाने से लेकर कक्षा कक्ष में उतारने तक कार्यक्रम की कमी और निगरानी में लचर व्यवस्था हमें नार्वे एवं फिनलैंड जैसे विकसित देशों से पीछे धकेलती है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की रिपोर्ट के अनुसार लक्जमबर्ग में दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाले शिक्षक हैं। इसके अतिरिक्त स्विट्जरलैंड, जर्मनी, नॉर्वे, डेनमार्क, अमरीका, मैक्सिको, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड हैं, जहां शिक्षकों को सबसे ज्यादा सैलरी मिलती है और वे अपने आप को सम्मानित महसूस करते हैं। इन देशों के अध्यापकों के पढ़ाने और सिखाने के तरीके भी भिन्न हैं। यहां अध्यापक विद्यालय व कक्षा कक्ष में जाने से पहले पूरी तैयारी करते हैं। अध्यापक को बच्चों से पहले आकर पढ़ाने की तैयारी करनी होती है। इसीलिए उनका आदर सम्मान बरकरार है और हिमाचल के सरकारी स्कूलों से इसकी उम्मीद इंतजार में है। अनुसंधान व ज्ञानरहित अध्यापक का पाठ बच्चों के दिमाग के ऊपर ज्ञान लादने का ही कार्य कर सकता है, उन्हें कुशाग्र बुद्धि वाला नहीं बना सकता। पिछले दो दशकों में पढने-पढ़ाने की विभिन्न विधाओं में परिवर्तन आए हैं और अभी भी प्रयास जारी हैं। देश भर में लाखों शिक्षक विभिन्न कक्षाओं में पढ़ा रहे हैं। क्या वे सभी शिक्षक शिक्षा को बच्चों के व्यावहारिक जीवन में उतारने में कामयाब हो रहे हैं या नहीं? जैसे-जैसे विकास, विज्ञान और तकनीक आगे बढ़े हैं तथा प्रभावित हुए हैं, घर से लेकर विद्यालय तक परिवर्तन ए हैं, इंटरनेट, मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरएक्टिव बोर्ड सरीखी आधुनिक सहूलियतों से कक्षा कक्ष एवं पढ़ाने के तरीकों में परिवर्तन आवश्यक है। बाहरी परिवर्तन के समकक्ष अपने विद्यालय एवं कक्षा कक्ष, अध्यापकों की सोच, उनके ज्ञान, सूचना, विवेक, सशक्तिकरण व पढ़ाने के मानक स्तरों में भी सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा है।

आप का नजरिया

शहरों का आर्थिक वजूद

बहस के विषयों में राजनीतिक नापतोल अक्सर उचित-अनुचित पर गौर न करके, संभावनाओं की मर्यादा को गौण कर देता है। प्रदेश में आर्थिक संकट पर विधानसभा के मुख्य द्वार पर एक महीन सी लक्ष्मण रेखा है, जो हर वाकआउट के तर्क में आर्थिक विडंबनाएं देखती है। प्रश्नकाल के सवाल पर प्रदेश का हाल देखती है। बजट में अकाल और खर्च में भूचाल देखती है। सवाल यह कि हिमाचल ने अपनी अर्थव्यवस्था को न देखा और न ही जानने की कोशिश की। केंद्र की नीतियों के सहारे 'हम डबल इंजन सरकार' बनकर तो लंबे समय तक नहीं जीत सकते। ऐसे में उजड़े दरख्त के नीचे घास को भी रोना आता होगा, लेकिन सियासत जब उखड़ती है तो हिमाचल की आपदा में प्रधानमंत्री का दौरा भी नसीब नहीं होता। खैर राजनीति से इतर भी हमने प्रदेश की मिट्टी को इतना लाल कर दिया है कि राज्य के प्रयास भी केंद्र की मुखबिरी करते हैं। हम उसी एहसास में जीते हैं या जीने की कोशिश करते हैं जो केंद्र से रहमत बनकर मिलते हैं। बड़ा जोश और जोर है जब मनाली या शिमला से निकलते फोरलेन चंडीगढ़ का कम समय में आलिंगन करते हैं। यह जरूरी रफ्तार हो सकती है, लेकिन इतनी भी जरूरी नहीं कि बिलासपुर, कुल्लू या मंडी जैसे शहरों को दरकिनार करते हुए निकल जाए। कल पठानकोट से मंडी के बीच यात्रा का समुद्र ज्वारभाटा बनेगा, तो नूरपुर, शाहपुर, कांगड़ा, नगरोटा बगवां, बैजनाथ व जोगिंद्रनगर जैसे शहरों के व्यापार का बागवां कहां बचेगा। तरक्की के अपने आईने हैं और यह वक्त की आवश्यकता के अनुरूप बनते व संवरते हैं, लेकिन हर विकास को समझने की जरूरत है। फोरलेन से बाइपास हो रहे शहरों की आर्थिकी का अध्ययन करने के लिए शहरी विकास मंत्रालय की योजना में कुछ तो चिंता होनी चाहिए। कुल्लू शहर की गलियों में आज होटल उदास हैं या व्यापार फिक्रमंद है, तो कुछ नए बंधन की जरूरत है। अंततः व्यापारी को निवेशक का दर्जा देते हुए फोरलेन के दर्द को उजड़ते शहरी आर्थिकी में समझना होगा। बेशक फोरलेन पर काफिला नई अर्थव्यवस्था लेकर आएगा, लेकिन जहां मंजिलें उजड़ रही हैं, उनके लिए भी उपचार चाहिए। इससे पूर्व प्रदेश में शिक्षा व चिकित्सा की दौड़ में जब बड़े सपने देखे गए, तो हम दौड़ते-दौड़ते यह भूल गए कि कुछ तो पहले भी असर था। यानी हमने कालेजों की दौड़ को विश्वविद्यालय के प्रांगण में ले जाकर खत्म कर दिया। मेडिकल कालेजों की तादाद में क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की आहुति दे डाली। आईजीएमसी के कंधों पर टीएमसी बैठाया, तो आसपास के कई हॉस्पिटल डिस्पेंसरी से भी बदतर साबित हो गए। टीएमसी कभी चंबा मेडिकल कालेज के रोग को थामता, तो कभी हमीरपुर मेडिकल कालेज की लाज बचाता, अंततः डाकिया बन गया, जहां कभी शांता कुमार जैसे दिग्गज नेता को विश्वास करके अपनी धर्मपत्नी का साथ गंवाना पड़ा था। निश्चित रूप से ये फोरलेन जब हमें दौड़ाएंगे, तो हम अपने बच्चों को शिक्षा के लिए किसी अन्य राज्य में प्रवेश दिलाएंगे। यही वजह है जब कभी कोई बड़ा राजनेता छोटे से रोग के इलाज के लिए राज्य से बाहर निकल जाता है।

हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत: प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली 04 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने तथा युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया।

प्रह्लाद जोशी ने 'हरित हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की जरूरत है। ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस आयोजन का मकसद ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस प्रदर्शनी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी से संबंधित 120 से ज्यादा स्टॉल होंगे। इसमें 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वक्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और नीदरलैंड मुख्य रुचि के क्षेत्र होंगे। इन पर सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह ग्रीन हाइड्रोजन परिदृश्य के बारे में हमारी समझ को गहरा करने और वैश्विक वैज्ञानिक समुदायों और उद्योगों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर होगा। इस कार्यक्रम के साझेदार भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया हैं।

केंद्र सरकार जीआईसी में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये के भाव में बेचेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) में 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी 395 रुपये प्रति शेयर के भाव में बेचेगी। ओएफएस के तहत 11.90 करोड़ से अधिक शेयर यानी 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी जाएगी। यह पेशकश संस्थागत निवेशकों के लिए खुलेगी। खुदरा निवेशक आज बोली लगा सकेंगे। शेयर बिक्री से 395 रुपये प्रति इक्विटी के भाव पर सरकारी खजाने को लगभग 4,700 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सरकार के पास वर्तमान में जीआईसी में 85.78 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जीआईसी अक्टूबर, 2017 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। सरकार ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से 9,685 करोड़ रुपये जुटाए थे। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहित कांत पांडेय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''जनरल इंश्योरेंस कॉपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) के लिए बिक्री पेशकश कल खुलेगी। गैर-खुदरा निवेशक बोली लगा सकेंगे जबकि खुदरा और जीआईसी के कर्मचारी आज बोली लगाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

मोबाइल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करेगा एक्स

नई दिल्ली। अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी एक्स अब आपके मोबाईल फोन की तरह टीवी इंटरफ़ेस में भी एंट्री करने जा रही है। अब यूजर्स अपने टीवी पर एक्स को चला सकेंगे। एक्स के मालिक एलन मस्क ने कन्फर्म भी कर दिया है। उन्होंने एक्स पर बताया कि एक्स टीवी ऐप का बीटा वर्जन एंड्रॉइड टीवी के लिए पहले ही लाइव किया जा चुका है। बीटा वर्जन अभी एलजी, अमेज़ॅन फायर टीवी और गूगल टीवी जैसे डिवाइस पर लाइव है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि यह ऐप अभी और भी ज्यादा डिवाइस पर आने वाली है। हालांकि, ऐप किस दिन लॉन्च होगी उस तिथि की पुष्टि नहीं की गई है लेकिन यह अलग-अलग डिवाइसों पर अलग-अलग समय पर आ सकता है। बीटा वर्जन के लिए भी ऐसा ही किया गया है। अमेजन में यह ऐप उनके डिवाइस पर जुलाई के अंत में ही आ गयी थी जबकि एलजी पर यह 29 अगस्त को आई। नेटफ्लिक्स और अन्य ओटीटी ऐप की तरह एक्स भी अब टीवी पर देखा जा सकेगा।

501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। बीते दिनों ईथर एनर्जी ने महाराष्ट्र के पुणे में मीट रिज्टा कार्यक्रम में कुल 501 ईथर रिज्टा फैमिली स्कूटर की डिलीवरी करके नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी का दावा है कि यह कंपनी के इतिहास में एक दिन में सबसे बड़ी डिलीवरी है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भाग लेने वाले ग्राहकों ने कहा कि इससे उन्हें ब्रांड की उन्नत तकनीक और डिजाइन दर्शन का गहरा अनुभव और गहरी समझ मिली है। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोग, इलेक्ट्रिक वाहनों के शौकीन और नए रिज्टा मालिक शामिल थे। नया ईथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर तीन वेरिएंट्स- एस, झेड और रिज्टा झेड (लॉन्ग रेंज) में उपलब्ध है। 2.9 केडब्ल्यूएच एस मॉडल की कीमत 1,10,156 रुपये, 2.9 केडब्ल्यूएच झेड मॉडल की कीमत 1,25,156 रुपये और 3.7 केडब्ल्यूएच टॉप मॉडल झेड की कीमत 1,45,157 रुपये एक्स-शोरूम है। बता दें कि ईथर रिज्टा फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर इसी साल अप्रैल में लॉन्च किया गया था। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को लोगों का खूब प्यार मिल रहा है।

भारत में 2024 रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में 2024 रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 लॉन्च हो चुकी है। रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 की बुकिंग शुरू कर दी गई है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 1,99,500 रुपये एक्स शोरूम रखी गई है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 2.30 लाख रुपये एक्स शोरूम है। यह होंडा सीबी 350, जावा और यज्दी जैसी बाइक्स को टक्कर देगी। इस बाइक में 349सीसी, सिंगल-सिलेंडर, एयर-ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 20.2 बीएचपी की पावर और 27 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन को 5 स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 में नया एलईडी हैडलैंप, नई टेललाइट और यूएसबी चार्जिंग पोर्ट के साथ अपडेटेड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल है। इसके अलावा बाइक में नए रंग जोड़े गए हैं, जिनमें मद्रास रेड, जोधपुर ब्लू, मेडेलियन ब्रॉन्ज, कमांडो सैंड, कॉपर हाइलाइट के साथ ग्रे और ब्लैक, क्रोम और कॉपर और रीगल ग्रीन शामिल हैं। इसे हेरिटेज, हेरिटेज प्रीमियम, सिग्नल, डार्क और एमराल्ड वेरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है।बाइक के दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक्स, सिंगल और डुअल चैनल एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) और 6-स्टेप एडजस्टेबल शॉक एब्जॉर्बर दिए गए हैं। इसमें 18 और 19 इंच के व्हील्स दिए गए हैं और खास वेरिएंट्स में अलॉय व्हील्स भी उपलब्ध हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आतंकवाद किसी भी ...

व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, पीएम मोदी ने कहा, मैं आपको और ब्रुनेई के लोगों को आजादी की 40वीं वर्षगांठ पर 140 करोड़ भारतीयों की तरफ से बधाई देता हूं। हमारे सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध हैं। हमारी मित्रता का आधार हमारी महान सांस्कृतिक परंपरा है। आपके नेतृत्व में हमारे संबंध दिनोंदिन प्रगाढ़ होते रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे अत्यंत ख़ुशी है कि अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआत में ही आपसे मिलने और भविष्य के विषय में बात करने का अवसर मिला। यह सुख संयोग है कि हम द्विपक्षीय साझेदारी की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो पैसिफिक विजन में ब्रुनेई एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जो हमारे लिए उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के बीच बुधवार को व्यापक द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और करार पर हस्ताक्षर हुए। दोनों नेताओं ने ब्रुनेई की राजधानी बांदर सेरी बेगावान और चेन्नई के बीच सीधी विमान सेवा शुरू होने का निर्णय लिया और इस निर्णय पर प्रसन्नता जाहिर की। ब्रुनेई की राजधानी बांदर सेरी बेगावान और भारत के चेन्नई के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रुनेई यात्रा के दौरान ही की गई है। सीधी विमान सेवा के अलावा दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और आपसी संबंध के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और ब्रुनेई ने सैटेलाइट और लॉन्चिंग वाहनों के लिए टेलिमैट्री, ट्रैकिंग और टेलीकमांड स्टेशन के संचालन में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ब्रुनेई के परिवहन और सूचना संचार मंत्री महामहिम पेंगिरन दातो शमहारी पेंगिरन दातो मुस्तफा ने उपग्रह और प्रक्षेपण वाहनों के लिए टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और टेलीकमांड स्टेशन के संचालन में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस दौरान पीएम मोदी और ब्रुनेई के सुल्तान भी मौजूद रहे। वार्ता के बाद एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के टेलीमेट्री ट्रैकिंग और टेलीकमांड (टीटीसी) स्टेशन की मेजबानी जारी रखने के लिए ब्रुनेई दारुस्सलाम की गहरी सराहना की। इस संस्थान ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की ओर से चल रहे प्रयासों में योगदान दिया है।

दोनों देशों के साझा बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने दोनों सरकारों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था और एमओयू के तहत आपसी हित के क्षेत्रों में आगे सहयोग का स्वागत करते हुए नए एमओयू की सराहना की। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार और निवेश, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण और संस्कृति के साथ-साथ लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता की। पीएम मोदी और ब्रुनेई सुल्तान ने पेरिस समझौते जैसे अंतरराष्ट्रीय जलवायु उद्देश्यों के अनुसार जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और इस बढ़ती चुनौती के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के प्रयासों को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। वे आईसीटी, फिनटेक, साइबर सुरक्षा, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की खोज और उसे आगे बढ़ाने पर सहमत हुए।इससे पहले अपने दौरे के पहले दिन पीएम मोदी कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। पीएम मोदी 3 सितम्बर, 2024 को यहां भारत के दूतावास में बनी नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने ब्रुनेई में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की। ब्रुनेई में वर्तमान में लगभग 14,000 भारतीय रहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां रहने वाले भारतीय दोनों देशों के रिश्तों के बीच एक सेतु का काम करते हैं। इसी दिन पीएम मोदी ब्रुनेई की राजधानी बंदर सेरी बागवान में स्थित उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद भी पहुंचे। 1958 में बनी मस्जिद काफी बड़ी है और वास्तुकला का एक नायाब नमूना है।

पीएम मोदी सिंगापुर...

प्रधानमंत्री के पास व्यापारिक कार्यक्रम भी हैं, वे सिंगापुर की कंपनियों के सीईओ से भी मिलेंगे। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति को भारत के इंडो-पैसिफिक के दृष्टिकोण से लेकर भारत-सिंगापुर आर्थिक संबंधों और भारत-सिंगापुर तकनीकी संबंधों को एक बड़ा बढ़ावा देगी। ये सभी बातें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी वहां मौजूद कलाकारों के साथ ढोल बजाते भी नजर आए। सिंगापुर के एक होटल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने पर एक महिला ने उन्हें राखी बांधी। प्रधानमंत्री मोदी इंडिया रेडी टैलेंट प्रोग्राम के तहत भारत में इंटर्नशिप करने वाले सिंगापुर के छात्रों और सिंगापुर की कंपनियों में काम करने वाले ओडिशा के प्रशिक्षुओं से भी मिलेंगे। पीएम मोदी ने पिछली बार वर्ष 2018 में सिंगापुर की यात्रा की थी। ताजा यात्रा पर विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य सरकारी अधिकारी उनके साथ हैं।

त्रिपुरा के दो ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह की सक्रिय पहल पर पिछले दस वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। त्रिपुरा के लिए अब तक तीन समझौते किए गए हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के सदस्यों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री शाह के मार्गदर्शन में त्रिपुरा में सभी लोगों का भविष्य उज्जवल है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने इस समझौते को लेकर कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि 35 वर्षों के संघर्ष के बाद आपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल होकर त्रिपुरा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। पीएम मोदी का जिक्र करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की कमान संभालने के बाद से शांति और संवाद के जरिए विकसित पूर्वोत्तर का दृष्टिकोण पेश किया है। पूर्वोत्तर के लोगों और दिल्ली के बीच बहुत दूरी थी। उन्होंने इसे सड़क, रेल और हवाई संपर्क से ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों के बीच की दूरी को भी कम करके समाप्त किया है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इस समझौते से इन दोनों संगठनों के 328 लोग मुख्यधारा में आएंगे। 50 करोड़ का पैकेज त्रिपुरा के इस इलाके के लिए होगा। इस समझौते की हर बात का पालन किया जाएगा। आज हम सबके लिए गर्व का विषय है कि 35 साल से जो संघर्ष चल रहा था वो खत्म हो गया है। यह सब शांति और संवाद के जरिए हो सका है। शाह ने कहा, यह हमारे लिए खुशी की बात है कि 35 वर्षों के संघर्ष के बाद आपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल होकर त्रिपुरा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की कमान संभालने के बाद से शांति और संवाद के जरिए विकसित पूर्वोत्तर का दृष्टिकोण पेश किया है। पूर्वोत्तर के लोगों और दिल्ली के बीच बहुत दूरी थी। उन्होंने इसे सड़क, रेल और हवाई संपर्क से ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों के बीच की दूरी को भी कम करके समाप्त किया है।

ड्रोन हमलों को...

कूकी उग्रवादियों ने रविवार और सोमवार को पहाड़ी की चोटी से निचले इलाके कोत्रुक और कडांगबांड घाटी को निशाना बनाया और पहले अंधाधुंध गोलीबारी की थी। उसके बाद ड्रोन से जबरदस्त बम बरसाए। अचानक हुए हमले से गांव में दहशत फैल गई और लोग खुद की जान बचाने के लिए सुरक्षित ठिकाने तलाशते देखे गए। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। दो सुरक्षाकर्मियों समेत नौ अन्य घायल हो गए। मणिपुर गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि राज्य सरकार को जानकारी मिली है कि कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने घटना को अंजाम दिया है।

केरल के आधा...

कोर्ट को बताया गया कि सरकार के हस्तक्षेप से जानमाल का नुकसान हो सकता है।

जैकोबाइट गुट के सदस्यों ने कोर्ट से कहा कि चर्च को ऑर्थोडॉक्स गुट को नहीं सौंपा जा सकता है। कोर्ट ने उनकी आपत्तियों को खारिज कर दिया और एर्नाकुलम के जिला कलेक्टर को तीन चर्चों- ओडक्कली स्थित सेंट मैरी ऑर्थोडॉक्स चर्च, पुलिंथानम स्थित सेंट जॉन्स बेस्फैज ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च और मझुवन्नूर स्थित सेंट थॉमस ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च का कब्जा अपने हाथ में लेने का आदेश दिया। वहीं, पलक्कड़ के जिलाधिकारी को मंगलम डैम स्थित सेंट मैरी ऑर्थोडॉक्स चर्च, एरिकिनचिरा स्थित सेंट मैरी ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च और चेरुकुन्नम स्थित सेंट थॉमस ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च की कमान अपने हाथ में लेने को कहा। दोनों कलेक्टरों को 30 सितंबर 2024 तक इसकी अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया गया है। इसी दिन मामले की अगली सुनवाई होगी।केरल हाईकोर्ट ने इस इन चर्चों को कब्जा में लेने के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर दोनों जिलों के पुलिस प्रमुखों को भी निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने इन दोनों जिलों के पुलिस प्रमुखों को कहा गया है कि वे अधिग्रहण में सहायता के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात करें, ताकि कोर्ट के आदेशों को बिना देरी के लागू किया जा सके।

दरअसल, ऑर्थोडॉक्स और जैकोबाइट गुट शुरू में एक ही चर्च का हिस्सा थे, लेकिन चर्च की निष्ठा को लेकर दोनों के बीच मतभेद हो गया और दोनों अलग हो गए। ऑर्थोडॉक्स गुट ने केरल के एक बिशप (मलंकरा मेट्रोपोलिटन) के प्रति अपनी निष्ठा की प्रतिज्ञा की, जबकि जैकोबाइट गुट एंटिओक के पैट्रिआर्क को अपना धार्मिक प्रमुख मानता है।

मतभेद के बाद दोनों गुटों में इस बात पर विवाद शुरू हो गया कि केरल में विभिन्न चर्चों का प्रशासन किस गुट को सौंपा जाना चाहिए। मतभेद आ-खिरकार विभाजन में बदल गया और यह विवाद अंततः सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ निर्देश भी दिए थे। यह केस के.एस. वर्गीस बनाम सेंट पीटर्स एंड पॉल्स सीरियन ऑर्थोडॉक्स चर्च के नाम से जाना जाता है। साल 2017 में केएस वर्गीस बनाम सेंट पीटर्स एंड पॉल्स सीरियन ऑर्थोडॉक्स चर्च एवं अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कई विवादित मुद्दों पर ऑर्थोडॉक्स चर्च के पक्ष में फैसला दिया था। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने साल 1934 में तैयार किए गए एक दस्तावेज़ (1934 का संविधान) पर भरोसा किया और अपने फैसले का आधार इसे बनाया।

अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि जैकोबाइट गुट द्वारा तैयार किए गए साल 2002 के दस्तावेज़ द्वारा चर्चों को चलाने की समानांतर प्रणाली स्थापित नहीं की जा सकती थी। हालाँकि, ऑर्थोडॉक्स गुट ने तब से सुप्रीम कोर्ट के साल 2017 के आदेश को लागू करने में विफलता की बार-बार शिकायत की। ऐसी ही एक याचिका पर साल 2022 में केरल हाईकोर्ट के सिंगल बेंच जज ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ताओं (ऑर्थोडॉक्स गुट) को इन चर्चों में शांतिपूर्वक प्रवेश कराने और उनकी धार्मिक सेवाएं संचालित करने के लिए जरूरी सहायता करे। इसके बावजूद जैकोबाइट गुट द्वार उन्हें चर्चों में नहीं घुसने दिया जा रहा था। इसलिए ऑर्थोडॉक्स याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट का रूख किया।

दंगाइयों के आगे...

बैरियर तोड़ेंगे। बेईमानी करने वालों की संपत्ति भी कुर्क करेंगे। यहां पर नियुक्ति पत्र वितरीत किया गया। इनका चयन केवल प्रतिभा और आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए है। यही युवा उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाएंगे। प्रदेश को आज हम अचीवर स्टेट बना रहे हैं। प्रदेश में तेजी से इज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ा है। 40 लाख करोड़ का निवेश आया है इससे डेढ़ करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) एक ब्रांड बन गया है।

2.75 लाख फोन ...

ट्राई ने अनचाली कॉल के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए 13 अगस्त को सभी सेवा प्रदाताओं को कड़े निर्देश जारी किए थे। इसके तहत सभी सेवा प्रदाताओं को एसआईपी, पीआरआई या अन्य दूरसंचार संसाधनों का उपयोग करने वाले गैरपंजीकृत प्रेषकों या टेलीमार्केटर्स की ओर से होने वाले प्रमोशनल वॉयस कॉल को तुरंत रोकने का आदेश दिया गया था।

ट्राई के कदमों से फर्जी कॉल में कमी आने, उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। ट्राई ने सभी हितधारकों से निर्देशों का पालन करने तथा स्वच्छ दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देने का आग्रह किया है। ट्राई ने प्रमोशनल कॉल और मैसेज के लिए नई सीरीज जारी की है। नए नियम के मुताबिक 140 मोबाइल नंबर सीरीज से प्रमोशनल वॉयस कॉलिंग वाले मैसेज आएंगे, जबकि 160 नंबर सीरीज से वित्तीय लेनदेन और सर्विस वॉयस कॉल आएंगे। टेलीकॉम कंपनियों को इसके बारे में निर्देश दिए गए हैं। इस सीरीज की मदद से यूजर्स आसानी से पहचान सकेंगे कि कौन सा मैसेज और कॉल प्रमोशनल है। इससे फ्रॉड को रोकने में मदद मिलेगी। ट्राई ने बीएसएनएल, आइडिया-वोडाफोन, एयरटेल, जियो सहित सभी टेलीकॉम प्रोवाइडर्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिन्हें एक सितंबर से लागू किया गया है।

रक्षा क्षेत्र में ...

देश ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उस समय एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब स्वदेशी बमवर्षक मानव रहित विमान (यूएवी) ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी। बेंगलुरु के फ्लाइंग वेज डिफेंस एंड एयरोस्पेस (एफडब्ल्यूडीए) कंपनी ने इस बमवर्षक यूएवी को तैयार किया है, जिसे एफडब्ल्यूडी 200बी नाम दिया गया है। एफडब्ल्यूडीए के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुहास तेजस्कंद ने बताया कि 15,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम यूएवी के रूप में वर्गीकृत एफडब्ल्यूडी 200बी निगरानी के लिए आवश्यक ऑप्टिकल पेलोड और हवाई हमलों व बमबारी के लिए मिसाइल जैसे हथियारों से लैस है। विमान का वायुगतिकी डिजाइन, एयरफ्रेम, प्रणोदन प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिकी सभी भारत में एफडब्ल्यूडीए की अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई में बनाए गए हैं। यह इकाई बेंगलुरु में 12,000 वर्ग फुट में फैली है। 152 किमी प्रति घंटे की क्रूज गति से उड़ने में सक्षम बमवर्षक यूएवी की अधिकतम गति 250 किमी प्रति घंटे है। इसके पंखों का फैलाव पांच मीटर और लंबाई 3.5 मीटर है। उड़ान भरते समय इसका अधिकतम भार 102 किमी हो सकता है और इसकी पेलोड क्षमता 30 किमी है। छोटी हवाई पट्टियों से भी संचालित हो सकता है।

22 हजार करोड़ ...

मिल रही थी। इस पर पुलिस ने जांच की और 22 हजार करोड़ के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का पर्दाफाश किया। पुलिस ने मामले में डिब्रूगढ़ के एक युवक विशाल फुकन और गुवाहाटी के स्वप्निल दास को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि फुकन अपनी आलीशान जीवनशैली दिखाकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था।पुलिस ने बताया कि फुकन ने निवेशकों को 60 दिन में निवेश पर 30 फीसदी रिटर्न देने का वादा किया। इसके लिए उसने चार फर्जी कंपनियां बनाईं। उसने असमिया फिल्म उद्योग में निवेश करके कई संपत्तियां खरीदी थीं। पुलिस ने डिब्रूगढ़ में उसके घर पर तलाशी ली और घोटाले के दस्तावेज जब्त किए। पुलिस मामले में अब असमिया कोरियोग्राफर सुमी बोरा की तलाश कर रही है।

वह भी फुकन के नेटवर्क से जुड़ी थी।उधर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने लोगों से ऑनलाइन शेयर बाजार में धोखाधड़ी वाले निवेश से बचने के लिए कहा है। सीएम ने कहा कि कम समय में धन को दोगुना करने वाले दावे धोखाधड़ी के होते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्मों के जरिये शेयर बाजार में निवेश की कोई व्यवस्था नहीं है। धोखेबाज गुमराह करके लोगों का पैसा हड़प लेते हैं। ऐसे लोगों से सचेत रहने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि पुलिस ने दलालों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पूरे राज्य में इस रैकेट का पर्दाफाश किया जाएगा।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, PANNE LAL YADAV is legally dependent Father of Service No. 22057866P, Rank: SEP/NA, Name: HARISCHANDRA YADAV, Unit: MILITARY HOSPITAL, SECUNDERABAD, Residing at Vill: GOPALPUR TOLA MAHAV, PO: AMWABUJURG, Teh: PHARENDA, Dist: MAHARAJGANJ, State: UTTAR PRADESH, Pin:273157, I have changed my name from **PANNE LAL YADAV** to **PANNELAL** My Date of Birth is 01-01-1982, Affidavit Singed By advocate and Notary B. Yadagiri, MMCP, BA, LLB

CHANGE OF NAME

I, SIMRATI DEVI is legally dependent Mother of Service No. 22057866P, Rank: SEP/NA, Name: HARISCHANDRA YADAV, Unit: MILITARY HOSPITAL, SECUNDERABAD, Residing at Vill: GOPALPUR TOLA MAHAV, PO: AMWABUJURG, Teh: PHARENDA, Dist: MAHARAJGANJ, State: UTTAR PRADESH, Pin:273157,I have changed my name from **SIMRATI DEVI** to **SIMRTI**, My Date of Birth 01-01-1979, Affidavit Singed By advocate and Notary B. Yadagiri, MMCP, BA, LLB

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15420045F Hav/AA HARUN RASHID of Unit: 454 Field Hospital, C/o.56 APO hereby declare that my daughter name is to be changed from **MAHEK PRAVEEN** to **MAHEK PARVEEN** vide affidavit dt:4-9-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, KUMARI LALTI spouse of Service No.JC-772481A Sub SURENDRA PRASAD YADAV, R/o.Vill:Kewali, P.O.:Churi, Dist:Gaya, Bihar-823002 have changed my name from **KUMARI LALTI** to **LALTI KUMARI** vide affidavit dt 4-9-2024 before IV Spl Judicial Magistrate, Hyderabad

CHANGE OF NAME

I, Gita Ghosh, Mother of 14834238K, Sep/MT Susanta Ghosh of Unit/Regt:554 ASC BN, C/O: 56 APO, R/o. Village: Radhamohanpur, Post: Saralia, Tehsil: Taldangra, Dist: Bankura, West Bengal-722152, have changed my name from GITA GHOSH to GITARANI GHOSH, DOB is 19-05-1967, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 3-9-2024.

CHANGE OF NAME

I, JC769762L, Sub Selvam K of Unit/Regt:MCEME, Secunderabad, Father of S Thean Mozhi, R/o. Village: Samagoundanpur, Post: Patchur, Tehsil: Nattarampalli, Dist: Tirupattur, Tamilnadu-635854, have changed daughter's name from S THEAN MOZHI to S THENMOZHI, DOB is 21-2-2007, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 4-9-2024.

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार 05 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में कृषकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), गया, बिहार के वित्त पोषण से बिहार के 26 किसानों हेतु 04-06 सितंबर, 2024 के दौरान श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन प्रौद्योगिकियां नामक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन आज 04 सितंबर, 2024 को डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित किसानों से श्री अन्न पर चर्चा के दौरान किसानों के श्री अन्न के उत्पादन व प्रसंस्करण संबंधी शंकाए रखी। निदेशक ने इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान श्री अन्न उत्पादन व प्रसंस्करण संबंधी ज्ञानवर्धन का आश्वासन दिया। उन्होंने किसानों के साथ परस्पर चर्चा सत्र के दौरान बाजरे की नवीनतम उत्पादन व प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री अन्न उत्पादन, संरक्षण, प्रसंस्करण, मूल्य-वर्धन, भंडारण, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण आदि विविध तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। किसानों को विविध श्री अन्न जननद्रव्य हेतु श्री अन्न जीन संग्रह, उत्कृष्टता केंद्र, प्राथमिक तथा द्वितीयक प्रसंस्करण सुविधाओं का दौरा भी कराया जाएगा। इसके अलावा उन्हें बिहार हेतु उपयुक्त किस्मों से अवगत कराया जाएगा। किसान उत्पादक संगठनों का गठन व उनके लाभ संबधी जानकारी प्रशिक्षण का एक प्रमुख भाग है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य पाठ्यक्रम निदेशक - डॉ. सी तारा सत्यवती, पाठ्यक्रम निदेशक - डॉ. ए श्रीनिवास, वैज्ञानिक, पाठ्यक्रम सह-निदेशक - डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक तथा डॉ. सेवनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक - डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) हैं।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट, श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली के तत्वावधान में श्री रामदेव बाबा अवतार दिवस अवतारोत्सव के अवसर पर बुधवार, दि. 4 सितंबर, 2024 को प्रातः 8.00 बजे से भव्य कलश शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा प्रजा भवन शिवरामपल्ली से प्रारंभ होकर रामदेवरा दरबार पहुंची। कलश यात्रा में राजेंद्रनगर क्षेत्र के विधायक टी. प्रकाश गौड़, प्रसिद्ध समाज सेवी गोपाल बल्दवा, श्याम सुंदर गिलडा के साथ-साथ सैकड़ो की संख्या में महिला भक्तों ने कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान अल्पाहार एवं लंगर प्रसाद की व्यवस्था रखी गई।

तलसानी ने गज्जू भाई एवं जगदीश प्रसाद वर्मा का हालचाल जाना

हैदराबाद, 4 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसाणी श्रीनिवास यादव ने बुधवार को सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र के समाज सेवी एवं अखिल भारतीय गोरक्षा तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष गज्जू भाई कुलरिया से भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

ज्ञात हो कि श्री कोलरिया हृदय संबंधी समस्या के चलते बीमार चल रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने रामगोपाल पेट डिवीजन के पान बाजार स्थित उनके आवास गये और उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने श्री कोलरिया और उनके परिवार के सदस्यों से कहा कि वे बिना किसी चिंता के बहादुर बनें और डॉक्टर के निर्देशों का पालन करें और उचित सावधानी बरतें। इसी तरह, तेलंगाना स्टेट जेम्स एंड ज्वैलरी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद वर्मा भी बीमार हो गये जिसके कारण वह घर पर आराम कर रहे हैं।

विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने बेगमपेट डिवीजन के प्रकाश नगर में उनके आवास पर उनके स्वास्थ्य संबंधी स्थिति के बारे में जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस अवसर पर विधायक के साथ रामगोपाल पेट डिवीजन के बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष ए. श्रीनिवास गौड़, श्रीहरि, किशोर, आरिफ, आनंद पाटिल, महेश, अरुण भट्ट, वासु, शिवनरायण और अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज मलकपेट के तत्वावधान में प्रतिमाह अनुसार मासिक अन्नाप्रसाद का आयोजन गंज स्थित अग्रसेन हॉल के पास किया गया। जिसमें 600 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।अवसर पर शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, मानद मंत्री प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, हरिश्चंद्र बजाज, नितिन अग्रवाल ने अपनी सेवा प्रदान की।

एनएमडीसी में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में 01 से 30 सितंबर, 2024 तक मनाए जा रहे ङ्गराजभाषा माह, 2024फ के अंतर्गत आज दिनांक 03 सितंबर, 2024 को गैर लिपिकीय वर्ग के कर्मचारियों के लिए ङ्गहिंदी सुलेख प्रतियोगिताफ का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय के सभी गैर-लिपिकीय कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में श्री रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें हिंदी माह की शुभकामनाएं दीं और हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी दी। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि श्री एच. सुन्दरम प्रभु, महाप्रबंधक (कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी) ने सभी प्रतिभागियों को राजभाषा पखवाड़ा, 2024 के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आग्रह किया तथा सुलेख प्रतियोगिता के अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता का समन्वयन करते हुए डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी माह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन श्री देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने दिया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में श्री राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), श्री एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री फौजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु का सक्रिय सहयोग रहा।

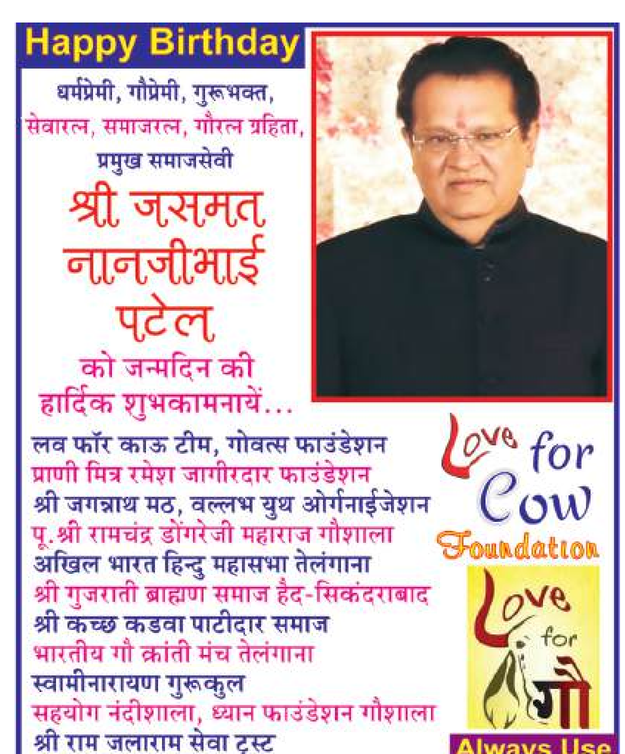

भव्यातिभव्य महावीर जन्म वांचन आयोजित

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। काचीगुडा स्थित पटेल घनश्याम भवन में श्री काचीगुडा जैन श्वेताम्बर तपागच्छ संघ के तत्वावधान में भव्यातिभव्य पर्युषण महापर्व अंतर्गत भगवान श्री महावीर जन्म वांचन बुधवार 4 सितम्बर 2024 को प्रातः 9.00 बजे से प्रारंभ हुआ।यहाँ जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में संघ के अध्यक्ष प्रवीण वोरा एवं मंत्री विकास शाह ने बताया कि भव्यातिभव्य पर्युषण महापर्व शनिवार दि 31 अगस्त से शनिवार दि. 7 सितम्बर 2024 तक प.पू. युग प्रधान आचार्य सम पन्यास श्री चंद्रशेरविजयजी म.सा. के शिष्य रत्न मुनि श्री गुणहंसविजयजी म.सा. के शिष्य मुनिश्री भुवनभूषण विजयजी म.सा. आदि ठाणा 3 की पावन निश्रा मे भव्यता के साथ जारी है। प्रतीदिन बडी संखया मे श्रावक-श्राविकायें पर्युषण महापर्व की आराधना मे भाग ले रहे हैं। उपाध्यक्ष उपेन्द्र भूरट ने बताया कि प्रतिदिन प्रात 5.45 राईप्रतिमण, प्रातः 9 बजे प्रवचन, सायं 6.30 बजे से देवसी प्रतिमण का आयोजन रखा गया है। बुधवार दि. 4 सितम्बर को भगवान महावीर जन्म वांचन, सपनाजी पालनाजी एवं अष्ट मंगल के चढावे आदि कार्याम सम्पन्न हुए। प्रात 9.00 बजे कल्पसूत्र वांचन, 10 बजे से श्री 14 स्वप्न पालनाजी का चढावा श्री मोहनलालजी वाडीलालजी दिपकजी खरगांधी परिवार, मोक्ष की बारी का लाभ नरेन्द्र महेता परिवार, महालक्ष्मी का चढावा श्रीमती जडावीबेन जयचंदजी चोवटिया परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया स्वामीवत्सल्य लाभार्थी श्रीमती कोकिलाबेन जयेंद्रभाई शाह परिवार है। शनिवार दि. 7 सितम्बर को भाईयो एवं बहनो का संवतसरी प्रतिमण मध्यान्ह 3 बजे से घनश्याम पटेल भवन, काचीगुडा हैदराबाद मे रहेगा। वहीं रविवार दि. 8 सितम्बर को सामुहिक पारणा एवं सकलसंघ नवकारशी का आयोजन श्रीमती मुक्ताबेन कुबेरदासजी शाह परिवार की ओर से रहेगा ।

अवसर पर उपस्थित को सम्बोधीत करते हुए गुरु भगवंत ने कहा कि हमें चातुर्मास काल में यथा शक्ति जप -तप-धर्मध्यान, व्याखयान श्रवण आदि कार्यें मे मन को संलग्न कर, प्रमाद का त्याग करना चाहिये, जिससे कि कुछ पुण्य अर्जित हो । वैसा ही यह चातुर्मास है जिससे हम अपने दुशकर्मो की निर्जरा कर सदकर्मो का खाता खोल सकते है। कार्याम मे चंद्रकांत नागरदास शाह, सुभाष खंडोर, भरत शाह, अभय शाह, करणराज जैन, पंकज वाणीगोता, दिलीप ओस्तवाल, ललित धोका, भरत रामाणी, कुलदीप वेद मेहता, जयेश खरगांधी, परेश शाह, जीगर बाबरिया, गुजराती समाज के घनश्याम पटेल, दिनेश गोसर, अचलगच्छ जैन संघ के रिद्धीश जागीरदार आदि उपस्थित थे।

श्री काचीगुडा जैन श्वेताम्बर तपागच्छ संघ हैदराबाद के समस्त पदाधीकारीयों ने नगरद्वय के सभी धर्म प्रेमीयो से आग्रह किया है कि वे उपरोक्त सभी धार्मीक अनुष्ठानों मे पूर्ण भक्ति-श्रद्धा के साथ सम्मिलित होकर परमात्मा शासन का लाभ प्राप्त करे एवं शोभा बढ़ाने की विनंती की गई।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। त्यौहार एवं विवाह समारोहों को लक्षित हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी बुधवार, दि. 04 सितंबर, 2024 को माधापुर हाईटेक सिटी स्थित एचआसीसी नोवोटेल में शुरू हुई। इसमें देशभर से 350 डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं। हाईलाइफ प्रदर्शनी का उद्घाटन अभिनेत्री सीरत कपूर ने किया। अवसर पर बड़ी संख्या में मॉडलों ने परिधान एवं आभूषणों का प्रदर्शन किया।

उद्घाटन के बाद मुख्य आयोजक एवं हाईलाइफ के सीईओ अबे डोमिनिक ने कहा कि त्यौहार एवं विवाह समारोहों को समर्पित इस प्रदर्शनी में 350 से अधिक डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह त्यौहारों का समय है और त्यौहारों के मौसम के साथ ही कुछ शादी ब्याह के समारोह शुरू होंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए फैशन प्रेमियों को उत्सव और शादी की खरीददारी का असाधारण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। शीर्ष फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह के रूप में हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है। अबे डोमनिक ने कहा कि फैशन, ग्लैमर, स्टाइल और विलासिता का एक रोमांचक प्रदर्शन इस प्रदर्शनी में दर्शनीय है। नवीनतम फैशन एवं डिज़ाइनर वियर, वेडिंग कलेक्शन, ज्वेलरी, एसेसरीज आदि की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शनी में उपलब्ध है। यह प्रदर्शनी 6 सितंबर, 2024 तक जारी रहेगी।

भारत सरकार द्वारा बी. राम रेड्डी, एसपी सीआईडी को आईपीएस से सम्मानित होने पर जाजू परिवार की ओरसे उनका सम्मान करते हुए राजगोपाल जाजू, श्रीगोपाल जाजू, गोविंद जाजू, रमाकांत जाजू, विष्णुकांत जाजू, हनुमंददास बजाज, मदनगोपाल लोया व अन्य।

पहाड़ी हनुमान मंदिर मारडपल्ली में राणीसती दादी के मंदिर में पूजा करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंदलाल अग्रवाल पत्नी संतोष अग्रवाल।

सुपात्र दान अपने भावों को मोक्ष की ओर लेकर जाते हैं : साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य श्री पुष्करमुनिजी म.सा,श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ.श्री शिवमुनिजी म.सा , महाश्रमण पूज्य श्री जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया श्री शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया श्री चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा , नवदीक्षित साध्वी श्री प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

आज यहाँ संघ के मंत्री दिलीप गादिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुष्कर शील चन्दन दरबार मे संचालक पारस डोसी ने सभी श्रावक-श्राविकाओं ,बाहर क्षेत्रो से पधारे दर्शनर्ति का स्वागत व अभिनंदन किया व पर्वदिराज पर्युषण पर्व की चतुर्थ दिन शुभकामनाएं दी

पर्वदिराज पर्युषण के चतुर्थ दिवस का शुभारंभ साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा की मुखरबिंद से अंतगड सूत्र के वचन से हुवा एवम साध्वी धर्मज्योतिजी म.सा ने कहा की गुरु का बिना शिष्य भी कल्याण होसकता है पर शिष्य का बिना गुरु के कल्याण नही होसकता है।

साध्वी श्री प्रियांशश्रीजी म.सा ने अपने उद्धबोधन में फरमाया कि आज मानव शरीरिक रूप से बहुत दुखी है. ज्ञानी भगवंतों ने जैन दर्शन के अनुसार दो प्रकार के रोग बताये है। एक है अकाल या इंस्टेंट मत्यु बिना कोई वेदना के और दूसरी जा मृत्यु जैसी वेदना से. सुख देत है सुख होत है, दुःख देत है दुःख होत है। जीवन मे जब सूक्ष्म जीव को अत्याचार करके उनका कचुम्बर या कष्ट देते है तब हमारे शरीर में अनेक प्रकार की वेदना उत्पान होती है. हमारे जीवन मे नियम

होना चाईए की जहाँ सूक्ष्म जीवों को कष्ठ हो,हानि होती हो,दर्द होता हो तब हम वहां पर से अपने आप को हटा लें और उन जीवो की रक्षा करे. हम जिस किसी भी जीव की रक्षा करते है तब वो जीव किसी ना किसी रूप में हमारे भव में हमारी सहायता और रक्षा अवस्य करते है। आगे धर्म का सार हमारे जीवन में आ जाता है तो हमारा भव उत्कृष्ट होजाता है।

साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा ने अपनी ओजस्वी वाणी में कहा कि दान देता वरदान. पर्युषण पर्व के समय तप-जप, और दान पुण्य करते हुवे हमे आग बढ़ना है. आगे बताया कि मनुष्य जीवन के परिब्रह्मन के 4 कसाय होते है वो है क्रोध, मान, माया और लोभ. हमे चिंतन करना है कि हम कैसे दानवीर बने. दानवीर बनकर हम अपने मोक्ष जाने के द्वार को खोलने में सहयोग प्राप्त कर सकते है. सुपात्र दान देकर हम अपने भावों को मोक्ष की और लेकर जाते है. हमे यह मानव चोला जो मिला है जिसमे हम कर्मो की निजरा करना चाहिए ना कि कर्मो का बंध. दानवीर की बारे में बताते हुवे कहा कि 100 आदमियों में एक शूरवीर होता है, 1000 आदमियों में एक पंडित होता है वैसे ही जहाँ आदमियों के झुंड होता है उनमें से दो-चार ही दानवीर होते है. जो भी दान हम देते है चाहे वो देश की लिए हो ,संघ समाज की लिए हो जो भी राशि हम दान देते है वो राशि के हिसाब से हमारे पूण्य की कमाई के आकड़ो में जुड़ जाते है. हमे चाईए के हम सब गुरु भगवंतों से सौगन्ध ले ले कि जो भी दान हम कर रहे वो हर किसी के सामने ना बोले. अंत मे कहा कि दान देता वरदान है इसलिए कभी भी दान पुण्य करने में पीछे नही रहेना।

पुष्कर शील चन्दन दरबार में धर्म सभा का संचालन करते हुवे चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने कहा कि दान का अवसर सामने हो तो उसे प्रायोरिटी देनी चाहिए, दान में देरी दान का दोष है. प्रवचन के बाद सुरभि मंडल द्वारा गीतिका व बालिकाओं द्वारा एक नृत्य प्रस्तुत किया गया. पर्वादिराज पर्युषण महापर्व के चतुर्थ दिवस को दान देता वरदान एवं दया दिवस के रूप में मनाया गया. प्रतिदिन विभिन विभिन प्रतियोगिता रहेगी जैसे जैन काड्र्स-विन मार्क्स, धार्मिक अंताक्षरी, महावीर जन्मोत्सव.आगे बताया कि पर्युषण पर्व के आठो दिन प्रातः 8.30 बजे से अंतगड सुत्र का वाचन, प्रातः 09.15बजे से प्रवचन, दोपहर 2.00बजे कल्पसूत्र का वचन, दोपहर 2.45 से प्रतियोगिता एवं सायंकाल सुर्यास्त के बाद प्रतिक्रमण रहेगा. सम्पूर्ण चातुर्मास में एखस्सना व आयंबिल का लाभ श्रीमान गौतमचन्दजी अजयजी संजयजी श्रीमाल कोठारी परिवार ने लिया। करीब 50 श्रावक-श्राविकाओं ने दया में भाग लिया एवं करीब 40 एखासना का लाभ लाभर्ती परिवार व श्री संघ ने लिया. प्रतियोगिता के पुरस्कसर लाभर्ती श्रीमान राजेन्द्रजी अभिषेकजी कोठारी परिवार वालो ने लाभ लिया. कार्यक्रम के पश्चात श्रीमान अशोककुमारजी सायरमलजी भंसाली परिवार,जालोर एवं तेजस्वी बहु मंडल मलकपेट वालो की और से प्रभावन दी गई.धर्म सभा मे त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से कई धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकये उपस्थित थे।

श्री पहाड़ी साईबाबा सेवा ट्रस्ट महेन्द्रा हिल्स स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर में श्री राणी सती दादी के भादी अमावस्या महोत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ो भक्तों ने श्रृंगारिक दरबार के दर्शन किये। इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या में गायक विक्रम चंदन और चेतन दाहिमा ने अपनी मधुर वाणी से भक्ति गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में मंदिर के समस्त ट्रस्टी एवं अन्य ने भाग लिया।

बंजारा हिल्स स्थित के.बी.आर. पार्क में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, अशोक लखोटिया, प्रमोद सरायवाला, गोपाल बलदेवा, प्रवीण अग्रवाल, राम गोयल, डॉ. राधा कृष्ण, राहुल सिंहल, विजय तुंबी, पी.सी. जैन, डॉ. बालाजी, अशोक रुंगटा, सुरेंद्र मोहन, विनोद टिकमानी, मोहन मित्तल, संध्या अग्रवाल, संतोष अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

एक वर्षीय तुलसी रामचरितमानस पाठ पारायण जारी

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ माधव दास स्वामी के तत्वावधान श्री रंगनाथ मंदिर नैमीशारायण धाम में एक वर्षीय तुलसी रामचरितमानस पाठ पारायण का द्वितीय बार रामायण मंगला अनुशासन श्रीश्री चिन्ना जियर स्वामी जी महाराज, एवं बैकुंठवास श्रीश्रीश्री श्रीनिवास नारायणरामानुज जियर स्वामीजी, आशीवादित मठाधिपति अक्षत रामानुजाचार्य के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में किया जा रहा है।

प्रतिदिन मुख्य अजमान माता अरुण किशोर अग्रवाल परिवार एवं विशिष्ट यजमान तिरुमला कांति रेखा संकल्प लेकर कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। प्रतिदिन सहयोगी अजमान के रूप में अनेक भक्ति वृंद आगे बढ़कर अपना नाम इस पुण्य कार्य में अंकित कर रहे हैं साथ ही साथ ऑनलाइन संकल्प लेने के लिए लोगों ने अपना नाम बढ़-चढ़कर लिखवा रहे हैं। जिसमें दि. 4 सितंबर को डॉ. अनंत काबरा ने अपने जन्म दिवस पर संकल्प लिया और गोदा रंगनाथ एवं श्री रामचंद्र परिवार उत्सव विग्रह के दर्शन प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया। । मानव सेवा ही माधव सेवा के रूप में ही सेवा को आगे बढा कर यजमान भक्त परिवार ब्राह्मण भोजन में कई भक्त अखंड दीप में सेवा प्रदान कर रहे हैं। इसी

तरह अमावस्या तिथि पर नारायण दास बराड़िया के पुत्र पवन कुमार बराड़िया ने श्री रामचरितमानस का दिव्य पारायण में एवं रामायण के 10 ब्राह्मण को पूर्ण दिवस सेवा प्रदान की।

कई वर्षों से हर अमावस्या को 11 ब्राह्मण भोजन में जगदीश लोया द्वारा हर अमावस्या एवं पूनम को 11 ब्राह्मणों नैमिषारण्य धाम में भोजन कराया जा रहा है। साथ ही अन्य भक्तों के द्वारा भी भोजन वहां पर कराया जाता आ रहा है ।श्री जगन्नाथ मठ परिवार : गोपाल निर्मला सोनी, डी पी शर्मा,वेणुगोपाल कांता लोया, रामनिवास जी श्यामसुंदर लाहोटी ,आलोक कुमार शुक्ला,मेघराज अग्रवाल ,हीरानंद रामसुख इनानी, विनोद बंग,नीरज सिंह यादव,महेंद्र सिंगनौडिया, गजानंद अग्रवाल,हरि प्रसाद चांडक,श्री वैष्णव सत्संग मंडल,जसमत भाई पटेल लव फ़ॉर काऊ फ़ाउण्डेशन, कैलाश नारायण भाँगड़िया, अर्जुन लाल अग्रवाल, सत्यनारायण लोया, पुरुषोत्तम दास लाहोटी,डॉ अनंत काबरा, गोपी किशन बंग, दिलीप अग्रवाल, विष्णु शर्मा, श्रीराम शर्मा, नारायण दास भराड़िया, पवन कुमार केडिया, बद्री प्रसाद सारडा, चुन्नीलाल बृजलाल बांगड़, गुलाब चंद देवड़ा, नरसिंह दास कासट, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, राधेश्याम राठी, पी. सुब्बा राव, रमेश गुप्ता, शोभा, श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति, सीएच रामन्ना, वी. कुमार गुप्ता, विट्ठल श्रीधर वम्शी रामानुजा, रामकृष्णा अडंकी, अरुण ज्योति, दिव्या रामाना चक्रवर्ती, साई रेड्डी, डॉ. नरसिंह राव, पी. रामलक्ष्मी, कांति रेखा, कलावती, आनंद सिंगनौडिया ,सोहन लाल अग्रवाल,बजरंग प्रसाद गोयल,हरिराम अग्रवाल, राधे श्याम राठी, कांता देवी अग्रवाल, अरुण भाँगड़िया,गोकुलदास सोनी, दीनबंधु अग्रवाल ,सुरेश बियानी, आनंद लोया,दामोदरदास मूंदड़ा, शकुंतला लोया, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति, बाल मित्र सेवा समिति, कमल अग्रवाल, रिदेश जागीरदार, विक्रम चांडक, तरुण मेहता,भगवान दास गिलड़ा, ओम प्रकाश अग्रवाल, ऊषा अग्रवाल, शकुंतला नावंदर, रूबी मिश्रा, जयश्री सुदर्शन, कांता नरेड़ी, सुनीता चौधरी, राजेश अग्रवाल, सरोज गोयल , कलावती जाजू, अरुणा किशोर अग्रवाल, वीना काबरा, रमेश कुमार मोदानी ,रवि हैडा , रेखा दूत, कमलेश मोहनिया गुप्ता, रमेश भालोठिया, रविंद्र कुमार भालोठिया, सरोज अग्रवाल, कमल किशोर काकाणी, कैलाश डालिया, दीनबंधु अग्रवाल, गोपाल भंडारी, वीरेंद्र अग्रवाल ,वेणु गोपाल खंडेलवाल, पुरुषोत्तम लाला महाराज, महावीर प्रसाद जोशी, सुनीता गौर ,मंजू केडिया, सरोज अग्रवाल, पदमा केडिया ,कैलाश करुणा अटल ,रामनिवास भुतड़ा, अनिल मिश्रा ,भगवान पंसारी, गोविन्द राठी, रमेश बंग,कैलाशचंद्र मनियार, बृज गोपाल जाजू, शिल्पा शर्मा, सुरेश मधुबाला उपाध्य, श्याम सुंदर दायमा ,सुनीता तौनदावाले, संतोष बाई दिल्ली वाले ,अवंतिका गुप्ता ,सुशीला अग्रवाल ,विजय कुमार बजाज, रामप्रसाद गोयल, वेणु गोपाल जाजू, वल्लभ निर्मला लोया, बाला प्रसाद सूर्यकांता नावंदर, दुर्गा प्रसाद दुबे , राजेश केडिया, सत्येंद्र प्रकाश लड्ढा, लक्ष्मी निवास आसावा, भगवानदास सांखला, प्रमोद कुमार भुवानिया, सतीश अग्रवाल, गोविंद राम अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, राम भरोसे ग्रुप, मदन मोहन दरक,शशिकांत अग्रवाल, राधाकिशन भुतड़ा ,बंकटलाल हरी नारायण राठी, भवरलाल गोविंदा आसावा, सतीश जाजू, चंपालाल जाजू, अवधेश दायमा, अमित अग्रवाल, अनिल बजाज ,अरुणा राकेश गुप्ता, प्रवीण फिटकिरीवाल, श्रीनिवास पंडित , प्रकाशचंद विजयवर्गीय, जयपाल सिंह, आशीष काकड़ा , विष्णु कड़ेल ,पप्पू पाटिल ,जितेंद्र अवस्थी, राजेश करवा, श्याम सुन्दर बर्मा, सत्यनारायण बालोदिया, ओम प्रकाश खंडेलवाल, प्रभातीलाल गोयनका, परमानंद बंसल, नरेंद्र गोयल, दीपक अग्रवाल, जगदम्बा अग्रवाल,नंदू खंडेलवाल, रत्न खंडेलवाल , सुनील अग्रवाल, रामदेव नगला, हरी किशन ओझा, राम नारायण काबरा,केदार शर्मा,अरविंद केडिया, भीम अग्रवाल ,महेंद्र अग्रवाल,बलवीर पांडे ,प्रेम अग्रवाल ,मनोज जोशी, नंदू अग्रवाल, एस के बियानी,अनिल भाँगड़िया, सुरेश बियानी, कुलदीप व्यास,गोपाल बलदवा, राज हंस राय वर्मा ,राहुल अवस्थी,आलोक प्रसाद तिवारी, रूपेश प्रसाद तिवारी ,धीरज शुक्ला सुरेंद्र मिश्रा,प्रशांत पांडे,पवन शर्मा,रूपेश शर्मा , प्रेमा दायमा, गोविंद असावा, राजेश करवा , अनिरूद अग्रवाल ,सुरेश कुमार अग्रवाल,घनश्याम दास राठी, कोलकता स्वीट हाउस, सुधा गनेरीवाल,श्रीनिवास शुक्ला,जगदीश संतोष लोया, विजय अग्रवाल ,गायत्री कैनवसिंग, गोविंद अग्रवाल, पवन शर्मा,प्लास्टिक इंडस्ट्री, चंदूलाल पटवारी, बंकटलाल हरी किशन राठी, बृज गोपाल मूंदड़ा, सतीश अग्रवाल ,बनकटलाल नारायण दास लोया,प्रेम लता अग्रवाल, लता लहोठी ,सोनू मिश्रा, करुणा, सर्शी बाई राठी ,धनराज सोनी, प्रविन चार्य, शीतला प्रसाद तिवारी, सुखदेव श्रीनिवास लोया, रामचंदर किशनलाल काबरा,मुकुंद दास परतानी, अनिरुद्ध अवस्थी, राजन गुप्ता, गिरधाराचारी महराज एवं अन्य हैं।

विश्व शांति बुद्ध विहार के उद्घाटन समारोह में बोलीं राष्ट्रपति

महिलाओं की आर्थिक मजबूती से देश विकसित होगा

मुंबई, 04 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से देश की प्रगति और विकास होगा। उन्होंने महिलाओं से केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी कहा। राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर में विश्वशांति बुद्ध विहार का उद्घाटन किया।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना और शाशान आपल्या दारी कार्यक्रमों के लाभार्थियों को मुर्मू ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण से महिलाओं का व्यक्तिगत विकास होगा, जो देश की आबादी का आधा हिस्सा हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 25 लाख महिलाओं को लखपति दीदी (प्रति वर्ष एक लाख रुपए से अधिक कमाने वाली महिलाएं) बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि वह यह जानकार खुश हैं कि 13 लाख महिलाओं को पहले ही लखपति दीदी बनाया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि केंद्र ने लखपति दीदी के लक्ष्य को एक करोड़ से संशोधित कर तीन करोड़ कर दिया है। मुर्मू ने महिलाओं से अपने परिवारों की देखभाल करते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा, अगर आप समृद्ध और स्वस्थ रहेंगे तो देश का विकास होगा और प्रगति होगी। उन्होंने कहा, पुरुषों को महिलाओं की क्षमता को समझना चाहिए और उन्हें अपने सपनों तथा आकांक्षाओं को प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए। देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर में विश्वशांति बुद्ध विहार का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति आज सुबह नांदेड़ पहुंचीं, जहां से उन्हें हेलीकॉप्टर से उदगीर ले जाया गया। बुद्ध विहार के उद्घाटन के बाद वहां प्रार्थना का आयोजन किया गया। बुद्ध विहार में स्थापित भगवान बुद्ध की प्रतिमा का वजन 520 किलोग्राम है और यह 10.5 फुट ऊंची है। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, राज्य मंत्री संजय बंसोडे और अदिति तटकरे और अखिल भारतीय भिक्षु संघ के सदस्य मौजूद थे। बुद्ध विहार पड़ोसी कर्नाटक के कलबुर्गी में इसी तरह के प्रतिष्ठान की प्रतिकृति है। यह बुद्ध विहार 1.15 हेक्टेयर भूमि पर बनाया गया है और इसमें 1,200 लोग बैठ सकते हैं। इसका प्रवेश द्वार मध्य प्रदेश के सांची स्तूप के प्रवेश द्वार के डिजाइन पर आधारित है।

राष्ट्रपति ने फिर बढ़ाई दिल्ली के एलजी की ताकत

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एमसीडी की वार्ड समितियों के चुनाव को लटकाने की कोशिश पर केंद्र सरकार ने पानी फेर दिया। चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति एलजी को करनी पड़ी। इस नियुक्ति के लिए दिल्ली के एलजी को अधिकार सीधे राष्ट्रपति से मिले। जिसके बाद बुधवार को एमसीडी की 12 वार्ड समितियों का चुनाव कराया गया।

दरअसल, मंगलवार 3 सितंबर को देर शाम मेयर शैली ओबेरॉय ने एमसीडी की समितियों के चुनाव को लटकाने के लिए आखिरी समय में पैंतरा चलते हुए कहा कि वो पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति ही नहीं करेंगी, क्योंकि चुनाव कराने के लिए समय ही नहीं है। ऐसे में उन्होंने पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति करने से इनकार कर दिया। शैली का कहना था कि उनकी अंतरात्मा उन्हें अलोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देती है। इसके बाद मामले में राष्ट्रपति ने हस्तक्षेप किया और एलजी को पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति के अधिकार दे दिए।

केंद्र सरकार की सलाह पर राष्ट्रपति ने दिल्ली के उपराज्यपाल की शक्तियां बढ़ा दी और इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल के पास अब दिल्ली महिला आयोग, दिल्ली विद्युत नियामक आयोग जैसे किसी भी प्राधिकरण, बोर्ड और आयोग के गठन का पूर्ण अधिकार आ गया है। गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक, राष्ट्रपति ने संसद द्वारा अधिनियमित कानूनों के तहत दिल्ली के लिए किसी भी प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या वैधानिक निकाय का गठन और सदस्यों की नियुक्ति करने की शक्ति उपराज्यपाल को सौंपी है। राष्ट्रपति द्वारा जारी अधिसूचना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली शासन अधिनियम, 1991 (1992 का 1) की धारा 45डी के साथ संविधान के अनुच्छेद 239 के खंड (1) के तहत जारी की गई। अधिसूचना में कहा गया है, राष्ट्रपति निर्देश देती हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन रहते हुए तथा अगले आदेश तक उक्त अधिनियम की धारा 45डी के खंड (क) के अधीन राष्ट्रपति की शक्तियों का प्रयोग किसी प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या किसी वैधानिक निकाय के गठन के लिए करेंगे। चाहे उसे किसी भी नाम से जाना जाता हो या ऐसे प्राधिकरण, बोर्ड, आयोग या किसी वैधानिक निकाय में किसी सरकारी अधिकारी या पदेन सदस्य की नियुक्ति के लिए करेंगे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को 'पोषण ट्रैकर' के लिए ई-गवर्नेंस 2024 का राष्ट्रीय स्वर्ण पुरस्कार

नयी दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को 'पोषण ट्रैकर' पहल के लिए ई-गवर्नेंस 2024 का राष्ट्रीय स्वर्ण राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि यह पुरस्कार सरकारी प्रक्रिया की पुनर्रचना और डिजिटल बदलाव के लिए दिया गया है। पुरस्कार कल मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

अत्याधुनिक आईसीटी एप्लीकेशन पोषण ट्रैकर बच्चों के पोषण विकास की वास्तविक समय निगरानी और मूल्यांकन के साथ एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करता है।

मिशन पोषण 2.0 विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के अनुरूप बच्चे के विकास की पहचान में मदद करता है। ये मानक बच्चे के विकास को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण की स्थिति का आकलन करने में मदद करते हैं।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सपना गुप्ता
(धर्मपत्नी : विमल गुप्ता)
59वें जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई एवं कोटि-कोटि शुभकामनाएं।
सूरज की तरह चमकते रहो आप।
फूलों की तरह महकते रहो आप।।
हमारी यही शुभ कामना है..
सदा खुश रहो आप ।।
-: शुभकामनाओं सहित :-
विमल गुप्ता (पति), विनीत गुप्ता (सुपुत्र) एवं भाग्यश्री (पुत्र-वधु)
: फ़र्म :
Saffron Hospitality Solutions
Sanathnagar, Hyderabad – 500 018 (T.S)
Cell : 93470146699, 9246104699, 7416581261

मशहूर और सार्वजनिक हस्तियों ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश बाढ़ पीड़ितों के लिए बड़े दान की घोषणा की

हैदराबाद, 4 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बाढ़ राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए कई प्रमुख लोग आगे आए हैं, जिन्होंने हाल ही में हुई भारी बारिश से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए बड़े दान की घोषणा की है।

अभिनेता प्रभास ने बाढ़ पीड़ितों को भोजन और पानी उपलब्ध कराने के प्रयासों के साथ-साथ दोनों तेलुगु राज्यों की सरकारों को 5 करोड़ रुपये देने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने प्रशंसकों को राहत कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। हेरिटेज फूड्स की अध्यक्ष नारा भुवनेश्वरी ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में 1-1 करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की, उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके योगदान से जरूरतमंदों को मदद मिलेगी। मेगास्टार चिरंजीवी ने भी दोनों राज्यों को 50-50 लाख रुपये दान करते हुए अपना समर्थन दिया। उन्होंने लोगों के सामने आ रही कठिनाइयों पर गहरा दुख व्यक्त किया और राहत प्रयासों में सामूहिक भागीदारी का आग्रह किया।

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

अगले 24 घंटों में तेलंगाना के चार जिलों में भारी बारिश की संभावना : मौसम विभाग

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना के कोमारामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।यहां एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान राज्य के आदिलाबाद, कोमारामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम और महबूबाबाद जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।8 सितंबर को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।अगले सात दिनों के दौरान राज्य में कई स्थानों या कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ज़ोरदार रहा है।पिछले 24 घंटों के दौरान भद्राद्री कोठागुडेम, निज़ामाबाद, सिद्दीपेट में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हुई और निज़ामाबाद और सिद्दीपेट में कुछ स्थानों पर और जोगुलम्बा गडवाल, करीमनगर, कोमाराम भीम, निर्मल, पेद्दापल्ली, रंगारेड्डी, संगारेड्डी और सूर्यापेट जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान तेलंगाना में अधिकांश स्थानों पर बारिश हुई।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,520/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 84,010/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,352.64
-202.80 -0.25% ↓

एनएसई :25,198.70
-81.15 (-0.32%) ↓

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°

न्यूनतम : 23°

रेणुकास्वामी हत्याकांड

हत्यारोपी दर्शन समेत 17 के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

बेंगलुरु, 04 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु पुलिस ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा समेत 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की गई। 3991 पन्नों के आरोपपत्र में 231 गवाहों के बयान हैं। इसे 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में प्रस्तुत किया गया था। अभिनेता दर्शन और उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा समेत 15 अन्य लोग राज्य के विभिन्न जेलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

कमिश्नर बी दयानंद ने कहा, हमने इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया है जो न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में हमारे पास तीन चश्मदीद गवाह हैं। 27 गवाहों ने अदालत के समक्ष अपने बयान दिए और अन्य गवाहों ने पुलिस के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं। उन्होंने आगे कहा, हमने जांच से संबंधित कई सामग्रियां यहां एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और सीएफएसएल (सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, हैदराबाद) को भेजी थीं। हमें उनकी रिपोर्ट मिल गई, लेकिन सीएफएसएल से कुछ रिपोर्ट आनी बाकी है।33 वर्षीय रेणुकास्वामी अभिनेता दर्शन के बहुत बड़े फैन थे। उसने दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील मैसेज भेजे थे। इसे देखकर दर्शन को गुस्सा आया और यही गुस्सा रेणुकास्वामी की हत्या का कारण बना। उसका शव सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक नाले में मिला था।

8 जून को फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को यह कहकर बुलाया कि अभिनेता उससे मिलना चाहते हैं और वहां आने पर उसकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत गंभीर चोट लगने और खून बहने की वजह से हुई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, रेणुकास्वामी चित्रदुर्ग का रहने वाला था। कई चोटों के कारण उसकी मौत हुई। रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में पवित्रा भी एक आरोपी हैं। उन्होंने दावा किया जांच में यह साबित हो गया है कि उन्होंने रेणुकास्वामी की हत्या के लिए उकसाया और साजिश रची और अपराध में शामिल हुई।

शिवलाल स्मारक समिति
स्व. श्री शिवलाल जी विधायक की
42वीं पुण्य-तिथि स्मृति सभा

MLA
(Karwan constituency)
Chairman
Handicraft Development corporation
आज, गुरुवार दि. 5 सितंबर, 2024 को
प्रात: 11.00 बजे से
स्थान : शिवलाल किड्स केयर सेंटर एवं प्रौढ शिक्षा केंद्र
जाली हनुमान मंदिर के समीप पुलिस क्वाटर्स, धुलपेट हैदराबाद-6

मुख्य अतिथि :
श्री टी. राजा सिंह जी गोशामहल विधायक
श्री पी.विष्णुवर्धन रेड्डी जी पूर्व विधायक
श्री एम. विक्रम गौड़ जी (युवा नेता)
श्री लाल सिंह जी (पार्षद गोशामहल)
श्रीमती एम.शशिकला कृष्णा जी (पार्षद मंगलहाट)
श्री प्रेमलाल जी (महामंत्री TPCC)
श्री डी.अनिल सिंह जी (पूर्व पार्षद धूलपेट)
श्री एम.विशाल गौड
श्री परमेश्वरी सिंह जी (पूर्व पार्षद मंगलहाट)
श्री सी.मोहनलाल (पूर्व संचालक लोध क्षत्रिय सदर पंचायत)
श्री बी.नरेश सिंह(संस्थापक जै.लो.स.वि.स)
श्री राजकुमार सिंह (समाज सेवक)
श्री राम सिंह जी(रवि सिंह)
श्री कन्हैय्या लाल साहु(कन्नू पहलवान)
श्री आनन्द सिंह (बी.आर.एस.नेता)
श्री के.केवल सिंह(कांग्रेस नेता)
श्री ज्ञानी चंद्र सिंह (समाज सेवी)
श्री शैलेंद्र सिंह (पूर्व अ.भ.लो.स.अ.क.स)
श्री डॉ.संतोष सिंह(MBBS, M.D. IDCCM, DIABETOLOGIST)
श्री एम.महेश सिंह जी (अध्यक्ष लोध क्षत्रिय सदर पंचायत)
श्री दशरथ सिंह जी (अध्यक्ष एल.के.जी.ए)
श्री जी.मुकेश सिंह जी (पूर्व पार्षद गोशामहल)
श्री गुलाब सिंह (पहलवान)
श्री आलापुरुषोत्तम(बी.आर.एस.नेता)
श्री ए.चन्द्रशेखर सिंह जी एडवोकेट
श्री गौकरण सिंह(लक्ष्मी नगर)
(अध्यक्ष(जे.लो.म.स.वि.स)
श्री सुदेश सिंह (समाज सेवक मंगलहाट)
श्री रविन्द्र सिंह(भा.जा.पा)
श्री रणवीर सिंह (खम्मन सिंह)(समाज सेवी)
श्री डी.सुभाष सिंह (समाज सेवी)
श्री लक्ष्मीनारायण कलाकार
श्री विजय सारथी (कांग्रेस नेता)
श्री श्रीकान्त यादव(कांग्रेस)
संयोजकगण
डॉ. वीजेंद्र (Canada), रविचंद्र (USA), डॉ. लोकेंद्र (USA)
धीरेंद्र (USA), जितेन्द्र (cell 984933064)
RELIANCE HI-TECH SCHOOL
Recognised by the Govt of T S.
Shivlal Nagar 'X' Road, Near Laxminagar, Hyderabad - 500 006. Ph: 09030970644
Opp. Gopi Hotel Lane, Jiaguda, Hyderabad - 500 006. Ph : 08977020644
Tallagadda Opp. Bus Stop, Hyderabad - 500 006. Ph: 09030550644
Near Chaman, Above Gayatri Hall, Rahimpura Hyderabad - 500 006. Ph: 09246842644
Nursery - S.S.C | English Medium | With Digi (Smart) Classes

।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।।

।। जय बाबा की ।।　　।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।　　।। श्री हनुमंताय नमः ।।

संस्था के संस्थापक प्रेरणास्त्रोत ब्रह्मलीन

स्व. श्री रामकिशोरजी कोलरिया, स्व. श्री नन्दलालजी लखारा, स्व. श्री सत्यनारायणजी वर्मा, स्व. श्री किशनजी पाण्ड्या, स्व. श्री सरदारमलजी कोलरिया, स्व. श्री भगवानजी गोप, स्व. श्री जितेंद्रजी लुणिया

पावन सान्निध्य

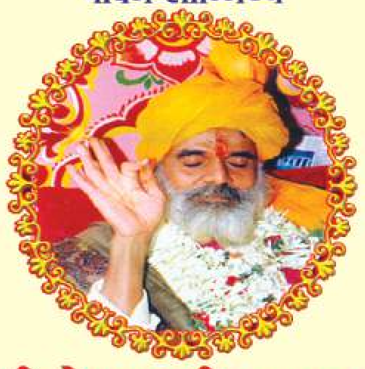

श्री सेवारामजी महाराज
रामनाथ आश्रम, बेगम बाजार

श्री बाबा रामदेवजी महाराज का जन्मोत्सव एवं 64वाँ विशाल जागरण

आज भादवा सुदी 2 गुरुवार, 5 सितम्बर 2024 रात्रि 8.31 बजे से शुभ स्थल : महबूब कॉलेज ग्राउण्ड, आर.पी. रोड, सिकन्दराबाद

मुख्य अतिथि

श्री प्रभुदास जी महाराज, श्री राहुलदास जी महाराज, श्री जी. किशन रेड्डी (Minister of Tourism), डॉ. के. लक्ष्मण (राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा), श्री बंडी संजय (Minister of Home Affairs), श्री ईटला राजेन्द्र (Member of Parliament), श्री टी. पद्माराव (पूर्व डिप्टी स्पीकर), श्री टी. श्रीनिवास यादव (पूर्व पशुपालन मिनिस्टर), श्री के. प्रभाकर रेड्डी (सांसद-मेदक), श्री टी. राजा सिंह (गोशामहल विधायक), श्री येद्दला मधुकर (मधु) (टकार बस्ती)

भजन गायक

श्री कमल दाहिमा, श्री मुरारी दाहिमा, श्री रवि सिंग

प्रमुख भजन गायक

श्री धनराज जोशी, श्री प्रकाश माली, श्रीमती पिंकी गहलोत (अजमेर), श्री शुभम बिखरनिया, श्री मानारामजी (राजस्थान), श्री विक्रम प्रजापत, श्री अमित नागोरी, श्री विशाल श्रीमाली (बिडासनी, जोधपुर)

भजन गायक

श्री संजय दाहिमा, श्री दीपेश जोशी, श्री सुनील जायलवाल, श्री विजय जाजू, श्री सुशील बजाज, श्री पंकज ओझा, श्री श्याम तिवारी, श्री रवि सिंह ठाकुर, श्री घनश्याम भाई, श्री नंदकिशोर व्यास, श्री रविकांत तिवारी, श्री घनश्यामदास शर्मा, श्री कृष्णा पुरोहित, श्री आशीष शर्मा

सम्माननीय अतिथि

श्री अविनाश गहलोत (विधायक, जैतारण, राजस्थान), श्री नूले बलराज, श्री श्रीमती कोंथम दीपिका नरेश (मोंडा मार्केट 150 डिविजन कॉर्पोरेटर), श्री श्रीमती चीरा सुचित्रा श्रीकांत (रामगोपालपेट डिविजन कॉर्पोरेटर), श्रीमती श्री अत्तली अरुणा श्रीनिवास गौड़ (पूर्व पार्षद)

श्रीमती बंडला कार्तिका रेड्डी, श्री रामकृष्णा (एबीवीपी लिडर), श्री भीखाराम गुर्जर, श्री कौशल प्रजापत महाराज, श्री पवन गुरु (9टेम्पल्स), श्री गौरीशंकर (कॉंग्रेस नेता), श्री गोविन्द राठी (भाजपा नेता), श्रीमती मेघारानी (भाजपा नेता), श्रीमती साक्षी गुप्ता (भाजपा नेता), श्रीमती नीता पारीक (भाजपा नेता), श्रीमती शांति अक्का (टीआरएस-नेता), श्री जगदीशप्रसाद वर्मा (समाजसेवी)

अखण्ड ज्योत　फूलों की सजावट　अद्भुत दरबार　लंगर प्रसाद

इस अवसर पर आप सभी सहपरिवार सादर आमंत्रित है। लंगर एवं प्रसाद का लाभ लेवें।

श्री लड्डू यादव (भाजपा नेता), श्री हेमंत महाराज, श्री कन्ना यादव (पूर्व पार्षद), श्री आडम विजय कुमार (टीआरएस नेता), श्री बुक्का गोपाल (भाजपा नेता), लक्ष्मण राव (भाजपा नेता), श्री सुरेश जोशी, पं. नन्दकिशोर पांडेय, श्री प्रभात सोलंकी, श्री चेनाराम प्रजापत, श्री दिनेश यादव, श्री जसमत भाई पटेल, श्री अशोक कोलरिया

गोविन्दा गौशाला, यादगिरीगुट्टा, भुवनगिरी, जिला नलगोंडा
गोविन्दा ग्रुप, हैदराबाद

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	मंत्री	उप मंत्री	उप मंत्री	कोषाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	सहयोग मंत्री	सहयोग मंत्री
गज्जू भाई कोलरिया	जवाहरमल जैन	शरद सिंह ठाकुर	विनोद संचेती	धिरेनकुमार जैन	प्रशांत गोलेच्छा	निलेश जैन	संजय कटारिया	अजय वर्मा	कमल जैन	सुरेश माली परिहार	विक्रम लोहार	प्रभु सिंह राठोड़

सदस्यगण

एस. वेंकट रेड्डी, महेन्द्र अग्रवाल, अमित जोशी, विजय कोलरिया, सुरेश चौधरी, डॉ. किशोर सिंह चौहान, सुरेश कोलरिया, घनश्याम उपाध्याय, अविनाश देवड़ा, सुरेश उपाध्याय, जयप्रकाश कोलरिया, गोपाल व्यास, श्यामसुन्दर पाण्ड्या, मुकेश सोनी, प्रभुराम प्रजापत, राधेश्याम तिवारी, पूनमचंद वर्मा

नवरंगलाल सैनी, नन्दकिशोर उपाध्याय, गोपिकिशन उपाध्याय, भंवरलाल माली, धर्माराम ढाका, चेतन भोगानी, आनन्द पाटेल, पप्पू घोड़लिया, सोहनसिंह राजपुरोहित, बंटी जैन, जयकिशन उपाध्याय, अमर मानसिंह, सतपालसिंह, भगवतसिंह, लड्डू यादव, तानसिंग, धर्माराम जोशी

विनोद भाई सामला, ताराचंद माली, मुकेश खटेड़, मनोज जैन, श्याम बोहरा, अशोक कावडिया, कमल भाई, श्रीकांत तिवाड़ी, प्रेमसिंह, लक्ष्मण राजपुरोहित, रुपेश कुमावत, नरसिंहमल प्रजापत, लड्डू ओझा, अनिल कोठारी, रामअवतार, वीरू लटियाल पाट्वा, श्याम उपाध्याय

महेन्द्रसिंह आगलेचा, हीरालाल, मिश्रीलालजी कुमावत, गोविन्द, डेरामाराम प्रजापत, प्रेमनाथ रावल, महेश चौधरी, रमेश चौधरी गुडियाँ, हरि इन्नाणी, आनन्द मखाना, रतनलाल सेन, कानाराम माली, पुखराज परमार, महेश उपाध्याय, अंबाराम माली, गोविन्द चौधरी, महादेव सिंह, दूधाराम बाबल

हरिश अग्रवाल, जयंति सोनी, नटवरलाल व्यास, अमृतलाल कुमावत, डोलाराम जाट, शांतिलाल सुथार, अनुप माली, प्रकाश चौधरी, भरत चौधरी, सुमेर चौधरी, शंकरलाल चौधरी, अनुप माली, अजय व्यास, मुकेश जोशी, नरेश पांडे, विजय चौधरी, मधुसुदन दाहिमा, संतोष कुमार, निकुंज सर्राफ

श्रवण सिंह राठोड़, अशोक जोशी, दिनेश पांडे, बालकिशन दाहिमा, अर्जुन कायत, प्रेम चौधरी, प्रकाश व्यास, नारायनसिंह, मोहन जांगिड, धनराज टी., रमेश वैष्णव, विनोद पांडे, पवन व्यास, सुभाष कोलरिया, सुनील सेन, विष्णु कोलरिया, निहाल तिवाड़ी, केशव उपाध्याय, सोनू भाईराव

Sushil Kumar Agarwal - 9246825200, 9849286200 — SURYA SALES CORP. — Agarwal — Ranigunj, Sec'bad

Sandeep Bhati - 9000000651 — New Santosh Dhaba — Pan Bazar, Sec'bad

Ramkishore Jhaver - 9885010873 — USHA ENGINEERING — Ranigunj, Sec'bad

SANTOSH DHABA — Paradise, Sec'bad — HOTEL RAHUL INTERNATIONAL — Park Lane, Sec'bad

P. Sunil - 9848214974 — SUNIL ENTERPRISES

JAGGU MITHAI — Mahankali Street, Sec'bad

DULHAN — Fashion Art Jewellery — Subhash Road, Near Mahankali Temple, Sec'bad Ph. 6300675662

CH. JITU - 91608 66661, 9966043790 — JAI BHAVANI ELECTRICALS — Yadagirigutta, Yadadri Bhongir District

PIYUSH JAIN — SCAPE ROCKS — Exquisite Stone Crafted Landscape

Suresh Jath — DHANLAXMI GARMENTS — Kurta, Leggings, Nighty & Night Suit — Beside Annapurna Hospital, Vivekananda Nagar, Hyd. Ph. 9511312486

P.Bhomsa Seervi (Babu) — MAHADEV JEWELLERS — 91.6 KDM Gold & Silver Articles — Secunderabad. Ph. 9700224056

Suresh Vishnoi — VISHNU TRADING CO. — R.P. Road, Hyderbasti, Sec'bad Ph: 66382928

Dinesh Gupta — HITESH TRADING — Where Quality is the only way of life — Pan Bazar, Ranigunj, Sec'bad Ph: 9949055945

Rakesh Vyas - 9849227310 — TULSI KRISHNA ELECTRICALS — T.R. TULSI PRODUCTS, MARISON CABLES & WIRES

Pabba Srinivas - 9246332759 — Mahalaxmi Homes — Pan Bazar, Sec'bad.

छप्पन भोग : बालाजी राजकुमार मिठाई भण्डार, सिखविलेज, सिकन्दराबाद — मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्तदान शिविर

Ashok Tiwari, R.K. Tiwari, D.R. Tiwari — Ayodhya Trading Company — Ranigunj, Sec'bad

Pradeep Aditya Nilesh Aditya — Lovely Chips — Mahankali Street, Sec'bad. Ph. 27711505

Ramkishore - 9640652302, Rakesh - 9032477929 — BALAJI DECOR — AN EXCLUSIVE FURNISHING STORE - BEGUM BAZAR, HYDERABAD

CHETAN TIWARI — TIWARI DECOR — Wallpaper, Sofa, Curtain, Panelling

VANAJA AGENCIES — VANAJA ENTERPRISES — VANAJA RETAILS — VANAJA EXPORTS & IMPORTS PVT. LTD — Subhash Road, Sec'bad

Narender - 7893096650 — Sri Jagdamba Art Jewellery — Subhash Road, Sec'bad.

Shravan Jath — NEW SIDDHI SELECTIONS — Exclusive Ladies Showroom — Ph. 7353074358

G.Ramesh Kuradiya — MAN MANDIR SELECTIONS — Begum Bazar Chatri, Hyderabad

Jayesh Patel — DEEP ENGINEERING COMPANY — Dealer in Pipe & Spares, Cable Wires Etc. — Old Bhoiguda, Secunderabad

RAMPRASAD BHAGWANDAS JAJU — Designer Saree & Ghagras — Subhash Road, Sec'bad

SRI BALAJI FAMILY DHABHA — 100% Pure Vegetarian A/c — R.P.Road, Sec'bad

Dilip Bhai Ranka — RANKA JEWELLERS — Pot Market, Sec'bad.

DARSHAN TELECOM — iPhone, OnePlus, vivo, oppo, realme, Xiaomi, Samsung, NOKIA, LAVA, itel, Karbonn — Nilesh Jain, Manoj Jain © 9000307410, 9032040551

।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।। जय बाबा की ।।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.